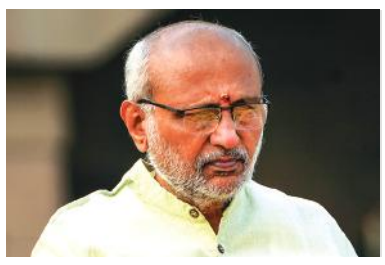

उपराष्ट्रपति ने कहा कि धर्म, जाति के भेदभाव के बिना सबको गले लगाता है आरएसएस

-14

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा - पांच हजार का खादी जरूर खरीदें

-14

मोरक्को में हिंसक हुआ सरकार विरोधी प्रदर्शन, दो लोगों की मौत

-15

अर्जेंटीना के महान फुटबाल खिलाड़ी मेसी का भारत में फिर से आना सम्मान की बात

-16

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

25.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.00

सूर्यास्त 05.58

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष एकादशी 06:33 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 314, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

103 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में 103 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 49 माओवादियों पर कुल 1.63 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। हथियार डालने वाले माओवादियों में 22 महिलाएं भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में शामिल डिविजनल कमेटी सदस्य लच्छु पूनेम ऊर्फ संतोष (36), प्लाटून पार्टी कमेटी सदस्य गुड्डू फरसा उर्फ विजय (30), भीमा सोढी उर्फ कमल सिंह (45), कंपनी नंबर 10 की पार्टी सदस्या हिडमे फरसा उर्फ मीना (26) और कंपनी नंबर एक की पार्टी सदस्या सुखमती ओयाम (27) पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था।

लेह हिंसा: हिरासत में लिए गए 26 लोग रिहा

लेह। लेह में हाल ही में हुई हिंसा की न्यायिक जांच की मांग गुरुवार को तेज हो गई। दो शक्तिशाली बौद्ध धार्मिक संगठनों और कारगिल बार एसोसिएशन ने हिंसा की न्यायिक जांच पर जोर दिया। लेह में बृहस्पतिवार को आम जनजीवन पटरी पर लौटता दिखा, जब अधिकारियों ने एक हफ्ते में पहली बार कर्फ्यू में पूरे दिन के लिए ढील दी और हिरासत में लिये गए 26 लोगों को रिहा कर दिया। लेह में हिंसा में कथित संलिप्तता को लेकर 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था।

हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की देते हैं गारंटी : भागवत

संघ प्रमुख बोले- पड़ोसी देशों में जनता के गुस्से के पीछे सरकारों व समाजों के बीच दूरी थी वजह

- नागपुर में आरएसएस की वार्षिक विजयादशमी रैली को किया संबोधित

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हिंदू समाज में हम और वे की अवधारणा कभी अस्तित्व में नहीं रही। उन्होंने स्वदेशी (देशीय संसाधनों का उपयोग) और स्वावलंबन (आत्मनिर्भरता) का समर्थन करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के बाद विभिन्न देशों द्वारा अपनाए गए रुख से भारत के साथ उनकी मित्रता के स्वरूप और प्रगाढ़ता का पता चला।

भागवत ने नागपुर के रेशिमबाग में आरएसएस की वार्षिक विजयादशमी रैली को संबोधित करते हुए श्रीलंका, बांग्लादेश में अशांति और नेपाल में जेन जेड प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए कहा कि ये तथाकथित क्रांतियां अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं करतीं। यह रैली ऐसे समय में हुई जब आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष भी मना रहा है। आरएसएस की स्थापना 1925 में दशहरा के दिन नागपुर में महाराष्ट्र के चिकित्सक केशव बलिराम हेडगेवार ने की थी। भागवत ने कहा, हिंदू समाज एक जिम्मेदार समाज है। यहां हम और वे का विचार कभी नहीं रहा। एक विभाजित समाज टिक नहीं सकता और हर व्यक्ति अपने आप में अनोखा है। आक्रमणकारी आए और गए, लेकिन हमारी जीवन-पद्धति कायम रही। हमारी अंतर्निहित सांस्कृतिक एकता ही हमारी शक्ति है। हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र राष्ट्रीय एकता की गारंटी है। भागवत ने महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी जयंती दो अक्टूबर को मनाई जाती है। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता संग्राम में गांधीजी का योगदान अद्वितीय है, जबकि शास्त्री जी का जीवन और समय समर्पण तथा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वे व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र के ऐसे उदाहरण हैं जिनका हमें अनुकरण करना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ आस्था और एकता का प्रतीक था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवादियों ने सीमा पार कर जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछकर 26 भारतीयों की हत्या कर दी, जिस पर भारत ने कड़ा जवाब दिया। कहा कि इस हमले से देश में भारी पीड़ा और आक्रोश फैला तथा भारत से इसका करारा जवाब दिया। इसके बाद नेतृत्व का दृढ़ संकल्प, हमारे सशस्त्र बलों का पराक्रम और समाज की एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

टैरिफ पर कहा- निर्भरता मजबूरी नहीं होनी चाहिए

राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका द्वारा अपनाई गई शुल्क (टैरिफ) व्यवस्था का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि इसका असर सभी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा, निर्भरता कोई मजबूरी नहीं होनी चाहिए। दुनिया में एकता तो होनी ही चाहिए, लेकिन स्वदेशी और स्वावलंबन का कोई विकल्प नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक व्यापार और आर्थिक संबंध हमारी इच्छा के अनुसार होने चाहिए, न कि मजबूरी के अनुसार। आरएसएस प्रमुख ने जलवायु परिवर्तन पर भी चिंता जताई और कहा कि पिछले तीन-चार वर्षों से इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, हिमालय हमारी सुरक्षा दीवार है और इसकी रक्षा की जानी चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए विकास नीतियों पर पुनर्विचार करना होगा।

श्रीलंका, बांग्लादेश में अशांति और नेपाल में जेन जी आंदोलन भारत के लिए चिंता का विषय

भागवत ने यह भी कहा कि श्रीलंका, बांग्लादेश में अशांति और नेपाल में हाल ही में हुआ जेन जी आंदोलन चिंता का विषय है क्योंकि ये देश भारत के पड़ोसी हैं। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक तरीकों से बदलाव हो सकता है। तथाकथित क्रांतियां अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं कर पातीं। ऐसी परिस्थितियों में बाहरी ताकतों को मौका मिल जाता है। हमें लगता है कि वे सिर्फ हमारे पड़ोसी ही नहीं बल्कि हमारे अपने हैं। वहां की स्थिति हमारे लिए चिंता का विषय है। कहा कि आरएसएस को राजनीति में शामिल होने के लिए कहा गया था, लेकिन स्वयंसेवकों ने नियमित रूप से केवल एक ही काम किया: हर स्थिति में शाखा चलाना।

बापू, शास्त्री के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार

गोरखपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपिता व पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को सत्य व अहिंसा की शक्ति का एहसास कराया था। बापू व शास्त्री के सपनों को डबल इंजन सरकार आज साकार कर रही है। स्वदेशी की अवधारणा देश को एकता के सूत्र में बांधने का साधन बनी।

बापू के सपनों को साकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी अवधारणा देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी अवधारणा से जुड़ी प्रदेश सरकार की ओडीओपी (एक जनपद एक उत्पाद) योजना सफलता की नई ऊंचाई छू रही है। उक्त बाते मुख्यमंत्री योगी ने गोरखनाथ मन्दिर परिसर, गोरखपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर इन दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कही। योगी ने कहा कि स्वदेशी केवल खादी तक सीमित नहीं है बल्कि वर्तमान समय में भारत की दिनचर्या बन रही है।

खादी वस्तुओं पर 25 % छूट का लाभ उठाएं : योगी

योगी ने कहा कि स्वदेशी को और बढ़ावा देने के लिए उन्होंने प्रदेश के प्रत्येक जनपद में दीपावली के पूर्व उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो की तर्ज पर स्वदेशी मेले आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में आज से खादी वस्तुओं के क्रय पर 25 प्रतिशत छूट का शुभारंभ हो रहा है। योगी ने लोगों से अपील की कि स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए वह खादी व अन्य स्वदेशी वस्तुओं का उपहार दीपावली में में अपने सगे सम्बन्धियों को प्रदान करें।

श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनकी सरकार विकसित भारत के निर्माण के लिए उनके बताए रास्ते पर चलेगी। इस दौरान देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि दी।

बरेली में इंटरनेट सेवाएं दो दिन बंद, मंडल में हाई अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- नौ हजार से ज्यादा सुरक्षाबल तैनात, चार जिलों में कड़ी सुरक्षा के बंदोबस्त

अमृत विचार। दशहरा उत्सव के मद्देनजर बरेली मंडल के चार जिलों में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए हैं। बवाल के बाद बरेली जिले में मोबाइल इंटरनेट, ब्रॉडबैंड और एसएमएस सेवाओं पर लगी पाबंदी अगले 48 घंटे के लिए और बढ़ा दी गई है। जिले में नौ हजार से अधिक सुरक्षाबल को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को जायजा लेने को प्रशासन ने बरेली में फ्लैग मार्च भी निकाला।

संवेदनशील इलाकों में पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवानों को तैनात किया गया है तथा ड्रोन के जरिए निगरानी की जा रही है। गत शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद कोतवाली क्षेत्र की एक मस्जिद के बाहर दो हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। इस दौरान हुए पथराव और लाठीचार्ज में कुछ पुलिसकर्मियों समेत कई लोग घायल हो गये थे।

मंडलायुक्त भूपेंद्र एस चौधरी ने बताया कि बरेली में हाल में हुई हिंसा के बाद 2 अक्टूबर को दशहरे के त्योहार के मद्देनजर बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं जिलों के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है। गृह विभाग के गोपनीय अनुभाग-3 द्वारा जारी अधिसूचना के तहत जिले में मोबाइल इंटरनेट, ब्रॉडबैंड और एसएमएस सेवाएं अगले 48 घंटे के लिए निलंबित कर दी गई हैं। यह आदेश दो अक्टूबर अपराह्न तीन बजे से चार अक्टूबर अपराह्न तीन बजे तक प्रभावी रहेगा। गृह विभाग के सचिव गौरव दयाल ने आदेश में कहा कि सोशल मीडिया मंचों जैसे फेसबुक, यूट्यूब, व्हाट्सएप से अफवाहें फैलने और सांप्रदायिक तनाव भड़कने की आशंका है, ऐसे में जिले में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाना जरूरी है।

शरारती तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश

मंडलायुक्त चौधरी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। चौधरी ने अधिकारियों को शरारती तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए और कर्तव्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल का निधन

नई दिल्ली/मिर्जापुर। हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पंडित छन्नूलाल मिश्र का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। परिवार के सूत्रों ने बताया कि मिश्र का सुबह चार बजे देहांत हो गया।

- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने मिश्र के निधन पर जताया शोक

वह पिछले काफी दिनों से बीमार थे और मिर्जापुर में अपनी सबसे छोटी बेटी के परिवार के साथ रहते थे। छन्नूलाल की बेटी नम्रता मिश्र ने बताया, उम्र संबंधी समस्याओं के कारण वह पिछले 17 से 18 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। मिश्र का अंतिम संस्कार शाम पांच बजे वाराणसी में किया जाएगा। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मिश्र के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

चेतावनी | गुजरात के भुज में सीमा के निकट सैन्य अड्डे पर रक्षा मंत्री ने शस्त्र पूजन कर सैनिकों के साथ मनाया दशहरा

सर क्रीक में दुस्साहस पर पाकिस्तान को देंगे जवाब

नई दिल्ली/भुज, एजेंसी

पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने गुरुवार को कहा कि सर क्रीक सेक्टर में इस्लामाबाद के किसी भी दुस्साहस का निर्णायक जवाब दिया जाएगा, जो इतिहास और भूगोल दोनों को बदल देगा। गुजरात के भुज में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट सैन्य अड्डे पर सिंह की टिप्पणी पड़ोसी देश द्वारा विवादित क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार की पृष्ठभूमि में आई है।

गुजरात के भुज में विजयादशमी पर्व पर शस्त्र पूजन करते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

रक्षा मंत्री ने सैनिकों के साथ दशहरा मनाया और इस अवसर पर शस्त्र पूजा की। सिंह ने यह भी कहा कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है और तनाव बढ़ाकर पाकिस्तान के साथ युद्ध शुरू करना उसका उद्देश्य नहीं था। कहा कि इस अभियान ने पाकिस्तान की हवाई रक्षा को बेनकाब कर दिया तथा भारत की निर्णायक क्षमता को साबित कर दिया। हालांकि, विवादित सर क्रीक क्षेत्र पर उनकी टिप्पणियों ने काफी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा, 1965 के युद्ध में भारतीय सेना ने लाहौर तक पहुंचने की क्षमता का प्रदर्शन किया था। आज 2025 में पाकिस्तान को याद रखना चाहिए कि कराची जाने का एक रास्ता इसी क्रीक से होकर गुजरता है। सर क्रीक गुजरात के कच्छ के रण और पाकिस्तान के बीच 96 किमी लंबा ज्वारीय मुहाना है। दोनों पक्षों द्वारा समुद्री सीमा रेखाओं की अलग-अलग व्याख्याओं के कारण इसे एक विवादित क्षेत्र माना जाता है। सिंह ने कहा आजादी के 78 साल बाद भी पाकिस्तान सर क्रीक सेक्टर पर विवाद पैदा करता रहता है, जबकि भारत बातचीत से सुलझाने के लिए बार-बार प्रयास करता रहा है। कहा कि सर क्रीक से सटे इलाकों में उसके सैन्य बुनियादी ढांचे का हालिया विस्तार उसकी नीयत को दर्शाता है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

भगवा यात्रा में शामिल होने के लिए हुए रवाना

खुटार, अमृत विचार : विजयदशमी दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में पुवायां नगर में विशाल भगवा यात्रा निकलने को लेकर खुटार से प्राचीन बालाजी धाम के महंत नंदन जी महाराज अपने अनुयायो को साथ लेकर ढोल नगाड़ों और डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर जयकारों के साथ सैकड़ों की संख्या में रवाना हुए। बताते चलें कि पुवायां नगर में भगवा यात्रा का आयोजन हिंदू संगठनों द्वारा कराया गया, जिसमें खुटार क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से सैकड़ों की संख्या में युवा कारो, बाइको के साथ एकत्र हुए। खुटार अटल चौक से एकत्र होकर पुवायां के लिए रवाना हुए। भगवा यात्रा में संगठन के अध्यक्ष अवनीश मिश्र की अगुवाई में भगवा यात्रा का शुभारंभ हुआ। जिसमें कई हिंदू संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण शामिल हुए।

छुट्टा सांड़ ने युवक पर किया हमला

तिलहर, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला मुस्तफाबाद में गुरुवार सुबह एक भटकते हुए आवारा सांड ने स्थानीय युवक सद्दाम पर अचानक हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार सद्दाम सुबह लगभग नौ बजे अपने घर के बाहर टहल रहे थे, तभी सांड ने उन पर हमला कर गंभीर चोटें पहुंचाईं। घटना की सूचना पाकर परिजन और आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह सांड को खदेड़कर सद्दाम को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर में आवारा पशुओं की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। सांडों और अन्य पशुओं के अचानक हमला करने से राहगीरों और घरों में खतरनाक स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने नगरपालिका प्रशासन से आवारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

सड़क पर हुए गड्ढे दे रहे हादसों को दावत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : बाढ़ और बारिश के बाद सड़कों पर हुए गड्ढे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बने हुए है। दिन में तो वाहन चालक किसी तरह बचकर निकल जाते है, लेकिन रात में अंधेरा होने की वजह से दो पहिया सवार और साइकिल चालकों को ज्यादा परेशानी होती है। गड्ढों पहिए चले जाने के बाद उनका संतुलन बिगड़ जाता है। कई बार गिरकर तो कई बार दूसरे वाहनों से टकराकर घायल हो रहे है। स्थानीय लोगों ने सरकार से जल्द से जल्द सड़कों के गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग कर रहे है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गांधी व शास्त्री जयंती

जिलाधिकारी ने चरखा चलाकर दी श्रद्धांजलि, कृषक दुर्घटना कल्याण योजना और स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को दिए प्रमाणपत्र

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जनपद में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट में आयोजित मुख्य समारोह में जिलाधिकारी ने चरखा चलाकर महात्मा गांधी को नमन किया तथा गांधी व शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना और स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि महापुरुषों के विचारों से ही देश को आजादी मिली है और इन्हीं के सपनों को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है और इसके लिए पंच प्रण घोषित किए हैं। जिलाधिकारी ने लोगों से आह्वान किया कि वे पोर्टल पर अपने सुझाव अवश्य दें ताकि विकसित भारत के निर्माण में योगदान हो सके। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का सपना तभी पूरा होगा जब भारत विकसित

गांधी-शास्त्री जयंती पर चरखा चलाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते जिलाधिकारी।

- कलेक्ट्रेट में गांधी जी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन
- जिलाधिकारी ने विकसित भारत बनाने के लिए लोगों से मांगे सुझाव

देशों की श्रेणी में शामिल होगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित कलेक्ट्रेट का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में विनका मौर्या ने भाईचारे पर आधारित गीत प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया।

गांधीजी और शास्त्री जी के विचार हमेशा हमें देंगे प्रेरणा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: जीएफ़ कॉलेज में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर भव्य समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खान ने गांधीजी और शास्त्रीजी के चित्र पर माल्यार्पण कर की।

उन्होंने कहा कि गांधीजी के सत्य, अहिंसा, आत्मनिर्भरता और देशभक्ति जैसे जीवन मूल्य तथा शास्त्रीजी का त्याग, बलिदान और सादगी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. अक़ील अहमद खान ने कहा कि गांधीजी के विचारों ने विश्वभर में लोगों को प्रेरित किया, तभी आज विश्व अहिंसा दिवस भी मनाता है। हिंदी विभाग की डॉ. दरख़शां बी और भूगोल विभाग के डॉ. वीके सैनी ने भी गांधी-शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर छात्र-छात्राओं निहारिका, शादाब और अनुराधा ने भी अपने विचार रखे।

आत्मनिर्भर भारत व डिजिटल इंडिया की संकल्पना पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें उमा केवट ने प्रथम, रितु वर्मा ने द्वितीय और ज़ोहरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्राचार्य ने प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसका संचालन डॉ. मंसूर अहमद सिद्दिकी ने किया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर चित्र पर माल्यार्पण करते प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन।

श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाई गई गांधी-शास्त्री जयंती

कलान, अमृत विचार : महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कलान में श्रद्धा और सम्मान के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्लॉक प्रमुख कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख के ससुर रामगोपाल वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, महामंत्री राघवेंद्र मिश्रा, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष मंजू सिंह, किरण शर्मा, लक्ष्मी गुप्ता, प्रतिपाल सिंह, अमित मिश्रा सहित कार्यवाहक बीडीओ राजकुमार शुक्ला और ग्राम विकास अधिकारी प्रशांत सिंह मौजूद रहे। इससे पूर्व ब्लॉक कार्यालय पर ब्लॉक प्रमुख रुचि वर्मा, सीएचसी पर डॉ. हरेंद्र सिंह यादव, थाना प्रांगण में थाना प्रभारी प्रवाषचंद और नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन हरनारायण गुप्ता ने झंडारोहण कर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों को याद किया।

श्रद्धा के साथ मनाई गई गांधी- शास्त्री जयंती

खुटार, अमृत विचार : खुटार नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा के साथ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई गई। सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया। नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन मैना देवी ने दोनो महान विभूतियों के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। गोल्डन फ्लावर पब्लिक स्कूल में एमडी हरदेव सिंह सिद्धू, निदेशक नवदीप सिंह सिद्धू व प्रधानाचार्य राजकुमार साहू गांधी व शास्त्रीजी के चित्रों पर माल्यार्पण किया। खुटार खंड विकास कार्यालय में ब्लाक प्रमुख नमित दीक्षित, थाना खुटार में थानाध्यक्ष आर के रावत ने महत्मा गांधी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। शहीद उधम सिंह इंटर कॉलेज रामपुर कला में प्रधानाचार्य सर्वजीत सिंह सिद्धू, एलएसपी पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य एसके वर्मा, वनस्थली इंटर कॉलेज में आरएन मिश्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ0 संजीव कुमार, खुटार प्राथमिक विद्यालय नंबर एक में प्रधानाध्यापक आर डी तिवारी, काकोरी शहीद इंटर कालेज में प्रधानाचार्य ने चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए।

क्रय केंद्रों पर धान खरीद के लिए तैयारी पूरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार: खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में सरकारी धान खरीद के लिए क्रय केंद्रों के खुलने का काउंट डाउन शुरू हो गया है, जिसके साथ ही व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद कर किसानों को सुविधा उपलब्ध कराने पर डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने जोर देते हुए रौजा, पुवायां, तिलहर, जलालाबाद, कलान मंडियों में गेट पर एक-एक कर्मचारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए हैं। मंडी गेट पर नियुक्त होने वाले कर्मचारी को दायित्व दिया गया है कि वह मंडी गेट पर आने वाले किसानों के धान की गुणवत्ता को चेक करके धान की ट्राली को चक्रानुसार क्रय केंद्रों पर भेजा जाए। ताकि क्रय केंद्रों पर किसानों का जमावड़ा न लगने पाए।

इस वर्ष की धान की उत्पादकता अच्छी होने से मंडियों में अधिक धान की आवक होने की उम्मीद जताई जा रही है। इसके चलते ही मंडी गेट पर एक कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए गए है, जो अपने पास रजिस्टर में धान लेकर आने वाले किसानों का ब्यौरा भी दर्ज करेगा। डीएम ने मंडी सचिवों को यह भी निर्देश दिए हैं व्यापारियों के फड़ पर होने वाली प्रतिदिन होने वाली नीलामी प्रक्रिया को धान सीजन के दौरान दिन में दो बार किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के लिए लगाए जाएंगे कैंप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: समेकित शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के छह से 14 वर्ष आयु तक के अस्थि दिव्यांग, श्रवण दिव्यांग, मानसिक मंदित, दृष्टि दिव्यांग बच्चों को भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को कानपुर के सहयोग से उपकरण निःशुल्क वितरित किए जाते हैं, जिससे इस वर्ष उपकरण वितरण से पूर्व एलिम्को के विशेषज्ञों की ओर से दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर उपकरणों का निर्धारण किया जाएगा। इसके बाद बच्चों की आवश्यकतानुसार उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

बीएसए ने बताया दिव्यांग बच्चों का परीक्षण व मापन करने के लिए राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित तिथियों व स्थान के अनुसार कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तीनों कैंप जिलास्तरीय है, जिससे पूरे जनपद के दिव्यांग बच्चों को तीनों में से किसी भी कैंप में अपनी सुविधानुसार लाया जा सकता है। उन्होंने बताया 16 अक्तूबर को बीआरसी भावलखेड़ा में कैंप लगाया जाएगा। इसके अगले दिन 17 को उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा ब्लॉक कटरा खुदागंज में और 18 को बीआरपी पुवायां में कैंप लगाया जाएगा। बीएसए ने कैंप में आने के समय अभिभावकों से कुछ अभिलेख लाने को भी कहा है। उन्होंने बताया कि बच्चों की दिव्यांगता को प्रदर्शित करती तीन पासपोर्ट साइज फोटो, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अभिभावक की मासिक आय पांच हजार से कम होने का प्रमाण पत्र लाना जरूरी है।

गांधी-शास्त्री के आदर्शों को जीवन में उतारें: स्वामी चिन्मयानंद

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज एवं स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के सिद्धांतों व आदर्शों को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इसके बाद गांधी और शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे एनएसएस कार्यालय से हुआ, जहां एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरुण कुमार यादव के निर्देशन में

गांधी-शास्त्री जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

- स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज व विधि महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाई गई जयंती
- एनएसएस वॉलंटियर्स ने लिया स्वच्छता ही सेवा है का संकल्प
- स्वच्छता कर्मियों को तिलक व उपहार देकर किया गया सम्मान

वालंटियर्स ने "स्वच्छता ही सेवा है" का संकल्प लिया। इसके बाद कॉलेज परिसर और आसपास स्वच्छता अभियान चलाया गया। नारे और पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई। विशेष गतिविधियों में नारा प्रतियोगिता, स्लोगन मार्च तथा भाषण/विचार-विमर्श का आयोजन हुआ। स्वयंसेवकों ने "स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। मुमुक्ष शिक्षा संकुल की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने पांचों शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों को तिलक लगाकर और उपहार भेंटकर सम्मानित किया। इसके बाद कॉलेज के इंडोर स्टेडियम में सभी स्वच्छता कर्मियों को भोजन भी कराया गया। इस अवसर पर कॉलेज के सचिव प्रो. अवनीश मिश्र, प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार आजाद, उप प्राचार्य प्रो. अनुराग अग्रवाल, प्रो. आदित्य कुमार सिंह, प्रो. प्रभात शुक्ला, प्रो. मीना शर्मा, प्रो. अजीत सिंह चारग, प्रो. शालीन कुमार सिंह, डॉ. आलोक कुमार सिंह, डॉ. शिशिर शुक्ला, डॉ. कमलेश गौतम, डॉ. प्रांजल शाही, डॉ. जयशंकर ओझा, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ. मृदुल शुक्ला, डॉ. दीप्ति गंगवार, डॉ. रमेश चंद्रा, डॉ. दीपक सिंह, डॉ. प्रतिभा सक्सेना, दुर्ग विजय, डॉ. सुजीत वर्मा सहित सभी शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे। एनएसएस वॉलंटियर्स में कीर्ति, नैंसी, सौरभ, अभिषेक, अनुज, पूजा, नितिन, केशव, नंदनी आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

आरएसएस ने 100 वें स्थापना पर किया शस्त्र पूजन

संवाददाता, जैतीपुर, अमृत विचार : विजयदशमी के पावन पर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जैतीपुर इकाई ने सौवां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर श्रीराम जानकी महाराज मंदिर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता खंड चालक ओमपाल सिंह ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ का यह शताब्दी वर्ष हमारे लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि 1925 में विजयदशमी के दिन ही संघ की स्थापना हुई थी और तब से लेकर आज तक संघ समाज को जागृत एवं जागरूक करने के लिए कार्य करता आ रहा है। ओमपाल सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बीते 100 वर्षों से लगातार देशहित में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। देश में जब भी कोई आपदा आई, स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के सेवा और योगदान दिया है। कार्यक्रम के अंत में परंपरागत रूप से शस्त्र पूजन किया गया। इस मौके पर मचकेंद्र सिंह, मदनपाल सिंह, अमित कुमार, अंकित सिंह, दीपेश सिंह, मुन्ना कुशवाहा, पवन गुप्ता, गोलू समेत कई स्वयंसेवक मौजूद रहे।

बागवानी के कम लक्ष्य मिलने से बढ़ी अफसरों की टेंशन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मुनाफा अधिक होने से किसानों का बागवानी के प्रति बढ़ा रुझान

अमृत विचार: किसानों की आय में दोगुना वृद्धि के लिए जरूरी है कि परंपरागत फसलों की खेती के साथ बागवानी की भी बुवाई करें, जिसके लिए जिला उद्यान विभाग की ओर से किसानों को पौध से लेकर अनुदान भी उपलब्ध कराया जाता है।

पिछले कुछ समय से जनपद को बागवानी के लिए आवंटित होने वाला लक्ष्य ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रहा है, क्योंकि इस वर्ष सिर्फ आम व अमरूद की बागवानी के लिए दो-दो हेक्टेयर लक्ष्य मिला है। गिनती के कुछ किसानों को ही लाभ मिल पाएगा, जबकि बड़े पैमाने पर इच्छुक किसान बागवानी के लाभ से वंचित ही रह जाएंगे।उत्तर प्रदेश की विविधतापूर्ण जलवायु सभी प्रकार की बागवानी फसलों के उत्पादन के लिए उपयुक्त है। बागवानी फसलों के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के फलों पपीता, अमरूद, केला, आम, अंगूर, बेल आदि की खेती की जा सकती है। इसके अलावा शागभाजी में फूलगोभी, बन्दगोभी, मटर टमाटर, सलजम, आलू, प्याज, लौकी, कद्दू, गाजर आदि और मसालों में धनिया, हल्दी, सौफ, जीरा, मिर्चा, लहसुन आदि फसलें बोकर किसान अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। बागवानी खेती के लिए सरकार अनुदान भी दे रही है। आम

> जनपद में आम व अमरूद की बागवानी के लिए दो-दो हेक्टेयर का लक्ष्य मिला है, जिसके लिए किसानों से आवेदन मांगे गए हैं। इसके अलावा ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए भी दो हेक्टेयर का लक्ष्य मिला है। किसानों की मांग को देखते हुए जनपद को मिला लक्ष्य कम है। इसलिए जनपद में बागवानी के लक्ष्य को बढ़वाने के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है।
> -पुनीत कुमार पाठक, जिला उद्यान अधिकारी

और अमरूद की बागवानी के लिए कुल चार हेक्टेयर लक्ष्य मिला है, जिससे किसानों को 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अनुदान दिए जाने की व्यवस्था है। बागवानी फसलों का कृषि एवं संवर्गीय क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान है। बागवानी फसलें इकाई क्षेत्र से अधिक आय, रोजगार एवं पोषण उपलब्ध कराने में सक्षम है। बागवानी फसलें विविधतापूर्ण होती है। बढ़ती मांग और कृषि में महत्वपूर्ण योगदान, फसलों के व्यावसायीकरण विविधीकरण से प्रदेश सरकार बागवानी फसलों के क्षेत्रफल में विस्तार करते हुए किसानों को हर तरह की सुविधा दे रही है। प्रदेश सरकार पुराने आम, अमरूद, आंवला आदि के अनुत्पादक बागों का जीर्णोद्धार कराकर उनके उत्पादन में बढ़ोत्तरी लाने का प्रयास कर रही है, जिसके लिए गुणवत्ता युक्त रोपण सामग्री का उत्पादन कर पौधों को अधिक से अधिक रोपण के लिए किसानों, उत्पादकों को दे रही है। जनपद में पुराने अनुत्पादक बागों के जीर्णोद्धार प्रक्रिया के अंतर्गत कार्य नहीं हुआ है।

श्री गंगा चरण आर्यवर्धन अस्पताल

निःशुल्क हृदय जाँच शिविर

कैम्प में विशेष सुविधाएं

वरिष्ठ नागरिको एवं महिलाओं के लिए ईको एवं ई.सी.जी. फ्री

निःशुल्क परामर्श | बी.पी., शुगर, ऑक्सीजन सैचुरेशन की जाँच फ्री

एंजियोग्राफी 5000/- | दिल से सम्बंधित सभी खून की जाँचों पर 30% की छूट

स्थानः श्री गंगा चरण आर्यवर्धन अस्पताल, ए-2, रामपुर गार्डन, बरेली

दिनांक- 05.10.2025 (रविवार) | समय - सुबहः 10 बजे से 3 बजे तक

डा. आशीष शंखधार

एम.डी., डी.एन.बी. (कॉर्डियोलॉजी)

इन्टरवेन्शनल हृदय रोग विशेषज्ञ

24x7 आई.सी.यू. एवं कैथ लैब प्रोसीज़र की सुविधा उपलब्ध

सम्पर्क करें- +91-9675223333, +91-9719053465

आवास विकास कॉलोनी में आंगनबाड़ी केंद्र की मांग की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 15 वर्षों से कॉलोनी में आंगनबाड़ी केंद्र का अभाव, बच्चों और महिलाओं को सुविधाओं से वंचित

अमृत विचार: आवास विकास कॉलोनी, बरेली मोड़ पर 15 साल पहले बसाई गई थी, लेकिन यहां पर आंगनबाड़ी केंद्र न होने से यहां के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। बच्चों को टिके लगवाने हो या महिलाओं को लोगों को दूर जाना पड़ता है।

पिछले दिनों कांग्रेस नेता राम जी अवस्थी ने इस समस्या को लेकर जिला विकास अधिकारी को ज्ञापन देकर यहां तत्काल आंगन बाड़ी केंद्र खुलवाने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि इस कॉलोनी को स्थापित हुए 15 वर्ष से अधिक समय हो चुका है, लेकिन आज तक यहां आंगनबाड़ी केंद्र नहीं होने के कारण बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरियों को केंद्र सरकार की एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। आंगनबाड़ी केंद्र की अनुपस्थिति से पोषण सहायता, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, किशोरी बालिका योजना और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम प्रभावित हो रहे हैं।

राम जी अवस्थी ने कहा कि कॉलोनी के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना अस्वीकार्य है। उन्होंने जिला प्रशासन से अपील की कि तत्काल कार्रवाई कर इस समस्या का समाधान किया जाए ताकि कॉलोनी के लोग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिला महासचिव गौरव त्रिपाठी, जितेंद्र पाल, सुधांशु मिश्रा, प्रशांत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद रस्तोगी ने कहा कि प्रस्तुत मांग को गंभीरता से लिया गया है।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान का समापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: गांधी जयंती के अवसर पर नगर निगम प्रांगण में स्वच्छता ही सेवा (पखवाड़ा) अभियान-2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर अर्चना वर्मा ने किया। उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ शाहजहांपुर बनाने में हर नागरिक को सहयोग करना चाहिए।

भारत सरकार के हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान टैगलाइन के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित इस अभियान के अंत में नगर निगम शाहजहांपुर द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छता कर्मियों, स्वच्छ सारथी क्लब, एनिमेटर, स्वच्छता टीम, ब्रांड एम्बेसडर, सैनिटरी इंस्पेक्टर, आईटी एक्सपर्ट और अन्य सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

नगर आयुक्त डॉ. बिपिन कुमार मिश्र ने कहा कि नगरवासी कूड़ा अलग-अलग करके दें और स्वच्छता कार्यों में नगर निगम का सहयोग करें।

तराना जमाल को सम्मानित करतीं मेयर अर्चना वर्मा। ● अमृत विचार

- उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया गया सम्मानित
- नगर निगम में गांधी जयंती पर आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम
- महापौर और नगर आयुक्त ने दी स्वच्छता बनाए रखने की अपील

उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में वार्ड स्तर और स्कूलों में संवाद स्थापित कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त एसके सिंह ने प्लास्टिक ढक्कनों से बने भारत के नक्शे की सराहना करते हुए सैफ सिद्दीकी और उनकी टीम को बधाई दी तथा नगरवासियों से कचरे के पुनरुपयोग की अपील की। इस अवसर पर स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर अल्पना श्रीवास्तव, इंदु अजनबी और तराना जमाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी वार्डों से पार्षद, सहायक नगर आयुक्त, महाप्रबंधक जल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के आदेश के बाद भी सड़कों पर दिख रहे छुट्टा पशु

डीएम ने दिया था एक अक्टूबर से पहले सड़कों से छुट्टा पशु हटाने का आदेश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने 15 सितंबर को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सभी बीडीओ को सख्त आदेश दिए थे कि एक अक्टूबर से पहले सड़कों से छुट्टा पशु हटा दिए जाएं, अन्यथा कार्रवाई होगी, लेकिन बीडीओ ने इस आदेश को अनसुना कर दिया। डीएम के आदेश महज कागजों तक सीमित रह गए और हकीकत यह है कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सड़कों पर झुंड बनाकर छुट्टा पशु घूम रहे हैं। इसके बाद से जिले में चर्चा है कि सड़कों से छुट्टा पशु कैसे हटें जब बीडीओ डीएम साहब की ही नहीं सुनते हैं।

गुरुवार को अमृत विचार ने सड़कों पर छुट्टा पशुओं की मौजूदगी की पड़ताल की तो पता चला कि आज भी पशु सड़कों पर खुलेआम घूम रहे हैं। कहीं-कहीं पशुओं ने अपने बैठने और खड़े होने का ठिकाना बना लिया है। दूसरी ओर हादसों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। आंकड़े इतने

- जिले के तमाम बीडीओ ने कर दिया अनसुना
- सिर्फ सितंबर माह में पांच से ज्यादा लोगों की मौत छुट्टा पशुओं के कारण हुई

भयावह हैं कि सिर्फ सितंबर माह में पांच से ज्यादा लोगों की मौत छुट्टा पशुओं के चलते हुए हादसों में हो गई। इसके अलावा एक साल में लगभग 50 लोगों की मौत ऐसी सड़क दुर्घटनाओं में हो गई, जो सिर्फ छुट्टा पशुओं की सड़क पर मौजूदगी की वजह से हुईं। हादसों का क्रम लगातार जारी है। जब तक पशु सड़कों पर रहेंगे तब तक यह आशंका बनी रहेगी। रात के अंधेरे में छुट्टा पशुओं का खौफ और भी बढ़ जाता है। जैसे ही शाम ढलती है और अंधेरा फैलता है, वैसे ही लोगों के मन में एक नया डर घर कर जाता है। कहीं अचानक कोई छुट्टा पशु सड़क पर न आ जाए और हादसा न हो जाए। रात में सड़क पर चलते समय यह डर उन सभी लोगों को सताता है, जो यह जानते हैं कि पशु कभी भी वाहन के सामने आकर टकरा सकते हैं। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक सड़कों पर छुट्टा पशुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन इनके कारण हादसे हो रहे हैं, जिनमें पशु तो मारे ही जाते हैं लेकिन इंसानों की जान पर भी बन आती है।

कई परिवार अपनों को खो चुके हैं तो कई लोग गंभीर रूप से घायल होकर अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में गाड़ी चलाना बेहद जोखिम भरा हो गया है। छुट्टा पशु कभी भी झुंड बनाकर सड़क पर आ जाते हैं जिससे ड्राइवर के पास संभलने तक का मौका नहीं रहता। इस वजह से कई बार छोटे वाहन तो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और जानलेवा हादसे सामने आते हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि छुट्टा पशुओं को जल्द से जल्द सड़कों से हटाकर गोशालाओं में भेजा जाए ताकि रात में होने वाले हादसों पर अंकुश लग सके और लोग चैन से सफर कर सकें।

गुरुवार को कांट क्षेत्र में जलालाबाद रोड पर घूमते छुट्टा पशु। ● अमृत विचार

> बेसहारा पशुओं को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विकासखंड स्तर से टीमें लगाई गई हैं। 10 वृहद गोशालाओं के साथ-साथ मनरेगा से प्रत्येक ब्लाक में पांच-पांच गोशालाएं बनाई जानी है, जिससे इस समस्या का समाधान किया जा सकेगा। - राजेंद्र प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी।

ब्रीफ न्यूज

ससुराल पक्ष ने युवती को बीच सड़क पर पीटा

कलान, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव गुदौरा दाउदपुर निवासी रिंकी पत्नी अतुल ने आरोप लगाया कि कोर्ट से फैसला आने के बाद भी उसे ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित कर रहे हैं। रिंकी ने बताया कि बुधवार की रात उसे ससुराल वालों ने पीटा। गुरुवार को जब वह शिकायत लेकर थाने जा रही थी, तभी स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर रुकनपुर गांव के पास पति अतुल ने रोककर लाठियों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। रिंकी ने बताया कि जब राहगीरों ने उसे बचाने की कोशिश की तो पति ने उन पर भी हमला कर दिया। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी को पांच वर्ष हो चुके हैं और दहेज उत्पीड़न का एक मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट द्वारा उसे ससुराल में रहने का आदेश दिया गया था, बावजूद इसके पति, सास, देवर, ननद और अन्य परिजन लगातार मारपीट करते हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर उसे मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा और जांच शुरू कर दी है।

कुर्रिया कलां में सुबह 4 बजे खुले पट

कुर्रिया कला, अमृत विचार: गांव के प्रसिद्ध दुर्गा देवी मंदिर में गुरुवार को पूजा-अर्चना के बाद सुबह चार बजे पुजारी गुरुदेव दीक्षित ने मंदिर के कपाट खोल दिये। कपाट खुलते ही दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं का रेला माता के दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। सभी लोग पहले माँ के दर्शन करना चाहते थे। भीड़-भाड़ को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। चौकी इंचार्ज अपने हमराहियों के साथ लगातार मेले की निगरानी कर रहे थे। मंदिर के बाहर प्रसाद की दुकानें लगी थीं, जहां मिष्ठान और नारियल उपलब्ध थे। श्रद्धालु इन्हें खरीदकर माता को भोग अर्पित कर रहे थे। मां के दर्शन के बाद महिलाएं और बच्चे मेले में अपनी जरूरत का समान खरीदते नजर आए।

स्वयंसेवकों ने दिखाया अनुशासन का भाव

बरेली, अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस और विजय दशमी पर गुरुवार को शहर की 15 बस्तियों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। महानगर प्रचार प्रमुख विकास ने बताया कि संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में महानगर की 119 बस्तियों में 5 अक्टूबर तक विजयदशमी उत्सव मनाया जाएगा। जिसमें पथ संचलन, एकत्रीकरण, शारीरिक प्रदर्शन और प्रदर्शनी शामिल हैं। मुख्य वक्ता आरएसएस के विभाग प्रचारक कृष्ण कुमार ने कहा कि संघ का उद्देश्य परम वैभवशाली राष्ट्र बनाना है।

बच्चों को गांधी-शास्त्री जयंती के बारे में बताया

शाहजहांपुर, अमृत विचार: आकांक्षा पब्लिक इंटर कॉलेज में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के साथ ही दशहरे का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उर्मिला सक्सेना और प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया।

प्रधानाचार्य स्मिता सक्सेना ने गांधीजी और शास्त्रीजी के सादगीपूर्ण जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। वहीं प्रबंधक उर्मिला सक्सेना ने दोनों महापुरुषों के अतुलनीय योगदान की जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाषण, कविता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने सावित्रीबाई फुले, वीर सावरकर, भारत माता, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री और गांधीजी के तीन बंदरों का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। इसी क्रम में दशहरे का पर्व भी मनाया गया।

प्रबंधक उर्मिला सक्सेना ने बच्चों को बुराई पर अच्छाई की विजय का महत्व बताया।

जुमे की नमाज आज शहर की सुरक्षा हुई सख्त

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- खुराफातियों पर खुफिया विभाग बनाए नजर, ड्रोन से भी की जाएगी निगरानी

अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग के बाद पड़ने वाले पहले जुमे की नमाज को लेकर जिले भर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। शहर के संवेदनशील इलाकों को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। शहर को चार सुपर जोन समेत आठ जोन में बांटा गया है। साथ ही दूसरे जिलों से आए चार आईपीएस अधिकारियों समेत नौ हजार पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। उपद्रवियों और खुराफातियों पर खुफिया विभाग भी नजर बनाए हुए है। इस दौरान ड्रोन के जरिये भी उपद्रवियों की हरकतों पर नजर रखी जा रही है। जिले में इंटरनेट सेवा को चार अक्टूबर की दोपहर तीन बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है।

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर बीते जुमे की नमाज के बाद आई लव मुहम्मद पोस्टर विवाद को लेकर शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे उपद्रवियों ने पुलिस पर पथराव कर फायरिंग करते हुए दुकानों में तोड़-फोड़ की थी। योजना पूरे शहर को जलाने यानी दंगा कराने की थी। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़ते हुए लाठी चार्ज कर भीड़ को तितर-बितर की थी। इस दौरान फायरिंग में 22 पुलिस कर्मी घायल हुए थे। कुछ को छर्रे भी लगे थे। हालांकि पुलिस ने उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्थिति पर नियंत्रण कर लिया है। शहर के हालात भी तेजी के साथ सामान्य होते जा रहे हैं, लेकिन सतर्कता जारी है।

बवाल के बाद यह पहला शुक्रवार है। जिले भर की मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की जाएगी। इसे देखते हुए शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। साथ ही धार्मिक स्थलों पर खुफिया विभाग भी नजर बनाए हुए है। शहर की सुरक्षा के लिए शहर को चार सुपर जोन समेत आठ जोन में विभाजित किया गया है। सभी सुपर जोन में एक आईपीएस अफसर को तैनात किया गया है। पुलिस की तैयारी ऐसी है कि पूरे शहर में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस के साथ पीएसी और आरएएफ को तैनात किया गया है। इसके साथ ही ड्रोन के जरिये खुराफातियों की हरकतों पर नजर रखी जा रही है।

बता दें कि हालात को देखते हुए शहर में चार आईपीएस अधिकारी गैरजनपद से बुलाए गए हैं।

इंटरनेट सेवा बंद होने पर घबराए शहरवासी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गृह सचिव का पत्र वायरल होने पर परिचितों को कॉल कर शहर के हालात पूछने लगे लोग

अमृत विचार: विजयादशमी का जश्न मना रहे शहर वासियों को गुरुवार दोपहर जब इंटरनेट सेवा बंद होने की सूचना मिली तो वे घबरा गए। रावण दहन का मजा फीका हो गया। गृह सचिव गौरव दयाल की ओर से दो दिन यानी 4 अक्टूबर की दोपहर 3 बजे तक इंटरनेट सेवा बंद होने की जानकारी पुष्ट करने के लिए लोगों ने एक दूसरे को कॉल की।

पत्र वायरल होने के एक से डेढ़ घंटे बाद जीओ, एयरटेल, वीआई और बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा बंद हो गयी। इससे रावण दहन होने के दौरान वीडियो बनाने, मेले में घूमने के फोटो और वीडियो लोग सोशल मीडिया पर शेयर नहीं कर सके।दरअसल, पिछले जुमे की नमाज के बाद शहर में बवाल-फायरिंग की घटना हुई। इसके अगले दिन इंटरनेट सेवा चौबीस घंटे के लिए बंद कर दी गयी। इसके बाद एक दिन और सेवाएं निलंबित रखी गयीं। उसके बाद से शहर के हालात नाजुक बने हैं। पुलिस प्रशासनिक अधिकारी लगातार शहर में गश्त कर यह संदेश दे रहे हैं कि शहर के हालात सामान्य हैं, हालांकि, उसके बाद से किसी प्रकार की कोई हरकत भी नहीं हुई है लेकिन गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे गृह सचिव गौरव दयाल की ओर से दो दिन इंटरनेट सेवा बंद होने का पत्र सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुपों पर वायरल हुआ तो शहरवासी घबरा गए। उन्हें लगा कि शहर में कुछ हो गया है। वायरल पत्र की पुष्टि करने और शहर के हालात जानने के लिए लोग अपने परिचितों को कॉल कर जानकारी करने लगे। कई ने अखबार के दफ्तरों में कॉल कर इंटरनेट सेवा बंद होने की पुष्टि की। कई लोगों ने जिला प्रशासन की ओर से जारी पीएनटी नंबर पर कॉल कर इंटरनेट सेवा बाधित होने के संबंध में जानकारी की। दोपहर 3 बजे से लेकर 4 बजे तक लोगों को समझ आ गया कि अगले 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बाधित कर दी गयी है। सरकार की ओर से शांति व्यवस्था बनाए रखने को लिए गए निर्णय ने लोगों का रावण दहन कार्यक्रम मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर शेयर करने का मजा फीका कर दिया। वहीं, संजय नगर के रामौतार ने बताया कि बरेली शहर को किसी की नजर लग गयी है।

गांधी-शास्त्री के आदर्श व चरित्र हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा

बरेली, अमृत विचार: महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर जीआरएम जूनियर विंग में विभिन्न कार्यक्रम किए गए।

कक्षा एक से तीन के छात्रों ने भाषण, कविता, नारे एवं नाटक मंचन आदि कार्यक्रमों के माध्यम से गांधी-शास्त्री जयंती, नवरात्र एवं विजयादशमी आदि अवसरों की न केवल झलक प्रस्तुत की, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश भी दिया। प्रीएनसी के बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में पौराणिक पात्रों की वेश भूषा धारण कर उनके आदर्शों और नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। सीनियर विंग में साप्ताहिक कार्यक्रमों के अंतिम दिवस सादगी से मनाया गया।

ससुराल से लौटकर आए युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत, जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पत्नी ने आने से मना कर दिया था, परिवार वालों को कोई आरोप नहीं

अमृत विचार: एक युवक पत्नी की विदा कराने ससुराल गया था। उसकी पत्नी ने ससुराल जाने से मना कर दिया। वह ससुराल से घर लौट आया। घर आने पर उसकी एक घंटे बाद तबीयत खराब हो गयी। परिवार वाले उसे सरकारी अस्पताल में ले गए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है।

बंडा थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर निवासी 26 वर्षीय वीरपाल की शादी एक साल पहले रेखा निवासी बड़ावन थाना सिंधौली के साथ हुई थी। एक माह पहले वीरपाल की सास का निधन हो गया था। उसकी पत्नी मां के निधन पर मायके चली गयी थी। वह अपनी पत्नी की विदा कराके ले आया था। इधर 15 दिन पहले उसकी पत्नी रेखा मायके चली गयी थी। वह मायके में ही रह रही थी। परिजनों ने बताया कि वह मंगलवार की सुबह पत्नी की विदा कराने के लिए अपनी ससुराल गया था। वह दिन भर अपनी ससुराल में रहा ओर पत्नी ने जाने से मना कर दिया। वह अपनी ससुराल से शाम सात बजे घर आ गया था। उसकी रात में आठ बजे अचानक तबीयत खराब हो गयी। उसको उल्टी होने लगी। परिवार वाले वीरपाल को बंडा सीएचसी पर ले गए। डाक्टर ने उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। परिवार वाले उसे मेडिकल कालेज लेकर आए। जहां उसका इलाज चल रहा था। बुधवार की रात उसकी मौत हो गयी। परिजनों ने बताया कि उसकी मौत कैसे हुई है, कोई जानकारी नहीं है। परिवार वालों का कोई आरोप नहीं है। बंडा प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार राय ने बताया कि परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला सफाई कर्मी ने लगाया अधिकारी पर उत्पीड़न का आरोप

संवाददाता, जैतीपुर

- प्रार्थना पत्र सौंपकर उच्च अधिकारियों से जांच की मांग
- खंड विकास अधिकारी ने जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

अमृत विचार: विकासखंड के एक गांव में तैनात महिला सफाई कर्मी ने ब्लॉक के एक अधिकारी और उनके कार्यालय में तैनात एक कर्मचारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए खंड विकास अधिकारी सहित उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपा है।

महिला सफाई कर्मी ने आरोप लगाया कि जब भी वह कार्यालय जाती है, दोनों अधिकारी उन्हें बुरी नीयत से देखते हैं और कहते हैं कि हम लोगों से मिलकर रहो नहीं तो बहुत नुकसान हो जाएगा।

महिला ने यह भी कहा कि ड्यूटी से लौटने के बाद दो बार अधिकारी उनके घर आए और गलत काम करने का दबाव डाला। जब उन्होंने इस बात से इंकार किया तो कई बार नोटिस बनाकर उसे धमकाया गया। वर्तमान में उन्हें निलंबित करने और वेतन रोकने की धमकी दी जा रही है। खंड विकास अधिकारी मनीष दत्त ने बताया कि महिला की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। महिला का कहना है कि उन दोनों की वजह से वह मानसिक रूप से परेशान है।

संवेदनशील इलाकों की होगी निगरानी

बरेली,अमृत विचार : जुमे की नमाज के बाद पुलिस पर पथराव और फायरिंग को लेकर पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है। इस बार शुक्रवार की सुबह से ही पुलिस की नौ टीमें ड्रोन कैमरों से संवेदनशील इलाके समेत पुराने शहर में ड्रोन कैमरों से निगरानी करेगी। इस दौरान अगर किसी के छत पर ईंट-पत्थर दिखे तो पुलिस उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई करेगी। पुलिस ने साफ किया है कि छतों पर ईंट-पत्थर रखने से साफ होता है कि वह बवाल में सहयोग करना चाहता है।

आईएमसी प्रमुख के कॉल पर पिछले जुमे की नमाज के बाद शहर भर से उप्रदवी एकजुट होकर खलील तिराहे पर पहुंचे थे। जहां पर पुलिस के लाख समझाने के बाद भी उपद्रवियों ने बवाल कर दिया था।

क्षत्रिय समाज ने किया शस्त्र पूजन

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: विजयादशमी के पावन अवसर पर नगर में कई जगह धूमधाम के साथ पर्व मनाया गया। इसी क्रम में क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने सत्येंद्र ग्लोबल एकेडमी में शस्त्र पूजन का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन नवनीत शर्मा ने किया।

क्षत्रिय नेता विजय तोमर और दीपक सिंह चौहान ने कहा कि दशहरा के दिन शस्त्र पूजन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। मां दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं और भारत की रियासतों में शस्त्र पूजन धूमधाम से मनाया जाता था। हालांकि अब रियासतें नहीं रहीं लेकिन परंपराएं बरकरार हैं। इसी कारण आत्मरक्षार्थ रखे जाने वाले शस्त्रों की पूजा की जाती है।तहसील अध्यक्ष इंद्रभान सिंह वीनू ने कहा कि भगवान राम ने रावण का वध करने से पहले शस्त्र पूजन किया था और तभी से यह परंपरा चली आ रही है। जितेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि दशहरा पर्व समाज को धर्म की रक्षा और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। पंकज सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से समाज में खुशहाली और सौहार्द का वातावरण बनता है। इस दौरान युवराज सिंह, रिंकू सिंह, अर्पित सिंह, अमन सिंह, रजत ठाकुर, राजन सिंह, अमन चौहान, सहित अन्य रहे।

दशहरे पर वैश्य समाज ने किया शस्त्र पूजन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : विजयदशमी के पावन अवसर पर वैश्य समाज के सदस्यों ने सिटी पार्क में शस्त्र पूजन का आयोजन किया। इस अवसर पर समाज के सभी सदस्य उपस्थित हुए और अपने विचार साझा किए।वैश्य समाज में रजनीश गुप्ता, मुन्ना अजय गुप्ता अध्यक्ष, वेद प्रकाश गुप्ता, संजय गुप्ता, अरुण गुप्ता, अनुज देव गुप्ता, विशंभर दयाल गुप्ता, संजय गुप्ता, सचिन बाथम, अंकित गुप्ता, देवेश गुप्ता, पार्षद मनीष गुप्ता, रोहित गुप्ता, रामाश्रय गुप्ता, अवनीश गुप्ता, योगेश गुप्ता, पिंकू, नरेंद्र गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख शील गुप्ता, पार्षद अरविंद गुप्ता, नीरज गुप्ता, ज्योति गुप्ता और रजनी गुप्ता उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में लोगों ने इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कर परंपरा और समाज में एकता का संदेश दिया।

स्वदेशी वस्त्रों को अपनाने का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सेवा पखवाड़े अभियान के अंतर्गत गुरुवार को भाजपा जनप्रतिनिधियों और पार्टी नेताओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई।

भाजपा के ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने मेयर डॉ उमेश गौतम, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना आदि के साथ महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना, अरुण कश्यप आदि के साथ गांधी जयंती मनाई। इस मौके पर मेयर, विधायक समेत अन्य नेता गांधी आश्रम खादी भंडार भी गए। वहीं, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार और बरेली जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने महात्मा गांधी की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी आश्रम खादी भंडार पर जाकर स्वदेशी वस्त्रों की खरीदारी की। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल अभियान से जुड़ते हुए स्वदेशी वस्त्रों को अपनाने का संकल्प लिया। कहा कि यह केवल वस्त्र खरीदना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया को सशक्त करने का एक कदम है।

विधायक ने किया सीसी रोड का लोकार्पण

संवाददाता, कुर्रिया कलां

अमृत विचार: विजय दशमी के अवसर पर कुर्रिया कलां स्थित प्राचीन मंदिर तक जाने वाले लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित मार्ग एवं कुर्रिया कला आबादी भाग (बाजार) में सीसी और नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक अरविंद सिंह ने किया। इन दोनों कार्यों की कुल लागत लगभग 70 लाख रुपए है।

गांव पहुंचे विधायक अरविंद सिंह ने पहले प्राचीन माता रानी मंदिर में दर्शन कर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। तत्पश्चात उन्होंने कुर्रिया कलां नहर की पुलिया से प्राचीन मंदिर तक लगभग 750 मीटर लंबाई के मार्ग के पुनर्निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। इसके बाद कुर्रिया कला से कुतुआपुर मार्ग में विशेष मरम्मत के तहत आबादी भाग (लंबाई 200 मीटर) में सीसी और नाली निर्माण कार्य का लोकार्पण किया। विधायक ने इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को बताया कि क्षेत्र के विकास के लिए भेजे गए प्रस्तावों पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद अन्य विकास कार्य कराए जाएंगे। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता इं. अहमद मुबीन ने विधायक को प्रतीक चिन्ह के रूप में चरखा और खादी का अंग वस्त्र भेंट किया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख कांट श्रीदत शुक्ला, ग्राम प्रधान सुधांशु मिश्रा मोनु, पूर्व प्रधान पुष्पेंद्र सिंह, भाजपा नेता सोबरन सिंह यादव, विधायक प्रतिनिधि हरजीत सिंह चौहान, मनुज दीक्षित, अमित दीक्षित सहित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

- कुर्रिया कलां में मार्ग और सीसी-नाली निर्माण कार्यों का शुभारंभ

अखिल भारत हिंदू संगठन ने एकता पर दिया जोर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खिरनीबाग स्थित कार्यालय पर दशहरे के शुभ अवसर पर अखिल भारत हिंदू महासभा के जिला अध्यक्ष अजय ठाकुर के नेतृत्व में शस्त्र पूजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस बार भी विधिवत पूजन के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। जिलाध्यक्ष अजय ठाकुर ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की शक्ति है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रहने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर संगठन को मजबूत बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इस मौके पर प्रदेश मंत्री अग्निवेश गुप्ता, देवेश ठाकुर, प्रतीक तिवारी, रामप्रकाश गुप्ता, मुन्ना सिंह, गौरव ठाकुर, स्वदेश ठाकुर, अंकुर सिंह, अनुज सक्सेना, जगदीश साहू, अभय, दिनेश, सोनू गुप्ता और दीप ओमर सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

- जिलाध्यक्ष अजय ठाकुर ने संगठन को मजबूत बनाने का दिलाया संकल्प

ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर

बंडा, अमृत विचार: मोटर साइकिल से अल्ट्रासाउंड कराने जा रहे भाई-बहन और भांजी को बृहस्पतिवार सुबह खुटार-बंडा रोड पर ट्रैक्टर ट्रॉली ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। यह घटना गांव रसूलपुर गढ़िया निवासी 35 वर्षीय अनिल यादव, उनकी बहन पुष्पा देवी और भांजी निशा यादव के साथ हुई।

अनिल यादव अपनी बहन और भांजी को साथ लेकर बंडा से पुवायां जा रहे थे। अंसारी धर्मकांटा के पास अचानक सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। तीनों सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत डायल 108 को सूचना दी।

मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को बंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर चोटों के कारण अनिल यादव और उसकी भांजी निशा को शाहजहांपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि पुष्पा का इलाज बंडा के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। अनिल की हालत बेहद गंभीर होने के कारण उसे अब शाहजहांपुर से बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

शाहजहांपुर, अमृत विचार: मोहम्मदी रोड पर कंटेनर युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक घायल हो गया। घायल युवक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

लखीमपुर खीरी जिले के उचौलिया थाना क्षेत्र के कस्बा उचौलिया निवासी 30 वर्षीय नीरु बुधवार की दोपहर उचौलिया बाजार में सब्जी खरीदने के लिए गया था। वह सब्जी लेकर पैदल अपने घर आ रहा था। रास्ते में सड़क पार करते समय कंटेनर उसे टक्कर मार दी, जिससे युवक घायल हो गया। घायल युवक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। चालक कंटेनर लेकर भाग गया। परिजनों ने बताया कि मृतक नीरु की की एक बेटी और एक बेटा है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

विवादित रील वायरल करने पर रिपोर्ट

बरखेड़ा, अमृत विचार : पुलिस चौकी जिरौनिया के प्रभारी हिमांशु गौतम ने थाने पर दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह एक अक्टूबर को पुलिस बल के साथ गशत पर थे। गांव पौटा कला पहुंचे तो लोगों की भीड़ लगी हुई थी। पूछने पर कुछ लोगों ने बताया एक व्यक्ति ने आपत्तिजनक रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल की है। जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। गांव विक्रमपुर के मोहम्मद शहजाद पुत्र जमील अहमद द्वारा रील बनाने की बात सामने आई। लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया गया। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

पहले मारी टक्कर, फिर कुचलने की कोशिश

बरखेड़ा, अमृत विचार : दुर्घटना कर भाग रहे वाहन चालक को रोकने का प्रयास किया गया। इस पर चालक ने युवक को कुचलने की कोशिश कर दी। गांव पतरासा कुंवरपुर निवासी सोमवीर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को उसका बड़ा भाई राजकुमार पीलीभीत दवा लेने बाइक से गया। गांव का तोताराम भी साथ था। दोपहर बाद करीब तीन बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। बाइक राजकुमार चला रहे थे। बरखेड़ा पीलीभीत मार्ग पर रास्ते में जिरौनिया भट्ठा के पास पीछे से आई कार ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर भागने लगा, तो उसे रोकने का प्रयास किया, आरोप है कि गाड़ी रोकने के बजाय चालक ने कुचलने की कोशिश की। किसी तरह उन्होंने जान बचाई। घायलों को सीएचसी भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़कों पर छुट्टा पशु बन रहे हादसे की वजह

पीलीभीत, अमृत विचार : गोशालाओं में गोवंशीय पशुओं को सरंक्षित नहीं किया जा रहा है, इसलिए वह किसानों की खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। इसके साथ ही रात और दिन में सड़कों पर डेरा जमाए रहते है, इस वजह से वाहन चालक इनसे टक्करा घायल हो रहे है। छुट्टा पशु भी वाहनों से टकराकर घायल रहे है। स्थानीय लोगों ने गोवंशीय पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में सरंक्षित कराने की मांग कर रहे है।

नामचीन होटलों पर एफएसडीए मेहरबान, महंगे दाम और शुद्धता की भी गारंटी नहीं

कुछ दिन पहले भाकियू नेता ने खराब सब्जी परोसने पर किया था हंगामा, अभी तक नहीं हुई कोई कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः खाद्य पदार्थों में मिलावट खोरी का खेल जनपद में बड़े पैमाने पर हो रहा है। इसकी बानगी खुद अब तक की गई कार्रवाई के आंकड़े बयां कर रहे हैं। इसकी रोकथाम और शिकंजा कसने की जिम्मेदार एफएसडीए टीम पर है। मगर, महंगे में परोसे जा रहे पकवान की शुद्धता की भी कोई गारंटी नहीं।

दरअसल कुछ नामचीन होटलों पर टीम की मेहरबानी बनी हुई है। हाल ही में एक नामचीन होटल में परिवार के साथ पहुंचे किसान नेता ने खराब सब्जी परोसे जाने पर विरोध किया और सोशल मीडिया पर भी मुद्दा छाया रहा। मगर, टीम शिकायत के इंतजार में पड़ताल करने भी नहीं पहुंची। इस तरह के तमाम अन्य प्रकरण भी सामने आ चुके हैं। आलम ये है कि नामचीन होटलों के पकवान को देखकर ही ओके सर्टिफिकेट देकर कर्तव्यों से इतिश्री की जा रही है। इसके पीछे तमाम तरह की चर्चाएं भी तेज हैं। मगर, इनकी सैंपलिंग को की कार्रवाई पूरी तरह से ठप है।

बता दें कि इन दिनों त्योहारी सीजन चल रहा है। एफएसडीए टीम की ओर से विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं। जिसमें सैंपलिंग चल रही है, लेकिन छिटपुट दुकानदारों तक सीमित है। जबकि शहर से लेकर गांव-देहात तक खाद्य पदार्थों में कम लागत में अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर मिलावटखोरी का खेल चरम पर है। अब मिलावटखोर ब्रांडेड कंपनी के नाम पर ही उससे मिलते-जुलते नाम वाले खाद्य पदार्थ बाजार में उतारकर लोगों की जिंदगी से खुलेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। एफएसडीए (फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) टीम सक्रियता का दावा करती है। मगर, इनकी कार्रवाई भी महज एक औपचारिकता में सिमटकर रह जाती है। विभागीय आंकड़ों पर गौर करें तो 01 अप्रैल से 31 अगस्त तक जनपद भर से कई खाद्य पदार्थों की रिपोर्ट जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। 157 सैंपलों की प्रयोगशाला से आई रिपोर्ट में 61 सैंपल सब स्टैंडर्ड पाए गए थे, जबकि 10 सैंपल अनसेफ यानी असुरक्षित श्रेणी के निकले। ये सेहत के लिए घातक होते हैं। 10 सैंपल असुरक्षित श्रेणी के जोकि सेहत के लिए बेहद हानिकारक हैं। इसमें हल्दी, बेकरी उत्पाद, नमकीन और बाजार में सड़कों के किनारे बिकने वाले स्ट्रीट फूड चिकन फ्राई आदि के सैंपल भी रहे थे। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक तेजी से होटल, रेस्टोरेंट का व्यवसाय बढ़ा। कई नामचीन होटल ऐसे भी हैं, जहां की एक खाने की थाली ही 700 रुपये या फिर उससे भी अधिक की है। मगर, इनके यहां भी ग्राहकों को परोसे जाने वाले खाने की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। अभी बीते माह ही एक हंगामा सोशल मीडिया पर छाया रहा। एक किसान नेता परिवार के साथ सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के नामचीन होटल में पहुंचे थे। बताते हैं कि करीब सात से आठ हजार रुपये का बिल भी भुगतान किया गया। मगर, किसान नेता के परिवार को जो सब्जी परोसी गई, उसमें डाले गए टमाटर समेत अन्य खाद्य पदार्थ खराब थे, जिनसे दुर्गंध भी आ रही थी। इसे लेकर खासा हंगामा भी चला और फिर जैसे -तैसे इसे शांत करा दिया गया। एक अन्य होटल में ग्राहक ने खराब पनीर को लेकर हंगामा किया था। इस तरह के कई मामले सुर्खियां तो बने, लेकिन एफएसडीए टीम ने कोई सुध नहीं ली। ऐसा नहीं कि इसकी जानकारी नहीं रही। मगर, टीम के जिम्मेदार शिकायत मिलने का इंतजार करते रहे और जब शिकायत नहीं आई तो पड़ताल करने की भी जहमत नहीं उठाई।

- कार्रवाई के नाम पर जिम्मेदार सैंपल लेकर इतिश्री कर लेते है

आंकड़ों में सिमटी छापेमारी

शहर समेत जिलेभर में छापामारी आंकड़ों में सिमटती दिख रही है। बड़े धंधेबाजों को एक तरह से अभयदान दे दिया है और छिटपुट निशाने पर है। नामचीन होटल, रेस्टोरेंट में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता का आकलन किया जा रहा है। पहले तो टीमें यहां पहुंचती नहीं और कभी कभार चले भी जाएं तो सैंपल नहीं लिया जाता। महज निरीक्षण के नाम पर आंकड़े दुरुस्त कर लिए जाते हैं।

> नामचीन होटलों का भी निरीक्षण किया जाता है। खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग भी कराई जाती है। किसान नेता के मामले की जानकारी हुई थी लेकिन उसमें कोई शिकायत नहीं की गई। लापरवाही नहीं बरती जाती है। – **स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव,** प्रभारी अभिहीत अधिकारी

जब पनीर की सब्जी में निकली थी हड्डी

ऐसा नहीं किया इससे पहले कभी नामचीन होटलों में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर सवाल नहीं उठे। बीते सालों में एक नामचीन होटल में खाना खाने गए स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने पनीर की सब्जी ऑर्डर की थी, जिसमें हड्डी निकली। शाकाहारी होने पर मंगाई गई पनीर की सब्जी में हड्डी निकलने पर जमकर हंगामा हुआ और एफआईआर तक कराई गई थी। इसी होटल में इस्तेमाल में ली जाने वाली मिर्च पाउडर की गुणवत्ता भी जांच में फेल हो गई थी। नमूना फेल हुआ था और मिश्रित कलर निकला था। जिस पर जुर्माना भी डाला गया था। इसी तरह से भाजपा नेता ने एक नामचीन रेस्टोरेंट में चाउमीन ली और वह खराब होने पर हंगामा हुआ था। इसके अलावा एक अन्य होटल से लिए गए पनीर की सब्जी का नमूना भी जांच में फेल हो गया था। मगर, ये सब कार्रवाई सीमित रही।

रसिया खानपुर में शिशु समेत चार की मौत

बरेली में इलाज के दौरान बुधवार को एक ही दिन में दो ने लोगों ने तोड़ा दम, शुरू हुआ डेथ ऑडिट

संवाददाता, पीलीभीत/बीसलपुर

अमृत विचार : बदलते मौसम और लापरवाही से बुखार ने प्रकोप दिखाना शुरु कर दिया है। बीसलपुर क्षेत्र के रसिया खानपुर गांव में इन दिनों बुखार कहर बरपा रहा है। बुखार के चलते नवजात समेत चार लोगों की जान चली गई, जबकि सौ से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। गांव में हालात ऐसे है हर घर में एकाएक लोग बीमार है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में न तो सफाई व्यवस्था दुरुस्त है, न ही स्वास्थ्य विभाग ध्यान दे रहा है। मौत का शोर मचने के बाद स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार गांव की ओर दौड़े। अब शिविर लगाकर दवा दी जा रही है। मौत के बाद गांव में खलबली मच गई है।

बता दें कि बीसलपुर तहसील क्षेत्र के गांव रसयाखानपुर निवासी रामआसरे ने बताया उनके घर की सुनीता देवी(42) को 10 दिन पहले बुखार आया था। जिनका इलाज एक निजी अस्पताल से चल रहा था। इलाज के दौरान उनकी 19 को उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार उनमें डेंगू के लक्षण पाए गए थे। गांव के ही नाजिम हुसैन चिश्ती ने बताया कि उनके चाचा इज़रातुल्ला चिश्ती (65) पांच दिन पहले तेज बुखार आया था। इस पर परिवार वालों ने स्थानीय स्तर पर चिकित्सक को दिखाया, लेकिन कोई आराम नहीं मिला। इस पर परिवार वालों ने उन्हें बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई।

इसी गांव के शौकत हुसैन की बहन तसरुम(18) की भी चार दिन पहले तबियत बिगड़ गई थी। उन्हें भी तेज बुखार आया था। परिवार वालों ने बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी मौत भी बुधवार दोपहर हो गई। परिवार वालों के अनुसार तसरुम का निकाह तय हो चुका था। परिवार के अन्य लोग भी बुखार से पीड़ित हैं। इसके अलावा जाने आलम पुत्र फखरुद्दीन के 20 दिन के नवजात की भी बुखार से मौत हो गई।

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में 100 से अधिक लोग बुखार से जूझ रहे हैं। कुछ मरीज बीसलपुर में इलाज करा रहे हैं, तो कुछ को बरेली के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पूरे गांव में डेंगू का शोर मचा हुआ है। गांव वालों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से न तो समय पर कैंप लगाया गया और न ही कोई प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा दी गई, जिसके चलते हालात बिगड़ते चले गए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही से गांव की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इधर मौतों की सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव में टीम लगाई गई है तो लोगों की मौत कैसे हुई। इसकी जांच कर रही है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार तीन मौत की पुष्टि कर रहे हैं। जिनका डेथ ऑडिट कराया जा रहा है मौत डेंगू से हुई है या अन्य कोई कारण है। फिलहाल गांव में डेंगू से मौत का शोर मचा है। एसडीएम नागेंद्र पांडेय टीम के साथ गुरुवार को गांव पहुंचे और हालात की जानकारी की गई।

गांव में शिविर लगाकर दवा मुहैया कराते स्वास्थ्य कर्मी। ● अमृत विचार

घर-घर पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

रसिया खानपुर में चार लोगों की मौत की जानकारी मिलने के बाद सीएमओ के निर्देश पर टीम भेजी गई है। इस टीम में सीएचसी बीसलपुर और जिला मुखयालय कर्मचारियों को शामिल किया गया है। टीम घर–घर पहुंचकर बुखार के मरीजों को चिन्हित कर रही है। जिनका चेकअप करने के बाद उन्हें दवा मुहैया कराई जा रही है। साथ ही जिन के घरों में मौत हुई है, उनके परिवार वालों की जांच भी कराई जा रही है। अधिकतर लोगों की डेंगू और मलेरिया की भी जांच कराई जा रही है। ताकि बुखार की तस्वीर साफ हो सके।

गांव में लगे गदंगी के अंबार

रसिया खानपुर गांव में बुखार से चार लोगों की मौत का शोर मचने के बाद भले ही प्रशासनिक अफसर जांच करने के लिए पहुंच रहे हो। लेकिन ग्रामीणों में इसको लेकर रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि 10 हजार की आबादी वाले इस गांव सफाई के नाम ढेले पर सफाई नहीं है। आलम यह है कि गलियां कच्ची पड़ी है। नालियों में कीचड़ बजबजा रही है। नाले भी गदंगी से पटे हुए है। जिससे संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। स्थिति यह है कि सरकारी भवन भी खंडहर हो चुके है। जिनमें पशुओं को बांधा जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि यह गांव ओडीएफ में शामिल है, लेकिन आज तक कोई सफाई करने के लिए नहीं आता है। जिससे स्थिति विकराल बनी हुई है। मौतों का सिलसिला देखकर ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव में सफाई कराने के साथ दवा का छिड़काव कराया जाए।

> रसिया खानपुर में बुखार से मौत का मामला संज्ञान में है। टीम को गांव में भेजा गया है। डेथ ऑडिट कराया जा रहा है। जो लोग बुखार से ग्रसित है। उनका चेकअप कर दवा मुहैया कराई जा रही है। साथ ही गांव में साफ सफाई कराने के लिए संबधित विभाग को भी कहा गया है। – **डॉ. एस के सिंह,** एसीएमओ

दौड़ प्रतियोगिता में पुष्पेंद्र और सीटू ने मारी बाजी

पुरस्कृत किए गए विजेताओं संग डीआईओएस राजीव कुमार व अन्य।

संवाददाता, पीलीभीत

- विजेताओं को डीआईओएस राजीव कुमार ने पुरस्कृत किया

अमृत विचारः खेल निदेशालय के निर्देश पर जिला खेल विभाग एवं प्रशासन के सहयोग से गांधी जयंती पर दो वर्गों में दौड़ प्रतियोगिता गांधी स्टेडियम में कराई गई। विजेताओं को डीआईओएस राजीव कुमार ने पुरस्कार वितरित किए।

पुरुष वर्ग में पुष्पेंद्र प्रथम, अनमोल द्वितीय, नितिन भास्कर तृतीय अमित राजपूत चतुर्थ, ऋषि कुमार पांचवें , गुनाल सिंह छठे स्थान पर रहे । महिला ओपन वर्ग में सीटू गंगवार प्रथम, सविता देवी द्वितीय, रुचि तृतीय, पायल चतुर्थ ,वैष्णवी पांचवां ,परी गंगवार छठे स्थान पर रही। इस अवसर पर महेश तिवारी, महेश कुमार, अविनाश शर्मा, प्रगति सिंह, दीपक बिष्ट, आकाश आदि मौजूद रहे। उधर, गांधी जयंती पर बीएसए कार्यालय में बीएसए अमित कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया। वरिष्ठ सहायक मुकर्रम हैदर जैदी ने स्वरचित रचित कविता गोली न तलवार चलाई, बापू ने अहिंसा की बौछार चलाई.. सुनाई। इस मौके पर जिला समन्वयक राकेश पटेल, मनीष श्रीवास्तव, पंकज शाक्य, जितेंद्र कुमार ,प्रशांत गंगवार ,राजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

महिला को बेची पहले से बैंक में बंधक जमीन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा भगु का मामला
- सीजेएम ने सुनवाई के बाद दिए एफआईआर के आदेश

अमृत विचारः बैंक में बंधक जमीन एक जालसाज ने महिला को बेच दी। बंधक जमीन होने की बात छिपाकर बैनामा करा दिया और फिर जमीन का नामांतरण नहीं हो सका। जब महिला और उसके पति ने कहा तो आरोपी ने झगड़ा कर भगा दिया। न्यायालय ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में ओमवती ने बताया कि उसने सुनगढ़ी थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरा भगु के निवासी प्रेम शंकर पुत्र जयलाल से एक जमीन खरीदी थी। आरोपी ने उक्त जमीन के बैंक में बंधक होने की बात छिपाई और बैनामा उनके हक में करा दिया था। चूंकि भूमि बैंक में बंधक थी, इसलिए उसका नामांतरण नहीं हो सका।इसके लिए कई बार आरोपी से संपर्क किया लेकिन प्रेम शंकर जानबूझकर ऋण अदायगी नहीं कर रहा। 15 अगस्त को सुबह करीब सात बजे जब आरोपी से ऋण अदायगी के लिए कहा गया तो वह गाली गलौज करने लगा।

इसकी थाना पुलिस से लेकर एसपी तक शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मंगल देव सिंह ने सुनवाई के बाद थाना सुनगढ़ी पुलिस को मामले में एफआईआर दर्ज कर विवेचना के आदेश दिए हैं।

स्वास्थ्य शिविर में 31,038 लोगों ने उठाया लाभ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः स्वशासी राज्य चिकित्सा कॉलेज एवं संबद्ध जिला चिकित्सालय में स्वस्थ नारी -सशक्त परिवार अभियान के तहत 17 से दो अक्टूबर तक विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉक्टरों की टीम ने मरीजों की जांच कर इलाज किया।

पखवाड़ा भर चले इस शिविर के दौरान 31.038 लोगों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। जिसमें 16660 महिलाएं और 14378 पुरुष रहे। 13830 महिला, 11679 पुरुषों ने रक्त जांच कराई। 4567 मरीजों का मधुमेह परीक्षण, 6703 का हीमोग्लोबिन परीक्षण, 15286 की हड्डी की जांच, 11827 महिलाओं का स्तन परीक्षण और 759 महिलाओं का पैप स्मीयर किया गया।इसके अलावा 7797 मरीजों की नेत्र जांच, 8242 की दांतों की जांच हुई। 984 लोगों की व्यावसायिक चिकित्सा विभाग द्वारा जांच की गई जबकि 881 लोगों का मनोचिकित्सा विभाग से परीक्षण किया गया। 126 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इस शिविर के दौरान वीरांगना अवंति बाई बालिका इंटर कॉलेज, अंगूरी देवी बालिका इंटर कॉलेज, महर्षि विद्यालय,सूरजकांत मेमोरियल हायर सेकंडरी स्कूल जंगरौली, प्रगति पब्लिक स्कूल, सरस्वती शासकीय स्कूल, संजय गांधी स्कूल ऑफ नर्सिंग समेत 12 विद्यालयों के 1600 छात्र-छात्राओं की नेत्र, दंत, नाक-कान-गला और पोषण संबंधी स्वास्थ्य जांच की गई। फिजियोलॉजी विभाग द्वारा छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार, दंत स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। प्राचार्य डॉ. संगीता अनेजा ने शिविर की सफलता पर हर्ष जताया। कहा कि यह स्वास्थ्य शिविर जन-जागरूकता एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रसार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम रहा। इस माध्यम से न केवल हजारों लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिला है, बल्कि समाज में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी मिली है। राष्ट्रीय पोषण माह का 16 अक्टूबर तक निरंतर चलता रहेगा।

शिविर के दौरान बच्चों का चेकअप करती स्वास्थ्य टीम। ● अमृत विचार

फैक्ट फाइल

- 15286 लोगों ने शिविर में पहुंचकर कराई हड्डी की जांच
- 11827 महिलाओं ने शिविर में पहुंचकर स्तन परीक्षण कराया
- 8242 लोगों ने अपने दांतों को चेक कराकर इलाज कराया
- सशक्त परिवार अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर

लापरवाही | बदहाल पड़े जंगल मार्ग, चूका बीच का भी कोई पुरसाहाल नहीं, शासन ने अभी तक नहीं मिला धेले भर का बजट, कैसे जगमग होगा पीटीआर

पर्यटन सत्र शुरू होने में महज 28 दिन बाकी, तैयारियां जीरो

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र शुरू होने में 28 दिन शेष बचे हैं। मगर, जंगल में पर्यटन सत्र को लेकर तैयारियां अभी भी शून्य ही हैं।

वजह यह है कि शासन ने भेजी गई कार्ययोजना पर अभी तक बजट ही जारी नहीं किया है। ऐसे में अधिकांश मार्ग बदहाल हैं। कुछ पुल-पुलियों की भी मरम्मत होना हैं। चूका बीच समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों की साफ-सफाई के साथ रंग-रोगन किया जाना है। ऐसे में जिम्मेदार महज चंद दिनों इतने सारे कार्य कैसे कर सकेंगे, इसका जवाब तो जिम्मेदार ही दे सकते हैं।पीलीभीत टाइगर रिजर्व का पर्यटन सत्र हर साल सात माह तक के लिए संचालित किया जाता है। मानसून सत्र शुरू होते ही 15 जून को पर्यटन सत्र बंद कर किया जाता है और मानसून सत्र समाप्त होते ही 15 नवंबर से पर्यटन सत्र की शुरूआत करते हुए सैलानियों के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के दरवाजे खोल दिए जाते हैं। हालांकि पिछला पर्यटन सत्र गत वर्ष 06 नवंबर से 15 जून तक संचालित किया गया था। पूरे पर्यटन सत्र के दौरान सैलानियों की आमद ने पिछले पर्यटन सत्रों का रिकार्ड तोड़ दिया था। इधर अब मानसूनी सीजन समाप्ति की ओर हैं। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक इस बार पर्यटन सत्र पहली नवंबर से शुरू होने जा रहा है। आगामी पर्यटन सत्र को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा जंगल में कराए जाने वाले कार्यों को लेकर पूर्व में ही कार्य योजना तैयार की गई थी। सत्र शुरू होने से पूर्व इसी कार्य योजना के मुताबिक कार्य कराए जाने हैं। इसको लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा करीब 12 लाख रुपये की कार्ययोजना तैयार कर पिछले माह ही शासन को भेज दी गई थी, मगर अभी तक शासन की ओर से धेले भर का बजट नहीं दिया गया है।

ऐसे में पर्यटन सत्र को नजदीक आता देख वन अफसर भी पसोपेश में हैं कि कम समय में टाइगर रिजर्व में कई सारे कार्य कैसे होंगे। फिलहाल जिम्मेदारों का कहना है कि पर्यटन सत्र शुरू होने से पूर्व सारे कार्य पूरे कर लिए जाएंगें।

बदहाल पड़ा इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच। ● अमृत विचार

सड़क मरम्मत से रंगाई-पुताई के होने हैं काम

टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा पर्यटन सत्र को लेकर तैयार की गई कार्य योजना में जंगल मार्गों की मरम्मत, चूका बीच, सप्त सरोवर समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों कर रंगाई–पुताई, गेटों की मरम्मत समेत अन्य कई कार्य कराए जाने हैं। वर्तमान दशा पर गौर करें तो जिन मार्गों के सहारे पर्यटन सत्र संचालित किया जाता है, अधिकांश जंगल मार्ग बदहाल पड़े हैं। कई मार्गों पर तो बड़े गड्ढे भी हैं, जिन्हें समतल किया गया है। इसके अलावा टाइगर रिजर्व का मुख्य इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच में जंगल–झाड़ियां खड़ी हैं। यहां बनी हटों की भी मरम्मत के साथ उन्हें अपडेट किया जाना है। सप्त सरोवर पर भी कई कार्य कराए जाने हैं। सिग्नेचर गेटों समेत अन्य प्रवेश द्वारों की भी मरम्मत के साथ रंग–रोगन किया जाना है।

> आगामी पर्यटन सत्र को लेकर कार्ययोजना तैयार कर भेजी जा चुकी है। बजट मिलते ही पर्यटन सत्र से जुड़े सारे कार्य कराए जाएंगें। हालांकि अभी बजट प्राप्त नहीं हुआ है। पर्यटन सत्र शुरू होने से पूर्व सारी तैयारियां पूरी कर ली जाएगीं। –**मनीष सिंह,** डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट, छाती में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, पैरों में सूजन, हाई ब्लडप्रेशर, हाई कोलेस्ट्रोल, डाइबिटीज (शुगर), सीने या पेट में जलन या दर्द, हार्ट अटैक, हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

धूमधाम से मनाई विजयादशमी, मां दुर्गा की प्रतिमा को दी विदाई

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक रही पर्व की धूम, भक्त दिखे उत्साहित, अशोक कॉलोनी में संघ की ओर से भी किया गया शस्त्र पूजन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। घरों और मंदिरों में प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना की गई। तमाम स्थानों पर शस्त्र पूजन किया गया। शाम को घरों में दीप जलाए गए।

शहर के अशोक कॉलोनी स्थित संतराम स्कूल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से विजयदशमी का पर्व मनाया। स्वयंसेवकों ने प्रभु श्रीराम का तिलक कर उनकी पूजा अर्चना की और शस्त्रों का पूजन किया। विजयदशमी के महत्व को समझाया गया। मुख्य वक्ता चंदन, प्रांत सेवा प्रमुख डा.राघवेंद्र, विभाग संघचालक ओमप्रकाश ने कहा कि संघ विशाल वट वृक्ष की तरह समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। विजयदशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इनके अलावा भी शहर में विभिन्न जगह लोगों ने शस्त्र पूजन कर विजयदशमी का पर्व मनाया। उधर, नौ दिन मइया की पूजा अर्चना का दौर चला था। शनिवार को मैया को भावभीनी विदाई देते हुए विसर्जन यात्रा निकाली गई। मोहल्ला खकरा से दोपहर तीन बजे विसर्जन यात्रा शुरू हुई। इससे पूर्व हवन कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दी। मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने के लिए गाजे बाजे के साथ भक्त शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने रंग गुलाल उड़ाकर भजनों पर नृत्य किया। इसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। विसर्जन यात्रा खकरा से शुरू होकर आयुर्वेदिक कॉलेज चौराहा, चौक बाजार, लाल रोड, ड्रमंडगंज चौराहा, चावला चौराहा, सुनगढ़ी, तिराहा, काला मंदिर, जाटों का चौराहा, बरेली दरवाजे होते हुए ब्रह्मचारी घाट पर पहुंची और विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर विसर्जन का स्वागत किया। इसके अलावा अन्य स्थानों से भी विसर्जन यात्रा निकाली गई।

राज्यमंत्री ने आर्केस्ट्रा में बजाया पैड, झूमे श्रद्धालु: मोहल्ला खकरा में चल रहे नवदुर्गा महोत्सव में बुधवार रात राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार भी पहुंचे थे। उन्होंने आरती पूजन कर मैया का गुणगान किया। वहीं, राज्यमंत्री ने आर्केस्ट्रा पर हाथ आजमाया। उन्होंने आर्केस्ट्रा पैड बजाया, जिसके बाद भक्ति गीतों पर भक्त झूम उठे। उन्होंने इस दौरान स्थानीय लोगों से भी संवाद किया और विजयादशमी पर्व की बधाई देते हुए महत्व भी बताया।

मां दुर्गा का पूजन करती महिलाएं। ● अमृत विचार

अशोक कॉलोनी ग्राउंड में शस्त्र पूजन करते संघ पदाधिकारी। ● अमृत विचार

मां दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा में गुलाल उड़ाते हुए भक्ति गीतों पर थिरकते श्रद्धालु।

न्यूज ब्रीफ

मूर्ति विसर्जन यात्रा में झूमे भक्त

अमरिया, अमृत विचार : ग्राम उदयपुर में गुरुवार को मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने मां के जयकारे लगाए। उदयपुर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में बैंड बाजे के साथ झूमते हुए नूरपुर होते हुए अमरिया और मझोला से ड्यूनी डैम पहुंचे और मूर्ति का विसर्जन किया। इस मौके पर किशनलाल मौर्य,बीडीसी सदस्य भूपराम, अरविंद कुमार आदि मौजूद रहे।

रंग- गुलाल उड़ाकर मां को दी विदाई

पीलीभीत, अमृत विचार : नवरात्र भर मंदिरों और पंडालों में मां की प्रतिमा स्थापित करके भक्तों ने पूजा-अर्चना की। गुरुवार को श्रद्धालुओं ने हवन पूजन के बाद मां को विदाई देने के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान लोग मां की भजनों पर जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। साथ ही रंग - गुलाल उड़ाकर मां को विदाई दी।

बंदरों के आंतक से लोग परेशान

पीलीभीत, अमृत विचार : क्षेत्र में बड़ी संख्या में घूम रहे बंदरों से लोग परेशान है। बंदर छतों और बगीचों में नुकसान पहुंचा रहे है। इनके डर से लोग छतों पर सोने से डरते है। छत पर डले कपड़े को बंदर फाड़ने के साथ ही दूसरे की छतों पर ले जाकर छोड़ देते हैं।

सुरक्षा के रहे सख्त इंतजाम

विजयादशमी पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। सुबह से ही पुलिस बल बॉडी प्रोटेक्टर के साथ सड़कों पर मुस्तैद हो गया। मुख्य चौराहा, मिश्रित आबादी क्षेत्रों में गश्त की जाती रही। एसपी अभिषेक यादव, एएसपी विक्रम दहिया, सीआ सिटी दीपक चतुर्वेदी समेत अन्य अधिकारी भी भ्रमण पर रहे। इस दौरान मुस्तैद किए गए पुलिस बल को ब्रीफ किया जाता रहा। संभ्रांत नागरिकों से भी पुलिस बल संवाद कर हालात भांपता रहा। सोशल मीडिया पर भी साइबर सेल की मदद से निगरानी कराई जाती रही।

घरों और प्रतिष्ठानों में हुई मां की पूजा-अर्चना

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर एवं क्षेत्र में विजयदशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही घरों में पूजा पाठ की गई। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों पर पूजन किया। घरों में मां दुर्गा के साथ अपराजिता की पूजा की। व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों पर भगवान कुबेर,लक्ष्मी के साथ अस्त्र व शस्त्र की पूजा विधि विधान से की। मछली और नीलकंठ पक्षी के दर्शन किए गए।

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के एक बरात घर में सात दिवसीय श्री मद भागवत कथा का आयोजन शुरू किया गया। पहले दिन कथव्यास स्वामी सुरेशानंद सरस्वती जी महाराज ने प्रभु के गुणों का बखान किया।उन्होंने कहा कि सद्मार्गों पर चलने से मनुष्य का जीवन संवारता है। मनुष्य सद्गति को प्राप्त करता है। जिससे कि आने वाले जन्म में उसे कष्टों का भोग नहीं करना पड़ता है। कथा के आयोजन से पूर्व कलश यात्रा निकाली गई। खदनियां बाबा देवस्थल होते हुए खन्नौत नदी के तट पर महिलाएं पहुंची। महिलाओं ने जल कलश में भरा और वापस कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। जिन्हे विधि विधान से स्थापित कराया गया। इस मौके पर यजमान अक्षय सिंह,मंगल सिंह,धनंजय सिंह,रामकुमार त्रिवेदी,महेश चंद्र पांडेय,अनिल शर्मा,रमेश राठौर,अमरीश सिंह,मुकेश सिंह,राजीव जायसवाल,मनोज सिंह,छोटे शुक्ला आदि मौजूद रहे।

गांवों में नहीं पहुंच रहे सफाई कर्मी लोगों में नाराजगी

पीलीभीत, अमृत विचार: बाढ़ और बारिश के बाद गलियों और नालियों में कचड़ा भरा पड़ा है। इससे घरों से निकलने वाला पानी सड़कों पर फैल रहा है। इस वजह से मच्छर और मखियों का प्रकोप है। लोगों को संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा सता रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मी नियमित सफाई करने नहीं आते, इसलिए गांवों में चारों तरफ गंदगी की भरमार हैं। ग्रामीणों का कहना है कभी- कभी सफाई कर्मी आते भी है तो कुछ लोगों के घरों के आसपास ही सफाई करके लौट जाते है। ग्रामीणों का कहना है कई बार इसकी शिकायत प्रधान और सचिव से की गई, लेकिन इसके बाद भी जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। नतीजा यह है कि क्षेत्र के अधिकांश गांवों में गंदगी फैली हुई है। मच्छर काटने से लोग बुखार से पीड़ित हो रहे है।

व्यापारियों ने किया हवन व शस्त्र पूजन

बिलसंडा में विजयदशमी पर हुए हवन में आहुती डालते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: शारदीय नवरात्र पर माता ज्वाला देवी की पावन अखंडज्योति यात्रा इस बार रविवार 5 को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में निकाली जाएगी। इसके लिए आयोजकों ने तैयारियों की समीक्षा की।

गुरुवार को विजयदशमी पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों और अपने घरों में हवन यज्ञ के साथ शस्त्र पूजन किया। पेट्रोलियम व्यवसायी पंकज आलोक जायसवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अवनीश जायसवाल, अविनाश जायसवाल,चेयरमैन डीके गुप्ता, अधिवक्ता आशीष सक्सेना, अजय जायसवाल आदि ने घरों पर पूजा अर्चना की। हवन यज्ञ में आहुतियां डालीं और शस्त्र पूजन किया। आयोजकों ने बताया कि इस बार अखंडज्योति यात्रा को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिए जोरदार तैयारियां की जा रहीं हैं। इस मौके पर दिलीप जायसवाल अनिल गुप्ता, देवदत्त सक्सेना,बंटू जायसवाल,आशीष कश्यप,गोलू शर्मा,प्रतीक जायसवाल,अंचल कश्यप,आयूष शुक्ला,रवि शर्मा, रंजीत प्रजापति,हनी वर्मा,विवेक नागेश संजीव,नीलकमल माली, प्रमोद, गौरव आर्य, रितिक आदि मौजूद रहे।

किसानों की खुशहाली के बिना गांधी का सपना अधूरा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● ललौरीखेड़ा क्षेत्र में गांधी जयंती पर हुई संगोष्ठी

अमृत विचार: ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम जैतीपुर के पास बरात घर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कांग्रेस नेता कुमुद गंगवार की ओर से गांधी के सपनों का ग्रामीण भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें आसपास के अस्सी गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

कुमुद गंगवार ने कहा कि किसानों और मजदूरों की खुशहाली के बिना किसी भी देश, समाज, क्षेत्र या गांव का विकास संभव नहीं है। किसानों की फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। किसानों की मूल्य का निर्धारण वो कर रहे हैं जिनका खेती किसानी से कोई लेना देना ही नहीं है। यही वजह है कि तेजी से नौजवानों का खेती से मोह भंग हो रहा है। उन्होंने चिंता प्रकट करते हुए कहा कि अगर नौजवान इसी तरह खेती-किसानी से दूर होते चले गए तो भविष्य में अनाज उत्पादन पर गहरा संकट आ जाएगा और किसानों की जमीनें पूंजीपतियों के हाथ में चली जाएंगी। यह भी कहा की वर्तमान समय में किसानों मजदूरों और नौजवानों को एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी होगी। सरकार पर किसानों के साथ पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक असमानता बहुत तेजी के साथ पैदा हो रही है, जो किसी भी समाज के लिए बहुत घातक है।

क्षत्रिय महासभा ने किया शस्त्र पूजन

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने विजयदशमी पर शस्त्र पूजन किया । भगवान श्री राम एवं महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ क्षत्रिय बंधुओ ने शास्त्रों का पूजन कर समाज की रक्षा के लिए इनका उपयोग करने की शपथ ली।

जिलाध्यक्ष डॉ. पीडी सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज ने हमेशा देश की रक्षा के लिए अपनी जान न्यौछावर की है और हर वर्ग को साथ लेकर चला है। राष्ट्रीय महामंत्री सुखबीर सिंह भदौरिया ने कहा कि क्षत्रिय समाज की समस्याओं का हर संभव प्रयास महासभा द्वारा किए जा रहे है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह चौहान एडवोकेट ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह तोमर, जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह तोमर एडवोकेट, बबलू सिंह चौहान, मझोला चेयरमैन निशांत प्रताप सिंह आदि ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता भगवान सिंह ने की। इस मौके पर अवध राज सिंह, रितेश सिंह, अक्षत सिंह, मनीष पाल सिंह, अनिल सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र पाल सिंह, पूरन सिंह बिष्ट, राजपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

शस्त्र पूजन करते क्षत्रिय समाज के लोग। ● अमृत विचार

ERA® RADIOS
SUPER STOCKIST BAREILLY
● Civil Lines, Ayub Khan Crossing, Bareilly ● DD Puram Stadium Road, Bareilly

कंपनी प्रोफोइल इलिस्टा:- 2020 में स्थापित, एलिस्टा भारत की अग्रणी विश्व स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण, आईटी और मोबाइल एक्सेसरीज ब्रांड है। यह यूएई स्थित टेक्नोडोम का हिस्सा है और भारत के आत्मनिर्भर सिद्धांत का पालन करता है। भारत को वैश्विक नवाचार मानचित्र पर स्थापित करने के उद्देश्य से, एलिस्टा दुनिया भर के ब्रांडों को भारत में विनिर्माण के लिए प्रेरित करता है ताकि वे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अपनी मांग को पूरा कर सकें। एलिस्टा का उत्पाद पोर्टफोलियो अपनी वैश्विक गुणवत्ता और विशिष्ट डिजाइन से अलग है। अपने सिद्धांत के अनुसार कि हमेशा ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाने का एक तरीका होता है, एलिस्टा ने मूल्य-लाभ वाले उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों को बेहतर कार्यक्षमता के साथ विकसित करने की सीमाओं को धक्का दिया है। एलिस्टा का उद्देश्य न केवल समूह की सफलता को बढ़ाना है, बल्कि अपने ग्राहकों, कर्मचारियों, चौनल भागीदारों और अन्य हितधारकों के जीवन को समृद्ध और बेहतर बनाना भी है। एलिस्टा का पोर्टफोलियो एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन, एसी, कूलर, डिशवॉशर, रेफ्रिजरेटर, आईटी एक्सेसरीज, मोबाइल एक्सेसरीज और स्पीकर्स से युक्त है। कंपनी के शीर्ष अधिकारी उद्योग में अग्रणी हैं, जिनके पास 200 वर्षों से अधिक का संयुक्त अनुभव है। इसके अलावा, एलिस्टा के प्रमोटरों को 80 से अधिक देशों में वितरण चौनल और नेटवर्क की गहरी समझ है, जो टेक्नोडोम की वैश्विक ब्रांड प्रबंधन की विशेषज्ञता के कारण संभव हुआ है। कंपनी की पहल वोकल फॉर लोकल और भारत में रोजगार के अवसर पैदा करने के दोहरे उद्देश्यों से प्रेरित है। एक भारतीय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के रूप में, एलिस्टा का उद्देश्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है जबकि वह अपने ब्रांड को स्थापित कर रहा है। शुरुआत से ही, एलिस्टा ने साल दर साल प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। अपने पहले वर्ष में, एलिस्टा का राजस्व 35 करोड़ रुपये तक पहुंचाय अगले वर्ष, यह 145 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी ने मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए आक्रामक योजनाएँ बनाई हैं, और लक्ष्य 300 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व को पार करना है। 2020 में भारत में सफल लश्चन्च के बाद, एलिस्टा अब केवल 4 वर्षों में यूएई, सीआईएस और मिडल ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका के 17 देशों में उपलब्ध है। इस दौरान एलिस्टा को कई पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें शामिल हैं - बीएएआरसी अवार्ड मार्केटिंग माइस्टर (2022), डिवाइस नेक्स्ट आत्मनिर्भर अवार्ड (2020), सी एंड सी अवार्ड्स-मोस्ट इनोवेटिव आईटी एक्सेसरीज अवार्ड (2022), एनसीएन द्वारा 2023 में सबसे किफायती स्मार्ट टीवी, और डिवाइस नेक्स्ट - 2024 में सबसे तेजी से बढ़ते वैश्विक ब्रांड का पुरस्कार।

Advt.

महिलाओं को दी हेल्पलाइन की जानकारी

● सरकार की चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी

संवाददाता, अमरिया

अमृत विचार: ग्राम पंचायत मंझलिया में मिशन शक्ति अभियान के तहत ग्राम प्रधान मोहम्मद जुबैर मलिक के सहयोग से पंचायत घर में महिलाओ की चौपाल लगाई गई।जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

मिशन शक्ति केन्द्र थाना अमरिया की प्रभारी अनुराधा वर्मा ने महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन (1090), महिला हेल्पलाइन (181), पुलिस इमरजेंसी सेवा (112), मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (1076) और चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर दरोगा आशीष कुमार, हेड कांस्टेबल बबीता, कांस्टेबल सपना, दीक्षा, राहुल कुमार,दीपक कुमार आदि माजूद रहे। इस दौरान जागरुकता के लिए पंपलेट भी बांटे गए।

ग्राम पंचायत मंझलिया में आयोजित चौपाल में शामिल महिलाएं ओर पुलिस कर्मी।

रूरा रामनगर और मंगतपुर में बनेंगे सामुदायिक केंद्र

पीलीभीत, अमृत विचार: राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने गुरुवार को ग्राम रूरा रामनगर और मंगतपुर में सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया।

एकीकृत ग्राम विकास योजना के अंतर्गत सामुदायिक केंद्रों के भवन का शिलान्यास करने के बाद उन्होंने कहा कि इन सामुदायिक भवनों के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को सामाजिक कार्यों को करने में सहूलियत मिलेगी। कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार शहर से लेकर गांव तक लगातार विकास कार्य कर रही है। उन्होंने जनता से अपील की की सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। बता दें कि 65-65 लाख की लागत से इन भवनों का निर्माण कराया जाएगा। इस मौके पर मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन बिश्नोई, बीडीओ लियाकत अली आदि मौजूद रहे।

सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

शातिर गिरफ्तार, चोरी के जेवर बरामद

धौरहरा, अमृत विचार : गुरुवार सुबह प्रभारी निरीक्षक शिवाजी दुबे के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने बबुरी मोड़ के पास घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश की पहचान राममूर्ति उर्फ डमरू पुत्र परशुराम निवासी खरवहिया गांव के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी के कीमती आभूषण व अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी से कई लंबित मामलों के खुलासे की उम्मीद है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, वहीं अन्य जिलों की पुलिस को भी सूचना दी गई है ताकि उनके स्तर से आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा सके।

अश्लील फब्तियां कसने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं स्वावलंबन को लेकर चल रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत कोतवाली सदर की एंटी रोमियो टीम ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम भ्रमण पर थी। इस दौरान टीम ने राह चलती लड़कियों और महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कस रहे बालूडीह निवासी संदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया। युवतियों ने आरोपी पर मोबाइल नंबर मांगने का भी आरोप लगाया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज आरोपी का चालान भेजा है।

पति व ससुराल पक्ष ने महिला को पीटा

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव गुदौरा दाउदपुर निवासी रिंकी पत्नी अतुल ने आरोप लगाया कि कोर्ट से फैसला आने के बाद भी उसे ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित कर रहे हैं। रिंकी ने बताया कि बुधवार की रात उसे ससुराल वालों ने पीटा। गुरुवार को जब वह शिकायत लेकर थाने जा रही थी, तभी स्टेट हाईवे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर रुकनपुर गांव के पास पति अतुल ने रोककर लाठियों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। रिंकी ने बताया कि जब राहगीरों ने उसे बचाने की कोशिश की तो पति ने उन पर भी हमला कर दिया। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी को पांच वर्ष हो चुके हैं और दहेज उत्पीड़न का एक मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। कोर्ट द्वारा उसे ससुराल में रहने का आदेश दिया गया था, बावजूद इसके पति, सास, देवर, ननद और अन्य परिजन लगातार मारपीट करते हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर उसे मेडिकल के लिए सीएचसी भेजा और जांच शुरू कर दी है।

गांधी जयंती पर भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मौजूद शिक्षिकाएं व छात्राएं।

बाथम वैश्य महासभा में राष्ट्रगान में शामिल लोग। ● अमृत विचार

सम्मानित किए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित। ● अमृत विचार

सत्य, अहिंसा और प्रेम के मार्ग पर चलने का लिया संकल्प

जिले भर में धूमधाम से मनाई महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कलेक्ट्रेट समेत स्कूल-कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस दौरान गांधीजी के दिखाए सत्य, अहिंसा और प्रेम के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। सुबह स्कूली बच्चों की ओर से प्रभातफेरी निकाल कर सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया।

सुबह 9 बजे डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एडीएम न्यायिक अनिल कुमार रस्तोगी ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में गांधी व शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया। डीएम ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रितों को शाल ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। पश्चात विचार गोष्ठी हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि गांधी व शास्त्री विचारधारा का अनुकरण करना चाहिए, इनके विचारों से समाज में परिवर्तन आएगा। क्योंकि गांधी गीरी एक भावना हैं। हम सबको गांधी जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। इन दो विभूतियों ने देश को गौरवान्वित किया है, गांधी जी ने सत्य, अंहिसा के बल पर भारत को स्वतंत्र कराया। जय जवान जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने देश को विश्व पटल पर पहचान दिलाई। गांधी जी ने बालिका शिक्षा पर विशेष बल दिया। वे सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर थे। गांधी व शास्त्री ऐसे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे, जो सदियों तक प्रेरणा श्रोत बने रहेंगे। हमें उनके बताये मार्ग पर चलना चाहिए। एडीएम अनिल कुमार रस्तोगी, एनके मिश्रा, अवध नरेश सिंह ने गांधी व शास्त्री के विषय में सारगर्भित विचार व्यक्त किए। इस मौके पर समाजसेवी एवं बैंककर्मी संजीव त्रिवेदी ने देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। देशभक्ति के गीत पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार की बेटी अग्रिमा धवन ने नृत्य की प्रस्तुति दी। इस मौके पर एसडीएम (सदर) अश्वनी कुमार सिंह, अर्चना ओझा, प्रशासनिक अधिकारी एवं नाजिर मो. सलीम आदि मौजूद रहे।

शहर के बाथम वैश्य महासभा एवं बाथम वैश्य धर्मशाला समिति ने गांधी-शास्त्री जयंती पर ध्वजारोहण एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया। उपाध्यक्ष राम मोहन गुप्त के सभापतित्व, मंत्री सुनील बाथम के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख, पवन कुमार गुप्त व अन्य पदाधिकारियों द्वारा ध्वजारोहण कर एवं महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया। पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के चित्र पर पुष्पार्पण कर सामूहिक राष्ट्रगान का पाठ किया गया। इस मौके पर हरीशंकर गुप्त, सुरेश चंद्र गुप्त, शरद गुप्त, अरविंद गुप्त एडवोकेट, आनंद गुप्त बबलू आदि मौजूद रहे।

भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्या प्रोफेसर गीता शुक्ला की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी हुई। कार्यक्रम में महक, लविशा, दीपमाला और दीपांशी आदि छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संचालन छात्रा आस्था वर्मा ने किया। इस दौरान डॉ. सुरचना त्रिवेदी और अर्चना सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रो. रेखा पांडेय, शिवांगी सक्सेना, विमलेश, वीना चौरसिया आदि मौजूद रहीं।

डीएम ने गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण : गांधी व शास्त्री जयंती पर नगर में स्थित गांधी बालोद्यान कन्या जूनियर हाईस्कूल विघालय में डीएम, एडीएम, उपजिलाधिकारी अश्वनी कुमार सिंह ने गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। विद्यालय की नर्सरी की छात्रा ने डीएम का माल्यार्पण किया। विद्यालय के छात्राओं ने रामधुन सहित तमाम देशभक्ति से भरे गीत प्रस्तुत किये। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं शिक्षिकाए व बच्चें मौजूद रहे।

नगर के एक मोहल्ले में सफाई अभियान चलाया। ● अमृत विचार

चित्र पर फूल अर्पित करतीं डीएम।

विजेता को पुरस्कृत करते पुनीत सिंह।

गांधी जयंती पर हुई दौड़ प्रतियोगिता

पसगवां, अमृत विचार : गांधी व शास्त्री जयंती पर समग्र विकास समिति सोनौआ व सिद्धांत कोचिंग इंस्टिट्यूट ने बालकों की दौड़ प्रतियोगिता हुई। एक किलो मीटर की इस दौड़ प्रतियोगिता में युवा वर्ग बालक श्रेणी में प्रथम स्थान पर ग्राम सोनौआ के विवेक मौर्य और दूसरे स्थान पर गांव लखनौरिया के रोहित कुमार रहे। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर जानकी शर्मा व दूसरे स्थान पर अदिति शर्मा रही। बाल दौड़ प्रतियोगिता में पहले स्थान पर अंजू यादव और दूसरे स्थान पर अंकेश मौर्य रहे। विजेता प्रतिभागियों को युवा समाजसेवी पुनीत सिंह और ब्रजेश यादव ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। ग्राम पंचायत के संभ्रात व्यक्तियों ने प्रत्येक वर्ग के प्रतियोगी विजेताओ को ज्ञानवर्धक पुस्तकें एवं धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया। पहली बार आयोजित प्रतियोगिता में छोटेलाल गौतम, विपिन सक्सेना, आदेश प्रजापति, अजीत प्रजापति, मंजीत यादव, अमन यादव, अनिल यादव, बलजीत मौर्य, दीपेश, कन्हैया, भूरे यादव आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. बलवीर शर्मा ने किया।

विभिन्न संस्थाओं में किया ध्वजारोहण

गोला के पब्लिक कॉलेज में ध्वज फहराकर समारोह मनाते शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विभिन्न संस्थाओं में ध्वजारोहण कर जयंती धूमधाम से मनाई गई। गोष्ठियां हुई और राष्ट्र निर्माण के लिए स्वच्छता अभियान में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर परिसर और आसपास साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

नगर के पब्लिक इंटर कॉलेज में ध्वज फहराया गया। इतिहास प्रवक्ता रमेशचंद ने महात्मा गांधी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके बाद साफ-सफाई अभियान चलाया गया। अंग्रेजी प्रवक्ता अभय कुमार जायसवाल, वरिष्ठ प्रवक्ता विश्वमोहन जीत, प्रधानाचार्य बाबूराम सागर, शिक्षकों, विद्यार्थियों ने झिल्ली, कूड़ा करकट एकत्र करके एक जगह निस्तारित किया। प्रधानाचार्य ने घर, विद्यालय के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया। इस दौरान रमेश कुमार मौर्य, दिनेश कुमार राज, सत्येंद्र कुमार पांडेय आदि रहे। सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण, मां सरस्वती के चित्र का अनावरण एवं पुष्पार्चन कर दोनों महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। शिक्षक महेन्द्र नाथ पाठक, शिक्षिका नीरज मिश्रा, मीना वर्मा, शिक्षक सुनील कुमार आदि ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी। आत्म-अनुशासन, सेवा और राष्ट्र-निर्माण की भावना को आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। कौशल किशोर मिश्रा, लाल बहादुर वर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, सुधीर प्रताप सिंह, बृजेंद्र पांडे सुरेश कनौजिया आदि मौजूद रहे।

कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में गोष्ठी हुई। कृषि महाविद्यालय परिसर में एनएसएस इकाई छह द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अरुण कुमार ने की। डॉ. रविंद्रनाथ वर्मा और शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों ने परिचर्चा में अपने विचार प्रस्तुत किए। अशोक चौराहा इंदिरा पार्क पर पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर, पुष्प अर्पित किए। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी कमलेश कुमार गुप्ता, प्रेम कुमार वर्मा, नगर अध्यक्ष अजीत जैन, विकास सोनी, सुधीर शुक्ला, आमिर अंसारी, राकेश विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे। कृषक समाज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि कॉलेज प्रबंधक एवं पूर्व सांसद रविप्रकाश वर्मा ने ध्वजारोहण किया। विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया। उपमंत्री विनोद चंद्र मिश्र, लखपति भारती सहित कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा। नगर पालिका परिषद में शुभारंभ पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने ध्वजारोहण कर किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने जीवनपर्यन्त सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलें। समारोह में सभासद आनंद सोनी, रियाजुद्दीन, नानकचन्द्र वर्मा, धर्मेन्द्र तिवारी, धर्मेन्द्र जायसवाल, हरिओम वर्मा आदि रहे।

बिलहरी, अमृत विचारः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों, स्कूलों, थानों, पुलिस चौकियों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए। बिलहरी क्षेत्र की निकट पुलिस चौकी सिकंदराबाद मे चौकी इंचार्ज आशीष शेरावत, हैदराबाद थाना की पुलिस चौकी ढखवा पर चौकी इंचार्ज महादेवी ने ध्वजारोहण किया। उनके सिद्धांतों पर चलने के लिये पुलिस कर्मचारियों ने शपथ ली।

गोला के इंदिरा पार्क में जयंती मनाते कांग्रेसी।

● विद्यालयों में हुई गोष्ठी, स्वच्छता अभियान के तहत की साफ सफाई

गांधी-शास्त्री जयंती पर पलिया में चला स्वच्छता अभियान

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर व क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं में आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पालिकाध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता ने ध्वजारोहण कर महात्मा गांधी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर मोहल्लों में सफाई अभियान चलाया। इस मौके पर अधिशाषी अधिकारी विजय बहादुर यादव सहित कई सभासद व पालिका कर्मी भी मौजूद रहे। इस दौरान सफाई कर्मियों को पुरस्कृत भी किया गया। उधर, नगर के सरस्वती विद्या मंदिर, उत्तर प्रदेश वनवासी सेवा संस्थान, शारदा मंडल द्वारा नौगवां में व आवासीय विद्यालय गोबरौला में गांधी व शास्त्री जयंती मनाई गई। सरस्वती विद्या मंदिर पलिया में प्रबंधक रामबचन तिवारी, अध्यक्ष चांद कुमार जैन, प्रधानाचार्य राम प्रताप सिंह ने गांधी और शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया। आवासीय बालिका विद्यालय गोबरौला में प्रधानाचार्य बृजेश कुमार ने गांधी-शास्त्री के आदर्शों को बताया। समाजसेवी आलोक मिश्रा, रवि गुप्ता, व्यापार मंडल जिला मंत्री अमित महाजन ने गांधी, शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया।

क्विज प्रतियोगिता में कृष्णा शर्मा ने पाया प्रथम स्थान

सीजीएन पीजी कॉलेज में जयंती मनाते शिक्षक और विद्यार्थी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : सीजीएन पीजी कॉलेज में प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाया गया।

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संविधान निर्माण एंव प्रक्रिया एवं मूल अधिकार, मौलिक कर्तव्यों, महिला सशक्तीकरण, लैंगिक समानता से सम्बन्धित एक क्विज प्रतियोगिता कराई गई। प्रथम स्थान कृष्णा शर्मा, द्वितीय स्थान आकाक्षा वर्मा, तृतीय स्थान आयुषी जायसवाल, चतुर्थ स्थान शिव शंकर, पंचम् स्थान गीता विश्वकर्मा एवं छठा स्थान वंश गुप्ता ने प्राप्त किया। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल एवं द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी अमित कुमार यादव ने स्वयं सेवक एवं स्वयं संविकाओं को स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. योगेश कनौजिया, डॉ. शैलेन्द्र, डॉ. अनिल कुमार यादव, डॉ. अरूण कुमार सिंह, डॉ. अमितांशु मिश्रा, प्रवीण कुमार गुप्ता, आदि शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे।

रोहिलखण्ड कैंसर इंस्टीट्यूट बरेली
ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
कैंसर की संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
200 BED का Cancer अस्पताल अब आपके शहर में
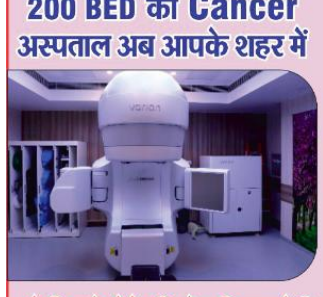

रेडियोथेरेपी के लिए वेरियन ट्रुबीम एसटीएक्स (लीनियर एक्सलरेटर)
High Definition MLC, SRS, SBRT, IMRT, IGRT, Rapid ARC, RGSC, VMAT, 3D CRT, 6D Couch, 3 Energy Phototherapy, 5 Energy Electron Therapy
• बरेली का एकमात्र PET CT
• पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

हमारी सेवाएं
• सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, • रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, • डे केयर कीमो थेरेपी, • इम्यूनोथेरेपी • कैंसर आईसीयू, • फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकैमिस्ट्री • मैमोग्राफी, • कैंसर के रोकथाम की ओपीडी, • टर्मिनल कैंसर मरीजों की देखभाल • इण्टरवेशनल रेडियोलॉजी
• प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
• मुख्यमंत्री राहत कोष योजना द्वारा फ्री में इलाज की सुविधा

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
Academic Programmes
M.D. Radiation Oncology (4 Seats)
Diploma in Radiotherapy Technician (30 Seats)
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस, नजदीक सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली उ.प्र. 243006
हैल्पलाइनः 7891235003, पैट सीटी बुकिंग के लिए +91 9811187117, आपातकालीन 9258116087
www.rohilkhandcancerinstitute.com Follow us on : /rohilkhand cancer institute

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
Creating life.... completing families.
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क
₹200/- ₹100/-
दिन : प्रत्येक सोमवार व शुक्रवार
समय : प्रातः 10:00 से 02 बजे तक
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) रियायती दरो पर
★ लैब टेस्ट भारी छूट पर
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 200/- में
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं० 6398018900
पूर्ण एन.ए.बी.एच (NABH) से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

न्यूज ब्रीफ

दो शातिर तमंचे के साथ पकड़े, जेल भेजा

पाकबड़ा, अमृत विचार : पुलिस ने दो लोगों को तमंचे के साथ पकड़ लिया। दोनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया। बुधवार की शाम को करीब 7 :30 बजे कस्बा इंचार्ज विनीत कुमार टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी नया मुरादाबाद के पास लोहिया फॉर्म से आगे कच्चे रास्ते पर दो लोग जाते दिखाई दिए। रोकने की कोशिश पर भागने लगे तो पुलिस ने उन्हें दौड़ा कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास एक-एक तमंचा व कारतूस मिला। नाम ओवेंद्र पुत्र वेद प्रकाश, दुष्यंत पुत्र महेश निवासी ड्योड़ी बाजिदपुर थाना डिडौली अमरोहा बताया। पुलिस ने दोनों को थाने लाकर कार्रवाई करते हुए गुरुवार को जेल भेज दिया है। कस्बा इंचार्ज ने बताया कि दोनों के खिलाफ पहले भी पुराने मुकदमें अमरोहा, मझोला और संभल में दर्ज हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

रामपुर, अमृत विचार : स्वार थाना क्षेत्र के गांव सोनकपुर निवासी सोलेंद्र(22) बाइक से अपने दोस्त अरविंद के साथ किसी काम से गुरुवार को बाइक से शाहबाद जा रहा था। रास्ते में पटवाई के गांव रेटगंज पर डंपर ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिसमें सोलेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, उसका दोस्त घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर आ गए। उसके बाद दोनों को जिला अस्पताल भेजा। सोलेंद्र को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अरविंद को घायल अवस्था में भर्ती कराया।

ब्यूटी पार्लर संचालिका से युवक ने की बदतमीजी

चौधरपुर, अमृत विचार : ब्यूटी पार्लर संचालिका ने गांव के युवक पर दारू पीकर उसके और उसकी ननद के साथ बदतमीजी और उसके पति के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है डिडौली कोतवाली क्षेत्र गांव नन्हेंड़ा राजपूत निवासी प्रियंका ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसने गांव में ब्यूटी पार्लर की दुकान खोल रखी है उसके साथ उसकी ननंद भी काम करती है उसका कहना है कि गांव निवासी भीमगरी पुत्र कल्लू पुजारी दारू पीकर बदतमीजी करता रहता है।

सड़क हादसे : आठ महीने में 233 जिंदगियां खत्म

तेज रफ्तार और तीव्र मोड़ बने दुर्घटना की मुख्य वजह, अकेली लापरवाही नहीं बेपरवाह सिस्टम भी जिम्मेदार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : जिले की सड़कों पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। थोड़ी-सी लापरवाही न जाने कितने घरों को मातम में बदल रही है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता, जब सड़क पर किसी की जान न जाती हो। पुलिस रिकार्ड के मुताबिक जनवरी से अब तक 233 लोग विभिन्न सड़क हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं। इन मौतों ने अनगिनत परिवारों की खुशियां छीन लीं। कहीं किसी बच्चे के सिर से पिता का साया उठ गया तो कहीं मां की गोद हमेशा के लिए सूनी हो गई।

जिले में सड़क हादसों का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है। वजह वही कि चालकों की लापरवाही और यातायात नियमों की अनदेखी। चाहे बाइक चालक हों, बस-ट्रक के ड्राइवर हों या कार चालक। तेज रफ्तार, गलत ओवरटेक और ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाना आम बात हो गई है। 28 सितंबर 2025 को सीतापुर फोरलेन पर हुआ दर्दनाक हादसा इसकी बानगी भर है। कार और रोडवेज की अनुबंधित बस की भिड़ंत में ओमनी चालक, एक मासूम समेत छह लोगों की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि तेज रफ्तार और तीव्र मोड़ इस दुर्घटना की मुख्य वजह रहे। यह हादसा कोई अपवाद नहीं है। जिले में हर रोज कहीं न कहीं बाइकों की आपसी भिड़ंत, सड़क पर कुचलकर मौत या तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर लोगों की जिंदगी खत्म हो रही है। आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से अब तक 233 लोगों की सड़क हादसों में मौत हो चुकी है।

हादसे की ये है वजह

- बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के वाहन चलाना
- तेज रफ्तार वाहन को स्टंट करना
- सड़कों की जर्जर हालत और जानलेवा गड्ढे
- रांग साइड चलने के कारण
- ओवरटेक करते समय असावधानी पूर्वक वाहन चलाना

अधिकतर मौतें हेंड इंजरी से हुई हैं। हेलमेट व सीट बेल्ट न बांधने वालों का चालान कर जुर्माना वसूला जाता है। साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जाता है। इसके बाद भी लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। हालांकि पुलिस की सख्ती से हादसों में कुछ कमी आई है।

– पवन गौतम, एएसपी पूर्वी

हादसों के आंकड़ों पर एक नजर

वर्ष	हादसे	मृतक	घायल
2017	517	364	242
2018	570	358	265
2019	612	347	291
2020	651	361	285
2021	662	372	296
2022	368	148	253
2023	358	207	278
2024	410	232	305
2025	278	233	317 (माह सितंबर तक)

सिर में गंभीर चोटें होने से हुई हैं सर्वाधिक मौतें

हादसों में सर्वाधिक मौतें सिर में गहरी चोट आने से हुई हैं, इसके बाद भी लोग हेलमेट लगाना अपनी तौहीनी समझते हैं। यातायात पुलिस और संभागीय परिवहन विभाग अभियान चलाकर लोगों को हेलमेट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता अभियान चलाता है, लेकिन इसके बाद भी लोग हेलमेट नहीं पहनते हैं। हादसा होने पर सिर में गंभीर चोट आने पर उनकी मौत हो जाती है। डॉक्टरों का मानना है कि यदि चालक हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करे तो मौतों के आंकड़ों में कमी आ सकती है।

छात्रा छाया वर्मा बनीं एक दिन की थाना प्रभारी

थाना खीरी में अभिलेख देखतीं छाया वर्मा। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: युवराज दत्त स्नातक महाविद्यालय लखीमपुर की बीए द्वितीय वर्ष की एनसीसी छात्रा छाया वर्मा को एक दिवसीय थाना खीरी का प्रभारी बनाया गया।

छात्रा ने थाना परिसर का भ्रमण कर महिला शक्ति केंद्र, हेल्प डेस्क और अभिलेखों का निरीक्षण किया। साथ ही थाने पर आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। थाना प्रभारी की भूमिका निभाते हुए छाया वर्मा ने महिलाओं और बालिकाओं से आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी बनने का आह्वान किया। शासन से संचालित महिला सुरक्षा सेवाओं जैसे 1090 वीमेन पावर लाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन आदि की भी जानकारी दी गई। एसपी संकल्प शर्मा ने कहा कि यह पहल महिला सम्मान और सुरक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

थरिया गांव में तेंदुआ सीसीटीवी कैमरे में कैद

संवाददाता, बेहजम

मौके पर मौजूद वन विभाग की टीम व ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: थाना नीमगांव क्षेत्र की पुलिस चौकी बेहजम के थरिया गांव में बुधवार सुबह तेंदुआ नजर आने से हड़कंप मच गया। तेंदुआ ग्राम पंचायत सचिवालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में साफ-साफ कैद हुआ है। वह गांव की झाड़ियों से निकलकर खेतों की तरफ जाता दिखाई दिया। दक्षिण खीरी वन प्रभाग के अधिकारियों ने फुटेज में में तेंदुआ होने की पुष्टि भी की है।

बुधवार की सुबह करीब 9:52 बजे गांव के आलोक पुत्र सुरेश ने झाड़ियों से खेतों की ओर जाते हुए तेंदुए को देखा और शोर मचाया। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिवालय के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें तेंदुआ स्पष्ट दिखा। सूचना मिलने पर वन दरोगा उमेश वर्मा मौके पर पहुंचे और फुटेज कब्जे में लेकर उच्च अधिकारियों को भेजा। डीएफओ खीरी ने भी फुटेज देखकर तेंदुए की

● झाड़ियों से खेतों की तरफ जाता दिखाई दिया, डीएफओ ने की तेंदुआ की पुष्टि

मौजूदगी की पुष्टि की। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में कॉम्बिंग कर पग मार्क तलाशने की कोशिश की, लेकिन कोई निशान नहीं मिला। वन दरोगा ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने सलाह दी कि ग्रामीण गन्ने के खेतों में अकेले न जाएं, समूह में जाएं और जरूरत पड़ने पर पटाखे दागकर तेंदुए को भगाने का प्रयास करें। इस बीच ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। गांव के रमेश ने आरोप लगाया कि पहले भी कई बार तेंदुआ दिखने की सूचना दी गई, लेकिन विभाग ने हर बार इसे सिर्फ बिल्ली बताकर टाल दिया। ग्रामीणों ने बीट इंचार्ज उमेश सिंह चौहान पर मौके पर न पहुंचने का भी आरोप लगाया।

करंट लगने से किशोर की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के गांव जौहरा निवासी 15 वर्षीय किशोर की करंट लगने से मौत हो गई। वह गांव के बाहर स्थित एक फार्म पर मजदूरी करने गया था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गांव जौहरा निवासी प्रेम का 15 वर्षीय बेटा रिंकू गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे गांव के बाहर स्थित एक फार्म पर मजदूरी करने गया था। बताते हैं कि मिट्टी का गिलावा बनाते समय पास में लगे समरसेबल से उसे करंट लग गया। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने रिंकू को मृत घोषित कर दिया। मृतक के चाचा सुशील ने बताया कि रिंकू दिहाड़ी पर मजदूरी करता था। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मातृशक्ति ने किया सीसी रोड का आरंभ

गोला के मोहल्ला मुन्नूगंज में सीसी रोड का आरंभ करतीं मातृ शक्ति।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर पालिका से 15 वें वित्त आयोग से मुन्नूगंज मोहल्ले के चतुर्थ वार्ड 21 में बनी सीसी रोड का गुरुवार को वार्ड निवासी मातृशक्ति ने उद्घाटन किया। आचार्य लवकुश शास्त्री ने विधिवत पूजन-पूजा अर्चना कराई। इसके बाद शांति कनौजिया, सुधा गुप्ता, गीता जयराम ने पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, सभासद शहनाज बानो के प्रतिनिधि दानिश राइन की मौजूदगी में उद्घाटन किया। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि नगर का यह अंतिम छोर विकास से वंचित था। इस दौरान राजेश्वर शुक्ला, हाजी रईसुद्दीन, डॉ. असलम, संजय शुक्ला, आशीष गुप्ता, शिप्रा गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, आशा अग्रवाल, आभा गुप्ता, ममता पांडेय, राखी गुप्ता, सत्यवती गुप्ता आदि मौजूद रहे।

भगवान मोक्षदाता और भक्तों के कष्ट हरते हैं

पसगवां, अमृत विचार: कथा व्यास पंडित देव दत्त मिश्र ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण मोक्ष का मार्ग दिखाते हैं और भक्तों के सभी कष्टों को दूर करते हैं।

जमिरहा गांव में चल रहे शतचंडी महायज्ञ में हो रही श्रीमद्भागवत कथा में उन्होंने सुदामा की मित्रता का सजीव चित्रण सुनाया। उन्होंने कहा कि कृष्ण सुदामा की मित्रता और एक मिसाल है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा उज्जैन में संदीपन ऋषि के आश्रम में पढ़ते थे। उनमें प्रेम था और गहरी मित्रता थी। भगवान श्रीकृष्ण की मृत्यु की कथा सुनाते हुए कहा कि गांधारी के श्राप से कुरुक्षेत्र में युद्ध 36 वर्ष तक हुआ। भगवान श्रीकृष्ण एक वृक्ष के नीचे आराम कर रहे थे। जरा नामक एक बहेलिया का जहर बुझा तीर उनके पैर में लग गया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

युवक एक सप्ताह से लापता, तलाश जारी

संवाददाता, मूड़ा सवारान

जगनपुरवा में युवक की आस में बेसुध बैठा परिवार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भीरा थाना क्षेत्र के जगनपुरवा गांव निवासी एक युवक रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है। जिसका एक सप्ताह बाद भी सुराग नहीं लगा है, जबकि उसकी चप्पलें शारदा नदी के पुल पर मिली थीं।

शुक्रवार को घर से पड़ोस के गांव जाने की बात कहकर निकले रमेश यादव (35) का एक सप्ताह बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। परिजनों की हालत बदहवास है और पुलिस लगातार खोजबीन में जुटी हुई है। लापता होने के अगले ही दिन शनिवार को रमेश की चप्पलें शारदा नदी के पुल पर मिली थीं, जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि वह नदी की ओर गए होंगे। बाढ़ राहत दल की पीएसी बटालियन लगातार

● शारदा नदी पुल पर मिली थीं चप्पलें

मोटरबोट से नदी में तलाश कर रही है।

भीरा थाना प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज है। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है और परिजनों से लगातार संपर्क बनाए हुए है। रमेश की पत्नी सरला का रो रोकर बुरा हाल है। बच्चों हर्षित (10) और रिया की आंखें अपने पिता की राह ताकते थक चुकी हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से खोज अभियान तेज करने की मांग की है।

स्वदेशी अपनाने को चलेगा जन-जागरण अभियान

संवाददाता, मितौली

संबोधित करते भाजपा जिला मंत्री।

अमृत विचार: कस्ता मंडल की आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यशाला में भाजपा जिला मंत्री बृजेश सिंह ने कार्यकर्ताओं से लोकल फॉर वोकल अभियान को गति देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाने का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। युवाओं को इस मुहिम से जोड़कर अभियान को नई ऊंचाई पर ले जाया जाएगा।

जिला मंत्री ने कहा कि दीपावली पर्व पर विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जनता और दुकानदारों को समझाया जाएगा कि विदेशी झालर, लाइट व अन्य सामान न खरीदें और न बेचें। इसके स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने की अपील की जाएगी। बताया कि अभियान के तहत घर-घर स्टीकर लगाए जाएंगे और जनता से संकल्प पत्र भरवाए जाएंगे। दुकानदारों को भी स्वदेशी वस्तुओं की बिक्री के लिए जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा विकास सिंह, राजेश दीक्षित, कौशल किशोर बाजपेयी, मोहित सिंह, जहेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

दवा का छिड़काव करते समय हालत बिगड़ी, गई जान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करते समय थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव टिकौला निवासी 65 वर्षीय रमाशंकर की हालत बिगड़ गई। मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे उनके परिवार में कोहराम मच गया।

गांव टिकौला निवासी 65 वर्षीय रमा शंकर बुधवार की दोपहर अपने खेत गन्ने दवा का छिड़काव कर रहे थे। अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे और भर्ती कराया, जहां देर रात उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ट्रक की टक्कर से सड़क पार कर रहे युवक की मौत

संवाददाता, उचौलिया

● बरखेड़ा तिराहा पर हुआ हादसा परिवार में मचा कोहराम

अमृत विचार: लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर उचौलिया और जेबी गंज के मध्य मोहदियापुर गांव में में सड़क पार कर रहे एक युवक को तेज गति से जा रहे ट्रक ने कुचल दिया। इससे वह घायल हो गया। शाहजहांपुर जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

नीरू।

थाना क्षेत्र के गांव कोटरा निवासी 30 वर्षीय नीरू बुधवार शाम को मोहदियापुर की साप्ताहिक बाजार करने गया था। देर शाम जब वह,सड़क पर बरखेरा तिराहा पार कर रहा था, उसी समय सीतापुर की तरफ से तेज गति में आ रहे एक ट्रक ने नीरू को बुरी तरह कुचल दिया। मरणासन्न अवस्था में उसे शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक नीरू के तीन बच्चे हैं। जिसमें सात वर्ष का एक बेटा और उससे छोटी दो बेटियां हैं। प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि टैंकर को कब्जे में ले लिया गया है। शाहजहांपुर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार वालों को सौंप दिया है।

छात्रा श्रेया बनी एक दिन की कोतवाली प्रभारी

शिकायत सुनतीं एक दिवसीय थाना प्रभारी बनी छात्रा श्रेया शुक्ला। ● अमृत विचार

संवाददाता, मैगलगंज

● थाना परिसर का निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

अमृत विचार: मिशन शक्ति अभियान के तहत गुरुवार को श्रीपाल सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की कक्षा 11 की छात्रा श्रेया शुक्ला को एक दिन का मैगलगंज कोतवाली प्रभारी बनाया गया। इसी क्रम में सिदरा को कस्बा चौकी और अनन्या यादव को औरंगाबाद चौकी प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। प्रभार संभालते ही श्रेया शुक्ला ने जनसुनवाई में आए प्रकरण में त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित का मेडिकल कराने और मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया और कस्बे में यातायात नियमों का पालन कराने हेतु वाहन चालकों को हिदायत दी। इससे पूर्व विद्यालय में गांधी-शास्त्री जयंती पर कार्यक्रम हुआ, जिसमें छात्राओं ने ध्वजारोहण कर महान विभूतियों को श्रद्धांजलि दी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक मतदाता अब सावधान हो जाएं। भारत निर्वाचन आयोग ने बड़ा एलान करते हुए मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया है।

कार्यक्रम के तहत पहली अधिसूचना का पुनः प्रकाशन 15 अक्टूबर को होगा। दूसरी अधिसूचना का पुनर्प्रकाशन 25 अक्टूबर को होगा। आवेदन की आखिरी तारीख (फॉर्म-18 स्नातक, फॉर्म-19 शिक्षक) 6 नवंबर घोषित की गई है। पांडुलिपि तैयार व मुद्रण 20 नवंबर को, ड्राफ्ट नामावली का प्रकाशन 25 नवंबर को किया जाएगा। निस्तारण व अनुपूरक सूची 25 दिसंबर को जारी होगी, जबकि अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को किया जाएगा। बता दें कि लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, इलाहाबाद-झांसी (स्नातक) और लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद व गोरखपुर-फैजाबाद (शिक्षक) निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए विधान परिषद सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को समाप्त हो रहा है।

दो नेपाली महिलाएं और एक नाइजीरियन गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: थाना साइबर क्राइम पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए दो नेपाली महिलाओं और एक नाइजीरियन युवक को गिरफ्तार किया है। यह गैंग शादी डॉट कॉम पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को झांसा देता था और कस्टम अधिकारी बनकर मनी लांड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम ऐंठता था। पुलिस ने गैंग के कब्जे से बड़ी मात्रा में फर्जी कागजात, एटीएम कार्ड, मोबाइल, चैकबुक और नकदी बरामद की है।

एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार के अनुसार आरोपियों ने एक शिक्षिका को शादी डॉट कॉम पर फंसाकर 95 लाख रुपये की साइबर ठगी की थी। आरोपियों ने खुद को डॉक्टर और कस्टम अधिकारी बताकर महिला को महंगे तोहफों का झांसा दिया और फिर उसे मनी लांड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूली थी। इस मामले में इससे पहले भी एक महिला आरोपी कंसाम सुनीता निवासी मणिपुर और एक अन्य आरोपी नवी निवासी दिल्ली को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने गैंग के मुख्य सरगना चिनवेओके एनमनुएल कनु (नाइजीरिया निवासी), तथा उसकी सहयोगी संगीता और ममता दोनों नेपाल मूल की निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की तैयारी की है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 16 एटीएम कार्ड, 10 मोबाइल फोन, 3 पीओएस मशीन, 17 चैकबुक, 12 आधार कार्ड, 8 पैन कार्ड, 5 सिम कार्ड, 5 मेट्रो कार्ड और 50 हजार रुपये नकद बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरोह अब तक सौ से अधिक बैंक खाते खुलवा चुका है, जिन्हें साइबर धोखाधड़ी में इस्तेमाल किया जाता था।

सपा की टाइम ने बताया कि साइबर सेल की जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों के खिलाफ देश के 18 राज्यों में अब तक 37 से अधिक शिकायतें दर्ज हैं। इन राज्यों में कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, तेलंगाना, मणिपुर, झारखंड, बंगाल और पंजाब शामिल हैं

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत हत्या का आरोप

मुरादाबाद, अमृत विचार: जनपद रामपुर जिले के शहजाद मेघा नगला निवासी किसान सूरज सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रीमा राजपूत (22) की शादी डेढ़ साल पहले मूंढापांडे के घोंडा की मिलक निवासी अनिल कुमार के साथ की थी। अनिल अमरोहा के गजरौला में निजी फाइनेंस कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। पिता का आरोप है कि शादी के बाद से ही अनिल, उसके, मां और भाई व बहन दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। रीमा ने इसकी शिकायत अपने मां बाप से की। उन्होंने अनिल और उसके परिवार के लोगों को समझाया लेकिन उनके व्यवहार में कोई अंदर नहीं आया। गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी की मौत हो गई।

खैर की लकड़ी काटने में प्रधान समेत 15 नामजद

संवाददाता, निघासन

● मझगई रेंज के जंगल का मामला जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार: मझगई रेंज के जंगल से खैर की लकड़ी चोरी से काटने के मामले में बौधिया प्रधान समेत 15 लोगों को नामजद किया गया है। यह पूर्व प्रधान कभी बसपा के बाद भाजपा में एक मंत्री के बहुत नजदीकी बताए जाते हैं।

मझगई रेंज में बीते शनिवार की सुबह लुधौरी रेंज के रेंजर गजेन्द्र सिंह ने 160 बोटा खैर की लकड़ी एक ट्रक में पकड़ी थी। उसकी कीमत 10 लाख थी। रेंजर ने बताया कि सीतापुर निवासी जाकिर और सचिन को पहले ही गिरफ्तार कर चालान भेज दिया था। इस मामले की रेंजर ने मामले की जांच की। जांच में पाया गया कि बौधिया कलां के प्रधान मकसूद अली गुड्डू के घर के पास ट्रक को लोड कर तिरपाल डाला गया। उसके बाद शनिवार सुबह वह रवाना हुआ। लुधौरी रेंज के पास आते ही टीम ने उसे कब्जे में लिया। रेंजर ने बताया कि मौके पर जाकर मुद्दियों की पैमाइश की गई। 38 खैर के पेड़ काटे गए थे। रेंजर ने बताया कि प्रधान मकसूद अली पर पहले से ही कई मामले दर्ज हैं। आरोपी गुड्डू बसपा में एक नेता रहे उनके करीबी बताए जाते है। इस समय वह नेता भाजपा में मंत्री है। रेंजर ने बताया कि हरगांव के महेंद्र प्रताप, शिवरतन, तन्नू सिंह, पंकज राजापुर लखीमपुर, इस्लाम, दयाशंकर निवासी सिंगाही भिडौरा, नजरू निवासी छब्बा पुरवा थाना मझगई पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मोहम्मदी रोड पर कंटेनर युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक घायल हो गया। घायल युवक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। युवक की इलाज के दौरान मौत हो गयी। लखीमपुर खीरी जिले के उचौलिया थाना क्षेत्र के कस्बा उचौलिया निवासी 30 वर्षीय नीरु बुधवार की दोपहर उचौलिया बाजार में सब्जी खरीदने के लिए गया था। वह सब्जी लेकर पैदल अपने घर आ रहा था। रास्ते में सड़क पार करते समय कंटेनर उसे टक्कर मार दी, जिससे युवक घायल हो गया। घायल युवक को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

विधायक ने किया पेट्रोल पंप का आरंभ

दातागंज, अमृत विचार : दातागंज -बेलाड़ाडी वाया जैतीपुर -शाहजहांपुर मार्ग पर खुले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पेट्रोल पंप का विधायक राजीव कुमार सिंह ने फीता काट कर शुभारम्भ किया। पेट्रोल पंप स्वामी राजन गुप्ता ने विधायक को पटका पहनाकर सम्मानित किया । विधायक ने कहा कि क्षेत्र के लोगो को अब शुद्ध एवं पूरी माप तौल के साथ पेट्रोल एवं डीजल मिलेगा । इस दौरान चेयरमैन के पति अनूप गुप्ता, हेमचन्द्र गौतम, पप्पू गुप्ता, मुन्ना सिंह, हिमालय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

मंदिर में हुई रावण की विशेष पूजा अर्चना

बदायूं, अमृत विचार : अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में श्रद्धालुओं ने दरीबा मंदिर में दशहरा पर्व पर शिवभक्त रावण की पूजा। उनकी आरती उतारी और पूजन किया। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया। इस मौके पर अमन मयंक शर्मा, अलोक शर्मा, शिवकांत शर्मा, अजय शर्मा, शशिकान्त रावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सरकारी कार्यालयों और स्कूलों में मनाई गांधी जयंती

उसहैत, अमृत विचार : क्षेत्र में गांधी जयंती धूमधाम से मनाई गई। नगर पंचायत कार्यालय, थाना तथा स्कूलों में ध्वजारोहण किया गया। थाना परिसर में एसओ विक्रम सिंह ने समस्त पुलिस स्टाफ के साथ नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन नवाब हसन ने और स्कूलों में शिक्षकों ने ध्वजारोहण किया। वहीं ग्राम प्रधानों ने पंचायत घर पर ध्वजारोहण किया। उनके द्वारा महापुरुष महात्मा गांधी जी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए।

राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते डीएम अवनीश कुमार राय व अन्य। ● अमृत विचार

डीएलएड प्रशिक्षु बालिकाओं को सम्मानित करते डीएम। ● अमृत विचार

एसएसपी ने पुलिस लाइन में की शस्त्रों की पूजा

बदायूं, अमृत विचार : विजयादशमी पर एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने रिजर्व पुलिस लाइन के क्वार्टर गार्द पर शस्त्र पूजन किया। कहा कि दशहरे की शस्त्र-पूजा स्मरण कराती है कि सुरक्षा जीवन का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, सीओ उझानी व लाइन डॉ. देवेंद्र कुमार, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे।

शस्त्र पूजन करते एसएसपी व एसपी देहात।

जिले भर में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की मनाई जयंती

कलेक्ट्रेट में डीएम ने किया ध्वजारोहण, सरकारी कार्यालयों में महापुरुषों की प्रतिमा को किया नमन, शिक्षक संस्थानों में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सरकारी कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में ध्वजारोहण किया गया। कलेक्ट्रेट में डीएम अवनीश कुमार राय और विकास भवन में सीडीओ केशव कुमार ने ध्वजारोहण किया। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने गांधी जी व शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किए। साथ ही उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं जयंती व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की 121वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर महापुरुषों को नमन किया। साथ ही विजयदशमी पर्व की जनपद वासियों को शुभकामनाएं दी। कहा कि यह पर्व अधर्म पर धर्म की विजय का पर्व है। सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं है। सत्य के पथ पर चलना जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। कार्यक्रम में डायट की डीएल एड प्रशिक्षु बालिकाओं ने राम धुन रघुपति राघव राजा राम व अन्य देशभक्ति गीत की मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुति दी। जिलाधिकारी ने उन्हें सम्मानित भी किया। वहीं अपर जिलाधिकारी वित्त वैभव शर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार, नगर मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ कोषाधिकारी व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने का जनपद वासियों से आह्वान किया।

महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री को नमन करते एडीएम प्रशासन अरुण कुमार।

स्कूल-कॉलेजों में नशा मुक्ति की ली शपथ

बदायूं, अमृत विचार : राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर स्कूल-कॉलेजों में भी कार्यक्रम हुए। प्रभात फेरी निकली। छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

बदायूं शहर के पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में प्रभात फेरी निकली। प्रधानाचार्य अल्पना कुमार ने ध्वजारोहण किया। सभी धर्म पाठ, राष्ट्रपिता के प्रिय भजन व रामधुन सुनाया गया। प्रधानाचार्य ने छात्राओं को स्टाफ को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई। इसके बाद पौधारोपण हुआ। पंजाबी चौक स्थित श्री गुरुनानक जूनियर हाईस्कूल में जन्मदिवस धूमधाम से मनाया। प्रधानाचार्य नीलम अग्रवाल ने बच्चों को महापुरुषों के बारे में बताया। स्कूल की उपाध्यक्ष वीना कोचर ने संदेशों से अवगत कराया। बदायूं क्लब के सभागार में कार्यक्रम के बाद सदस्यों ने गुरुकुल में छात्रों को फल वितरित किए। क्लब के सचिव डॉ. अक्षत अशेष ने कहा कि दो अक्टूबर को दोनों महान विभूतियों का जन्मदिवस है। जिन्होंने हमेशा सेवा भाव का मार्ग चुना। क्लब के उपाध्यक्ष डॉ. एसके गुप्ता, सांस्कृतिक सचिव रविन्द्र मोहन सक्सेना, जनसंपर्क सचिव मनीष सिंहल, राजीव नारायण रायजादा, सदस्य नरेश चन्द्र शंखधार उपस्थित रहे। मदर्स पब्लिक स्कूल में प्रधानाचार्य शीबा खान व उप प्रधानाचार्य डॉ. दीपशिखा पंत ने ध्वजारोहण किया। छात्राओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता के संदेश पर आधारित कविताएं, भाषण, नाटक प्रस्तुत किए। आसपास के गांवों में स्वच्छता रैली निकाली और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सफाई रखने को प्रेरित किया। विद्यालय में पौधरोपण हुआ। बीएसए कार्यालय में प्रभारी बीएसए दिलीप कुमार ने ध्वजारोहण और पौधारोपण किया। रघुपति राघव राजाराम गया। नशामुक्ति की शपथ दिलाई। मनोज कुमार, गौरव यादव, राजेश्वरी राजपूत, अतीक अहमद, वली अहमद राकेश यादव, सुदेश चंद्र, रामदास यादव, ज्योति सक्सेना, कृष्ण कुमार, प्रगति सक्सेना, नरेश कुमार, शैली नारंग आदि शामिल हुए।

बीएसए कार्यालय में नशा मुक्ति की शपथ दिलाते प्रभारी बीएसए दिलीप कुमार।

कार्यक्रम के दौरान बदायूं क्लब में मौजूद सदस्य। ● अमृत विचार

थाने और परिषदीय विद्यालयों में दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एसएसपी ने राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। थानों में भी सीओ और प्रभारियों ने माल्यार्पण किया।

वहीं विकास क्षेत्र सहसवान के परिषदीय विद्यालयों में कार्यक्रम हुए। गांव रामपुरा ऐनुद्दीन, समसपुर बल्लू, छोकरपुर, कोल्हाई, मुजरिया, रफी नगर और मुरसान में बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कृत किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय समसपुर बल्लू में ग्राम प्रधान श्यौराज सिंह, एसएमसी अध्यक्ष दुर्वेश कुमार और प्रधानाध्यापक राजन यादव ने शत प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

राजकीय महाविद्यालय में पुष्पांजलि अर्पित करके सर्वधर्म का भजन, स्वच्छता अभियान, विचार गोष्ठी के साथ नशा मुक्त भारत के लिए शपथ ली गई।

चित्र पर पुष्प अर्पित करते एसएसपी।

विधायक ने जयंती पर महापुरुषों को किया याद

दातागंज ,अमृत विचार : गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। महापुरुषों की जयंती के अवसर पर नगर पालिका परिषद में चेयरमैन नैना गुप्ता एवं अधिशासी अधिकारी विकास आनंद ने सभासद व कार्यालय के कर्मचारी के साथ झंडा फहराया गया । कार्यक्रम में उपस्थित रहे क्षेत्रीय विधायक राजीव कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किए। पश्चात 156 घंटे में सफाई अभियान में अच्छा कार्य करने वाले सफाई मित्रों को प्रशिस्त-पत्र देकर सम्मानित किया गया । नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सफाई अभियान चलाकर 156 घंटे का सफाई अभियान का समापन किया गया। वही अस्पताल में भर्ती मरीजो को विधायक राजीव कुमार सिंह एवं चेयरमैन नैना गुप्ता के पति अनूप गुप्ता फल बांटे।

चित्र पर पुष्प अर्पित करते विधायक।

शिक्षण संस्थानों में हर्षोल्लास से मनाई जयंती

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार: नगर के शिक्षण संस्थानों में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शिक्षकों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही ध्वजारोहण किया।

बाबा इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यालय चेयरमैन नरेन्द्र बाबू वार्ष्णेय, विद्यालय डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय व विद्यालय प्रधानाचार्य रूपा माहेश्वरी ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्रों का अनावरण कर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित किए। साथ ही उनके बताए गए मार्ग पर चलने का आवाहन किया। कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासक अमित माहेश्वरी एवं समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। वहीं फ्यूचर लीडर्स स्कूल में गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती का उत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। विद्यालय के डायरेक्टर, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद शिक्षकों ने गांधी जी और शास्त्री जी की प्रतिमाओं पुष्प अर्पित किए। साथ ही महापुरुषों के जीवन, सिद्धांतों तथा सादगीपूर्ण व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जूनियर कॉर्डिनेटर परमेंद्र सिंह, प्राइमरी कॉर्डिनेटर केशव शर्मा, मुनीश शर्मा और पारस चंद्र आदि उपस्थित रहे।

गांधी और शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते शिक्षक। ● अमृत विचार

बिल्सी में धूमधाम से मनाई गई जंयती

बिल्सी, अमृत विचार : नगर पालिका परिषद कार्यालय पर विधायक हरीश शाक्य एवं चैयरमेन ज्ञानदेवी के पालिका सदस्यों के साथ गांधी और शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। चैयरमेन पति ओमप्रकाश सागर आदि मौजूद रहे। बाबा इंटरनेशनल स्कूल में डायरेक्टर अनुज वार्ष्णेय एवं चैयरमेन नरेंद्र बाबू वाष्णेय ने दोनों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रधानाचार्या रुपा माहेश्वरी, प्रशासक अमित माहेश्वरी समेत समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कोतवाली में कोतवाल मनोज कुमार सिंह एवं तहसील में एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने भी गांधी जी और शास्त्री जी को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा नेता विवेक राठी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और शास्त्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

शेखूपुर चीनी मिल में बनेगा किसान भवन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शासन से मिली स्वीकृति, जल्द शुरू कराया जाएगा निर्माण

अमृत विचार : दि सहकारी चीनी मिल शेखूपुर परिसर में किसान भवन का निर्माण कराया जाएगा। किसान भवन में गन्ना किसान बैठक कर विभिन्न मुद्दो पर चर्चा कर सकेंगे । साथ जिले भर से गन्ना लेकर आने वाले किसान इसमें आराम कर सकेंगे। किसान भवन पुलिस चौकी के निकट किया जाएगा।

शेखूपुर चीनी मिल सहकारिता विभाग का है। चीनी मिल में हर साल गन्ना किसानों को विभिन्न तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। किसानों को बैठने की जगह नहीं है। गन्ना किसानों को रात को ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए मिल प्रशासन को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मिल प्रशासन ने शासन से किसान भवन निर्माण की स्वीकृति मांगी थी। जो अब मिल चुकी है। मिल प्रशासन की ओर से गुरुवार को बताया गया कि गन्ना किसानों को अब किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। किसानों को बैठने को किसान भवन का निर्माण कराया जाएगा। यह किसान भवन पुलिस चौकी के पीछे बनाया जाएगा। मिल के प्रशासनिक वरिष्ठ लिपिक सर्वेश कुमार ने बताया कि किसान भवन का नक्शा तैयार किया जा रहा है। करीब एक हजार वर्ग फीट में तैयार होने वाले किसान भवन का निर्माण किसी संस्था द्वारा कराया जाएगा।

मनी अरोरा बनी चीनी मिल की जीएम

बदायूं, अमृत विचार : शेखूपुर चीनी मिल की महाप्रबंधक की कुर्सी पर मनी अरोरा की तैनाती की गयी है। मनी अरोरा ने मिल परिसर का भ्रमण कर पुरानी मशीनों को देखा।मिल परिसर को साफ करने के निर्देश दिए।

गुरुवार को जीएम मनी अरोड़ा ने बताया कि मिल का ट्रायल अक्टूबर के अंत में किया जाएगा। यदि कोई कमी नजर आती है तो उसे ठीक कर मिल में गन्ना पेराई सत्र शुरू कर दिया जाएगा।

धान, मक्का और बाजरा की खरीद आज से शुरू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- धान खरीद के लिए विपणन विभाग को मिला है 37 हजार एमटी का लक्ष्य
- धान खरीद को लेकर विपणन विभाग की ओर से कर रहीं हैं सारी तैयारी

> 3 अक्टूबर से धान और बाजरा, मक्का की खरीद शुरू हो रही है। सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। क्रय केंद्र प्रभारियों को शासन की मंशा के अनुसार खरीद करने के आदेश दिए हैं।
> – अतुल कुमार वशिष्ठ, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी

अमृत विचार: जिले में 37 क्रय केंद्रों पर शुक्रवार से धान खरीद हो जाएगी। धान के साथ ही मक्का, बाजरा भी खरीदा जाएगा। मक्का के लिए चार और बाजरा के लिए 16 क्रय बनाए गए हैं। मोटे अनाज और धान की खरीद को लेकर विपणन विभाग की ओर से सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। विपणन अधिकारी ने सभी क्रय केंद्र प्रभारियों को शासन की मंशा के अनुसार ही खरीद करने के आदेश दिए हैं।

जिले में धान खरीद के लिए 37 क्रय केंद्र खोले गए हैं। जिसमें खाद्य एवं विपणन विभाग, पीसीएफ, यूपीएसएस और पीसीयू एजेंसी को नामित किया गया है। शासन की ओर से विपणन विभाग को इस वर्ष धान खरीद का लक्ष्य 37 हजार मीट्रिक टन तय किया गया, जबकि बीते वर्ष यह 45 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया था। धान खरीद के लिए शासन की ओर से समर्थन मूल्य 2,360 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। वहीं ग्रेड ए का धान मूल्य 2,389 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया। धान के साथ साथ मक्का की खरीद के लिए भी 4 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहीं बाजरा की खरीद के लिए 16 क्रय केंद्र सभी तहसीलों और मंडियों में खोले गए हैं। धान की खरीद क्रय केंद्रों पर पंजीकृत किसानों से की जाएगी। अब तक धान की बिक्री करने के लिए करीब तीन सौ किसानों ने पंजीकरण कराया है।

समस्या

गंगा में ऊपर से नहीं आ रहा पानी बारिश ने बढ़ाई मुश्किल, उसहैत के तटवर्ती गांवों में पानी से बढ़ी गंदगी और कीचड़

बारिश होने से फिर बढ़ा खतरा, तटवर्ती इलाकों में पानी भरने से दिक्कत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : उसहैत के तटवर्ती इलाके में बाढ़ का पानी खत्म होने के बाद गंदगी और कीचड़ से जूझ रहे ग्रामीणों को बारिश होने के बाद फिर से संकट के बादल छाते दिख रहे हैं। कीचड़ और गंदगी से मच्छर पनप रहे हैं जिससे लोग संक्रमित होने लगे हैं। कहीं भी सफाई कर्मचारी नहीं दिख रहे हैं। गांवों में स्थिति बद से बदतर हो चुकी है।

दो दिन पूर्व हुई अचानक बारिश ने एक फिर लोगों को डरा दिया है। बाढ़ का पानी खत्म होने के बाद बारिश का पानी निचले इलाकों में भर गया है साथ ही नरौरा से भी अधिक पानी छोड़े जाने की आशंका जताई जा रही है। असमिया रफतपुर गांव में भारी कीचड़ है। जगह जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं जो लोगों को डंक मार कर बीमार कर रहे हैं। गांव में दो दर्जन से अधिक ग्रामीण बुखार से जूझ रहे हैं। इनमें छोटे बच्चों की संख्या भी अधिक है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कई माह से सफाई कर्मचारी नहीं आ रहा है जिससे नालियों में दूषित पानी भर चुका है। जो सड़ रहा है। गंदगी से मच्छर पनप रहे हैं। जटा गांव में भी बारिश का पानी भर जाने से लोगों में डर बना हुआ है। बाढ़ खत्म होने के बाद ग्रामीण किसी तरह जीवन यापन कर रहे हैं। लेकिन नरौरा बैराज से फिर अधिक पानी आने की आशंका के चलते ग्रामीणों में भय बना हुआ है। गांव के हरपाल ने बताया कि अब स्थिति बहुत दयनीय है। कहीं भी सफाई नहीं की गयी है जिससे गांव के बाहर गड्ढे में गंदा पानी भरा हुआ है। खेतों में पानी सूख चुका है लेकिन बाढ़ में वह कर आया मलबा अभी भी पड़ा है। जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही है। प्रेमी नगला गांव के करीब आठ मकान गंगा में समा चुके हैं। जिससे कई लोग खुले आसमान के नीचे रातें गुजार रहे हैं। कुछ ग्रामीणों ने झोपड़ी बना ली है जबकि कुछ ने पन्नी तान कर वसेरा बनाया है। लेकिन गंदगी के चलते अब बीमारियां फैलाना शुरू हो चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी तरह की मदद नहीं मिल रही है। जगह जगह झोलाछापों की दुकानें चल रही हैं। बीमार लोगों को आने जाने के लिए सड़कें भी नहीं हैं।

असमिया रफतपुर में गांव में भरी कीचड़। ● अमृत विचार

उसहैत क्षेत्र के तटबंधों से हटाए ग्रामीण

उसहैत क्षेत्र में पिछले माह आयी भीषण बाढ़ के समय दर्जनों ग्रामीण बांधों पर पहुंच गए थे। वहीं पर पन्नी तान कर रहने लगे। अब बाढ़ खत्म हो चुकी है। लेकिन कुछ ग्रामीण अभी भी बांध पर डटे हुए हैं। गुरुवार को बाढ़ खंड कर्मचारियों ने उन लोगों को हटा दिया। कहा कि अब बांध की मरम्मत की जाएगी इसलिए वह लोग अपने गांवों को चले जाएं। ग्रामीणों ने बांध को खाली करना शुरू कर दिया है। उम्मीद जतायी जा रही है दो दिन में सभी लोग अपने घरों को चले जाएंगे। जिसके बाद बांध की मरम्मत की जाएगी। जटा गांव के लोग पहले ही अपने घरों को लौट चुके हैं। रामगंगा क्षेत्र के हजरत पुर गांव के आसपास पानी सूख चुका है। गढ़िया रंगीन को जाने वाली सड़क पर भी पानी नही है। सड़क जर्जर स्थिति में है। हजरतपुर के ग्रामीणों ने दातागंज तहसील प्रशासन से मांग की है कि सड़क की मरम्मत जल्द कराई जाए जिससे इस रोड पर वाहनों का आवागमन शुरू हो सके। पिपरा और रसूलपुर के बीच जहां पानी भरा था वहां अब सूखा मैदान दिख रहा है। दूर दूर तक फसलें नहीं हैं। संपर्क मार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो चुके है जिससे गांव से दूसरे गांव का संपर्क टूट गया है।

बाढ़ से जर्जर हुए कई रोड दोबारा बनवाने की मांग

संवाददाता, उसहैत

अमृत विचार : पिछले माह आई बाढ़ की वजह से क्षेत्र के दर्जनों गांव प्रभावित हुए हैं। गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग टूट गए हैं। उनमें गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं। ऐसा ही हाल गांव के अंदर बने सीसी रोड का है। टूटी सड़कों पर लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। लोगों ने बाढ़ से टूटी सड़कों को सही कराने की मांग प्रशासन से की है।

पिछले दिनों गंगा रामगंगा नदी में आई बाढ़ की वजह से क्षेत्र के बेहटी, बछौरा, असमिया रफतपुर, जटा,प्रेमी नगला ,रैपुरा सहित अन्य कई गांव प्रभावित हुए थे। बाढ़ की वजह से गांवों का संपर्क मार्ग टूट गया था। साथ ही कई लोगों का नुकसान हुआ था। सरकारी संपत्ति भी क्षतिग्रस्त हुई थी। बाढ़ जाने के बाद लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ की वजह से बेहटी, बछौरा, असमिया रफतपुर, जटा, प्रेमी नगला, रैपुरा गांव के मुख्य मार्ग टूट गए हैं। इन टूटी सड़कों पर लोगों का चलना मुश्किल हो रहा है। लोगों ने इन सड़कों के दोबारा निर्माण की मांग प्रशासन की है।

बाढ़ टूटा गांव का रोड।

न्यूज ब्रीफ

विद्यालय में मनाया विजयदशमी का त्योहार

बदायूं, अमृत विचार : शहर के श्री गुरुनानक जूनियर हाईस्कूल में विजय दशमी के पर्व मनाया गया। इस दौरान इस दौरान स्कूली बच्चों ने रावण का पुतला दहन किया। दशहरा पूर्व से पूर्व बच्चों ने शिक्षकों के साथ गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों ने अपने विचार व्यक्त किए। तथा गांधी जयंती व दशहरा पर्व के महत्व से बच्चों को अवगत कराया। गांधी जयंती के उपरांत बच्चों ने रावण के पुतले को दहन किया। इस मौके पर सरला यादव, सोनम सक्सेना, विद्यालय के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार गुरदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

बंद मकान में लगी आग सामान जला

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के गांव जरसैनी में गुरुवार शाम एक बंद मकान में आग लग गई। मकान में आग की लपटें उठने लगी। जिन्हें देखकर आसपास के लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। जब तक आग पर लोग काबू पाते तब तक घर में रखा सारा सामान आग में जलकर राख हो गया। गांव निवासी रोशन नाथ अपनी पत्नी दुलारो देवी और नाती अनुज के साथ 29 सितंबर को घर में ताला लगाकर अपनी बहन के घर सोरों (कासगंज) गए थे। बंद मकान में गुरुवार शाम अचानक से आग लग गई। कुछ देर बाद मकान से आग की तेज लपटे उठने लगी जैसे ही जानकारी गांव के लोगों को लगी तो सभी लोग पहुंचे। रोशन नाथ को मकान में आग लगने की जानकारी दी। आग से फ्रिज, चारपाई, अनाज आदि जल गया।

आसिम उमर बने भाकियू चढूनी के प्रदेश सचिव

बदायूं, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन चढूनी ने उझानी निवासी आसिम उमर की संगठन के प्रति आस्था व कर्मठता को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष सरदार भूपेंद्र सिंह गिल द्वारा राष्ट्रीय महासचिव मास्टर मनोज नागर की संतुति पर आसिम उमर को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने पदाधिकारियों के साथ उझानी स्थित जिला प्रवक्ता कृष्ण अवतार शाक्य के आवास पर प्रदेश सचिव आसिम उमर का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी बीयुशू दास, सदर नगर अध्यक्ष शरीफ़ अब्बासी, नूरुद्दीन, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम ने रावण का किया वध

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया विजयदशमी, लगाए जय श्रीराम के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

दशहरे मेले में रावण का पुतला किया दहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार विजयदशमी गुरुवार को जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह के समय मौसम ने लोगों के उत्साह में व्यवधान जरूर डाला था। इससे लोग मायूस हो उठे थे, लेकिन कुछ देर बाद मौसम साफ होने पर उनके चेहरे पर त्योहार को लेकर उत्साह की रंगत फिर से लौट आई। विजयादशी त्योहार पर शहर व कस्बों में रावण दहन को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहा। श्रीराम के बाण से अहंकारी रावण का वध होते ही जय श्रीराम के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो गया। वहीं रावण वध के साक्षी सदर विधायक महेश गुप्ता, डीएम अवनीश कुमार राय और एसएसपी डॉ बृजेश कुमार सिंह बने। दशहरे पर लगे मेलों में काफी भीड़ पहुंची। लोगों ने खूब खरीदारी की।

विजयादशमी पर्व पर मौसम खराब रहा। सुबह के समय अचानक से आसमान में काले बादल छाए गए, और देखते ही देखते बारिश होने लगी। करीब आधा घंटे तक रिमझिम बारिश होती रही। मौसम खराब होने से रावण दहन की तैयारी में जुटे लोगों की खुशियों पर विराम लग गया। लोगों के चेहरे से खुशी गायब हो गई, लेकिन कुछ ही देर बाद मौसम साफ हो गया। दिन भर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन बारिश नहीं हुई। मौसम साफ होती ही लोग दुगने उत्साह से त्योहार मनाने की तैयारी में जुट गए। शाम को श्री रामलीला महोत्सव कमेटी के तत्वावधान में गांधी ग्राउंड पर दशहरा के अवसर पर पुतला दहन कार्यक्रम हुआ, जिसे देखने के लिए शाम से ही यहां लोग जुटने लगे थे। पुतला दहन के समय तक मैदान पर पैर रखने को भी जगह नहीं बची थी। शाम साढ़े छह बजे रामलीला का मंचन मेला परिसर में शुरू हुआ। यहां भगवान राम और रावण की सेना आमने सामने युद्ध के लिए तैयार थीं। प्रभु श्री राम ने विभीषण को एक बार फिर रावण को समझाने के लिए भेजा, लेकिन रावण ने माता सीता को लौटाने से इंकार कर दिया। इसके बाद भगवान राम, लक्ष्मण और हनुमान को मेघनाथ से युद्ध के लिए भेजते हैं।

रणभूमि में मेघनाद और लक्ष्मण का भीषण युद्ध होता है। घनघोर युद्ध के बाद लक्ष्मण मेघनाद का वध कर देते हैं। रावण को जब मेघनाद की मृत्यु का समाचार मिला तो वह क्रोधित होकर रणभूमि में पहुंच गया। इसके बाद भगवान राम और रावण का भीषण युद्ध होता है। रावण अपनी माया से भगवान राम का ध्यान भटकाना चाहता है, लेकिन प्रभुराम उसकी हर माया का खंडन कर देते हैं। इसके बाद विभीषण के कहने पर प्रभु राम ने रावण की नाभि पर वार किया। एक ही बाण ने रावण के प्राण हर लिए। रावण का वध होते ही भगवान राम के जयकारे गूंजने लगे। रावण के वध के बाद मेला परिसर में लगे मेघनाद और रावण के पुतलों का दहन किया गया। पुतला दहन के बाद आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। आसमान रंग बिरंगी आतिशबाजी से चमकने लगा, जिसे देखने वाले मंत्रमुग्ध हो गए।

मनरेगा मजदूरों की नहीं हो सकी फेस रिडिंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● फेस रीडिंग के बाद ही कार्यस्थल पर मजदूरों की की मानी जाएगी उपस्थिति

अमृत विचार : मनरेगा योजना में श्रमिकों की फर्जी हाजिरी के खेल पर लगाम लगाने के लिए कार्यस्थलों पर शासन की ओर से फेस रीडिंग की व्यवस्था शुरू की है। साथ ही सक्रिय जॉब कार्ड धारकों की ई-केवाईसी कराने के आदेश दिए थे। यह कार्य 30 सितंबर तक पूरा होना था। लेकिन लापरवाही का आलम यह रहा कि अब तक मात्र 10 प्रतिशत ही श्रमिकों की ई-केवाईसी हो पाई है।

जिले में 2.38 लाख जॉब कार्ड धारक हैं। इनमें से कुल 1.15 लाख जॉब कार्ड धारक ही सक्रिय हैं। सरकार की ओर से गांवों में अधिक से अधिक श्रमिकों को 100 दिन का रोजगार देने का प्रयास किया जा रहा है। गांवों में मनरेगा योजना के तहत कराए जाने वाले कार्य में मजदूरों की हाजिरी में खेल किया जाता रहा है। उनकी फर्जी हाजिरी लगाकर धनराशि निकाली जाती है। इसी खेल पर लगाम लगाने के लिए शासन स्तर से फेस रीडिंग से हाजिरी के लिए शत प्रतिशत जॉब कार्ड धारकों की ई केवाईसी कराने के आदेश दिए गए थे। इसके लिए शासन की ओर से आधार फेस आरडी एप भी लॉन्च किया गया है। इसी एप के माध्यम से 30 सितंबर तक शत प्रतिशत ई केवाईसी करने के आदेश दिए गए थे। केवाईसी कराने के बाद श्रमिकों की फेस रीडिंग से हाजिरी लगनी शुरू जाएगी। साथ ही कार्य स्थल पर एप के माध्यम से श्रमिक की फोटो लेकर अपलोड की जानी है। यदि ई केवाईसी नहीं कराई गई तो श्रमिक की हाजिरी नहीं लग सकेगी।

ऐसा होने पर उसे मजदूरी भी नहीं मिलेगी। लेकिन इस कार्य में जिम्मेदारों के द्वारा लापरवाही बरती गई है। अब तक मात्र 10 प्रतिशत जॉब कार्ड धारकों की ही ई-केवाईसी हो पाई है। 90 प्रतिशत जॉब कार्ड धारक ई-केवाईसी से वंचित हैं। ऐसे में ई-केवाईसी न कराने वाले श्रमिकों का मनरेगा योजना के तहत काम मिलना मुश्किल होगा। जिसके कारण जिले में काम की रफ्तार भी धीमी हो जाएगी।

> मनरेगा मजदूरों की कार्यस्थल पर फेस रीडिंग हाजिरी लगेगी। इसके लिए श्रमिकों की ई-केवाईसी करवाई गई। इस कार्य को तीस सितंबर तक पूरा किया जाना था। अभी बहुत से श्रमिकों की ई-केवाईसी नहीं हो सकी है। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों कर्मचारियों से जवाब मांगा जाएगा।
> – **अखिलेश चौबे**, उपायुक्त मनरेगा

शादी के दो दिन पहले प्रेमी के साथ गई युवती एफआईआर दर्ज

विजय नगला, अमृत विचार : मूसाझाग थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तहरीर देकर बताया कि उसकी 18 साल की बेटी को गांव के ही दूसरे समुदाय के युवक के बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। युवती को अपने पक्ष में कर लिया। वह युवती कोई कई बार ले गया। पुलिस की मदद से युवती को तलाश कर लिया गया था। जिसके चलते महिला ने बेटी की शादी तय कर दी थी। दो अक्टूबर को शादी होनी थी। शादी की सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं। टेंट से लेकर हलवाई तक की बुकिंग कर दी। लेकिन शादी से दो दिन पहले ही युवती को युवक फिर से बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया। युवती की मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पतंजलि योग परिवार ने घर-घर जाकर दिए निमंत्रण

बदायूं, अमृत विचार: पतंजलि योग परिवार के तत्वावधान में 5 अक्टूबर से ऑडिटोरियम में सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन शुरू हो रहा है। सम्मेलन की सफलता के लिए संगठन के राज्य प्रभारी सुनील शास्त्री एवं पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी दयाशंकर आर्य ने गुरुवार को घर -घर जाकर योग करने वालों को आमंत्रित किया।

आमंत्रण पत्र वितरण के दौरान योग गुरु गिरधारी राठौर, आवेश कुमार और सुनील शास्त्री ने कार्यकर्ताओं को बताया कि सम्मेलन के मुख्य अतिथि पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केंद्रीय प्रभारी एवं स्वामी रामदेव के परम शिष्य राकेश होंगे। इसके साथ ही सम्मेलन में स्वामी रामदेव भी ऑनलाइन जुडेंगे। उनके कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है रामलीला मेला

संवाददाता, बिल्सी

● कलाकारों ने कैकेई और मंथरा संवाद का किया मंचन

अमृत विचार : मोहल्ला संख्या छह स्थित रामलीला मैदान पर गौशाला रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित मेले के मंच पर बुधवार की रात भाजपा नेत्री ममता शाक्य ने भगवान राम की आरती कर आशीर्वाद लिया । साथ ही कमेटी द्वारा उन्हे प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। भाजपा नेत्री ने मेला का महत्व बताते हुए कहा कि रामलीला मेला भगवान राम की जीवन कहानी को दर्शाता है, जो हमें अच्छे मूल्यों और नैतिकता की शिक्षा देता है। इसके अलावा रामलीला मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। साथ ही रामलीला मेला सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है और लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने में मदद करता है। इसके बाद वृंदावन से आए कलाकारों ने कैकेयी और मंथरा का संवाद लीला का मंचन पेश किया। मंथरा कैकई को समझाती है कि यदि भगवान राम राजा बनते हैं, तो भरत की स्थिति खतरे में पड़ जाएगी। वह कैकई को यह विश्वास दिलाती है कि राजा दशरथ ने उसे दो वरदान दिए थे, जिनका उपयोग वह भरत के लिए कर सकती है। मंचन के दौरान प्रबंधक विनोद पालीवाल, पूर्ति अधिकारी एसपी शाक्य, उमेश चंद्र गुप्ता, अजीत सिंह गुर्जर, विवेक राठी, संजीव वार्ष्णेय, आदित्य माहेश्वरी, प्रखर माहेश्वरी, जितेंद्र वार्ष्णेय, पीडी सिंह, डा. अरविंद शाक्य, डा. श्रीकृष्ण गुप्ता, पुरुषोत्तम शाक्य, शिवकुमार, बनवारी लाल मौर्य, ओमवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

बिसौली सीएचसी प्रभारी ने की वीपीएम की शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : सीएचसी बिसौली के प्रभारी डॉ. पंकज शर्मा ने गुरुवार को सीएमओ डा. रामेश्वर मिश्रा को भेजे पत्र में कहा है कि बिसौली अस्पताल पर वीपीएम कौशल शर्मा की मनमानी से स्वास्थ्य कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कौशल शर्मा द्वारा कई बार फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने की सूचना मिली है जिसकी जानकारी सीएमओ कार्यालय को दी जा चुकी है। डा. पंकज शर्मा ने कहा कि यदि कौशल शर्मा के खिलाफ कार्यवाही नही की गयी तो वह यहां पर काम करने की स्थिति में नहीं हैं। डा. पंकज शर्मा का आरोप है कि वीपीएम एक षड्यंत्रकारी व्यक्ति है जो कभी भी किसी झूठे मामले में फंसा सकता है। कृपया इसकी जांच कर कार्यवाही की जाए।

भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ कांग्रेस पदाधिकारियों ने किया धरना-प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भाजपा प्रवक्ता द्वारा राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने के विरोध में कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। कहा कि भाजपा राहुल गांधी की हत्या कराने की साजिश रच रही है। ऐसे अपराधी को पार्टी से निकाला जाए और उसके खिलाफ कार्रवाई करके राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाई जाए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने कहा कि भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव ने एक डिबेट में राहुल गांधी को धमकी दी थी। जिसके विरोध में डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क में धरना दिया गया। प्रवक्ता के बयान को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। इसे भाजपा की रणनीति बताया। कहा कि यह विपक्ष को डराने और हिंसा की राजनीति को बढ़ावा देने का प्रयास है। जिस तरह महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या हुई थी, उसी तरह अब राहुल गांधी को भी निशाना बनाए जाने की साजिश हो रही है। जिला उपाध्यक्ष बफाती मियां, दीपक मिश्रा, अनिल यादव हुकुम सिंह, आलोक सिंह, सलीम अंसारी, नवनीत यादव, कार्तिक रघुवंशी, राजीव पटेल आदि शामिल रहे।

कांग्रेसियों ने भाजपा प्रवक्ता का जलाया पुतला

बदायूं, अमृत विचार : टीवी डिबेट में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के प्रति टिप्पणी किए जाने से आहत कांग्रेसजनों लावेला चौक पर भाजपा प्रवक्ता का पुतला फुंका। साथ ही नारेबाजी की। एक टीवी चैनल पर हुई डिबेट में भाजपा प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कांग्रेस के महासचिव राहुल गांधी को लेकर टिप्पणी की थी। टिप्पणी पर आक्रोशित कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका है। पार्टी कार्यकर्ता कैंप कार्यालय पर एकत्रित हुए। यहां भाजपा प्रवक्ता का पुतला तैयार किया। पुतला तैयार पार्टी के नेता जितेंद्र कश्यप और ओमकार सिंह के साथ लावेला चौक पहुंचे। इसके बाद उसमें आग लगा दी। साथ ही नारेबाजी की। इस मौके पर शहर उपाध्यक्ष वसीम अली खां, महेश पाल शर्मा, मोहम्मद जाहिद सिद्दीकी, अशोक कुमार कश्यप, रामेंद्र सिंह, लाल प्रताप, मनोज कुमार, विश्वजीत सिंह आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गंगा समिति ने सोत नदी किनारे चलाया स्वच्छता अभियान

नदी को साफ स्वच्छ रखने को प्रेरित करते लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सोत नदी के किनारे स्थित एसकेएलएम पब्लिक स्कूल में जिला गंगा समिति द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत वन वन विभाग के तत्वाधान में डीएफओ निधि चौहान व डीपीओ अनुज प्रताप सिंह के निर्देशन में आरटीएम सोसायटी फॉर सोशल डेवलपमेंट के सहयोग से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सोत नदी व गंगा और उनकी सहायक नदियों के प्रति स्वच्छता बनाए रखना था। छात्र-छात्राओं के बीच विभिन्न प्रकार की जागरुकता गतिविधियों के माध्यम से गंगा को साफ करने पर चर्चा की गई। विद्यालय के डायरेक्टर पीडी सिंह , आरटीएम समिति की डायरेक्टर निदा तनवीर, रफत, आमिर खान, अहमद रजा कोऑर्डिनेटर उपदेश कुमार, वीना सिंह, रंजीत सिंह मौजूद रहे।

अस्पताल के संचालक पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● स्वास्थ्य विभाग करेगा जांच बिना कागजों के कैसे चल रहा था अस्पताल

अमृत विचार : बिना कागजात के चल रहे अस्पताल को सील करने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उनके संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही विभाग अब जांच करेगा कि बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल कैसे चल रहा था। यह कार्यवाही जिला प्रशासन की सख्ती के बाद की गयी है जिससे झोलाडापों में हड़कंप मचा हुआ है।

पिछले दिनों नवादा स्थित एक प्राइवेट अस्पताल की शिकायत सीएमओ कार्यालय पर की गयी थी। सीएमओ कार्यालय की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गयी जिसके बाद जिला प्रशासन को पत्र लिख कर अवगत कराया गया। डीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ को निर्देशित किया कि उक्त अस्पताल की जांच की जाए। सीएमओ डा. रामेश्वर मिश्रा के निर्देश पर बनी टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। और फिर अस्पताल संचालक के खिलाफ बुधवार शाम को रिपोर्ट दर्ज करा दी गयी। सीएमओ कार्यालय के एक जिम्मेदार अधिकारी ने बताया कि उक्त अस्पताल संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी गयी है और अब स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रकरण की जांच करेगा। कि आखिर बिना रजिस्ट्रेशन के अस्पताल किसकी शह पर चल रहा था। बताया कि अस्पताल संचालक ने किसी दूसरे के नाम से कागज दिए थे जो फर्जी निकले। इसलिए उसके खिलाफ सख्ती की गई है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रामेश्वर मिश्रा ने कहा कि मेन रोड पर करोड़ों की लागत से तैयार की गयी बिल्डिंग में अस्पताल धड़ल्ले से चल रहा था। इसकी जांच की जा रही है।

शहर के कुछ और निजी अस्पताल निशाने पर

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया है कि अब निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही बड़े स्तर पर की जाएगी। इसमें शहर के कुछ बड़े अस्पतालों को चिन्हित किया गया है। लेकिन यह कार्यवाही बेहद गोपनीय तरीके से की जाएगी। अस्पताल संचालकों को इसकी भनक नहीं लगने दी जाएगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि कार्यवाही से पहले कुछ कहना ठीक नही है। करीब दर्जन भर निजी अस्पताल रडार पर हैं। जहां अभी तक किसी तरह की जांच पड़ताल नहीं की गई है।

नगर पालिका में सफाईकर्मियों को किया गया पुरस्कृत

नगर पालिका कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण करते मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सदर नगर पालिका कार्यालय में गांधी व शास्त्री की जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री आबिद रजा, चेयरपर्सन फात्मा रजा, ईओ विनय कुमार मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए लोगों ने संकल्प लिया। एक कर्मचारी का विनियमितीकरण हुआ। रुका हुआ वेतन निकालने की घोषणा हुई। सभासद अनवर खां, प्रेमलता सिंह, अबरार, कर निर्धारण अधिकारी चन्द्र भूषण, जेई निर्माण सूर्य प्रताप सिंह, कार्यालय अधीक्षक खालिद अली, खाद्य निरीक्षक केशव गंगवार, निर्माण लिपिक सचिन सवसेना आदि उपस्थित रहे।

गायत्री महायज्ञ में दूर-दराज के श्रद्धालु हुए शामिल

बिनावर/विजय नगला, अमृत विचार : बिनावर क्षेत्र के गांव नवलपुर के शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित गायत्री महायज्ञ ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिकता और वैदिक संस्कृति की आभा से आलोकित कर दिया। इस महायज्ञ में दूर-दराज के गांवों से भारी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए और गायत्री मंत्र एवं महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां समर्पित कर राष्ट्र की उन्नति, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और लोककल्याण की कामना की।

गायत्री परिवार के संजीव कुमार शर्मा, शिक्षक प्रेमपाल शाक्य, मुख्य यजमान डा. राजेश कुमार शाक्य, डा. पूनम रानी, धनपाल शाक्य, सूरज पाल, सचिन मौर्य, गिरीश मौर्य, अनिल मौर्य आदि मौजूद रहे।

सख्ती शहर और कस्बों से लेकर गांवों में धड़ल्ले से चल रहे अवैध प्राइवेट अस्पताल

टीम गठित, जनपद में बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चलेंगे अस्पताल

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● पनवादा के अवैध अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई के बाद शुरू हुआ अभियान

अमृत विचार : जनपद में अवैध रूप से चलने वाले निजी अस्पतालों का मकड़जाल अब खत्म किया जाएगा। नवादा के प्राइवेट अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने एक बार फिर झोलाछापों के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही हे। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान के लिए टीम गठित करने की बात कही है।

जनपद में कस्बों और शहरों से लेकर गांवों तक में प्राइवेट अस्पताल धड़ल्ले से चल रहे हैं। इन अस्पतालों में से अधिकांश का रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। यदि किसी प्राइवेट अस्पताल या नर्सिंग होम में उपचार के दौरान कोई घटना होती है तो हंगामा होने पर उसके खिलाफ कार्यवाही की जाती है अन्यथा किसी के खिलाफ कभी कार्यवाही नहीं की जाती है। दो दिन पूर्व स्वास्थ्य विभाग ने बरेली रोड स्थित नवादा पुलिस चौकी के निकट संचालित शायरा अस्पताल के खिलाफ एक शिकायत पर कार्यवाही की। सीएमओ के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आनन फानन में अस्पताल सील कर दिया और संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही। उक्त अस्पताल मुख्य रोड पर है जो काफी समय से धड़ल्ले से चल रहा था। इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को थी मगर कार्यवाही नहीं की गयी। लेकिन विभाग को डीएम के आदेश पर उक्त अस्पताल के खिलाफ कार्यवाही करनी पड़ी।

अब स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही करने का मन बना लिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रामेश्वर मिश्रा ने बताया कि अवैध रूप से चलने वाले निजी अस्पतालों का मकड़जाल खत्म किया जाएगा। उनके खिलाफ जांच अभियान शुरू किया जाएगा। यदि अस्पताल का रजिस्ट्रेशन नहीं है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग एक टीम गठित कर रहा है। जो जिले के सभी पन्द्रह ब्लॉक क्षेत्रों में जांच अभियान चलाएगी।

सीएमओ ने बताया कि जिले में हर कस्बे में निजी अस्पताल हैं जहां अक्सर घटनाएं होती रहती हैं। अब इसके लिए सख्ती के साथ काम किया जाएगा।

दो माह पूर्व भी सील किया था एक अस्पताल

शहर के नवादा स्थित चौराहे पर करीब आधा दर्जन निजी अस्पताल हैं। जहां आये दिन घटनाएं होती रहती हैं। लेकिन विभाग कभी कार्यवाही नहीं करता है। करीब दो माह पूर्व एक निजी अस्पताल में प्रसव के समय महिला की मौत हो गयी थी। पीड़ित परिवार ने भारी हंगामा किया था। संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उस समय जिला प्रशासन की सख्ती के बाद उक्त अस्पताल को सील किया गया था। अब वहीं पर यह दूसरी कार्यवाही की गयी है। जिससे अन्य निजी अस्पताल संचालकों में घबराहट है लेकिन सभी अस्पताल संचालित हो रहे हैं।

पैथोलॉजी लैब के खिलाफ नहीं हो रही कार्रवाई

जनपद में करीब पांच सौ निजी पैथोलॉजी लैब हैं जिनके खिलाफ कई बार कागजी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पिछले दो माह पूर्व बिसौली में चार निजी लैब संचालकों के खिलाफ कार्यवाही की गयी थी। जबकि दो निजी लैब आज भी संचालित की जा रही हैं। उक्त कार्यवाही भी स्वास्थ्य विभाग को मजबूरन करनी पड़ी। कई बार शिकायत करने पर भी स्वास्थ्य विभाग मौन साधे रहा। इसी तरह बिल्सी, सहसवान, दहगवां, जगत, अलापुर, इस्लामगंज, कादरचौक, सखानू रमजानपुर में प्राइवेट पैथोलॉजी लैब चल रही हैं। विभाग के कागजी अभियान कई बार चले लेकिन कार्यवाही नहीं की गई।

रक्तदान करने पर एम्स में एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित हुईं मीनू

बदायूं, अमृत विचार : बदायूं की मेकअप आर्टिस्ट व ब्यूटीशियन मीनू पाठक को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय रक्तदान एक्सीलेंस अवार्ड मिला। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर एम्स में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें सम्मान मिला। वह अब तक 15 बार रक्तदान कर चुकी हैं।

एम्स के डायरेक्टर प्रो. डॉ. एम श्रीनिवास ने कार्यक्रम का आरंभ किया था। उन्होंने रक्तदाताओं के बारे में बताया। डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेस डॉ. सुनीता शर्मा, मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ. निरूपम मदान की मौजूदगी में देशभर से चुनिंगा रक्तदाताओं, सामाजिक संगठनों और प्रमुख संस्थानों को सम्मानित किया गया। जिसमें मीनू पाठक भी रहीं।

भाजपाइयों ने जिला अस्पताल में लगाया रक्तदान शिविर

शिविर में जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, विधायक महेश चंद्र गुप्ता व अन्य।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा का समापन गांधी जयंती पर हुआ। भाजपाइयों ने गांधी जयंती पर जगह जगह स्वच्छता अभियान चलाया और महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सेवा पखवाड़ा के समापन पर भाजपा ने जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता, सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य, शारदेंदु पाठक, दीपमाला गोयल ने सामूहिकता से किया। शिविर में कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया। इस मौके पर मनोज मसीह, अनुज माहेश्वरी, डॉ. आशीष शर्मा, शैलेंद्र मोहन शर्मा, रानी सिंह पुंडीर, अजय मथुरिया, गोपाल शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

अगर कोई व्यक्ति दूसरे का हित करने की अभिलाषा रखता है और सदैव ही दूसरों की सहायता करने के लिए तत्पर रहता है, उनके लिए इस संपूर्ण संसार में कुछ भी असंभव नहीं है।
–राम चंद्र जी

संघ के सौ बरस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने राष्ट्र निर्माण में उसकी महती भूमिका को रेखांकित किया। स्मृति सिक्का तथा विशेष डाक टिकट भी जारी किया। दरअसल यह मात्र किसी संगठन की शताब्दी नहीं बल्कि भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रप्रेम के समर्पण का शताब्दी उत्सव है। बीते सौ वर्षों में आरएसएस ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर सेवा का मार्ग चुना। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो संघ ने सीधे राजनीति में भाग नहीं लिया, परंतु उसकी प्रेरणा से गठित जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी जैसी पार्टियां और सेवा भारती, वनवासी कल्याण आश्रम, विद्या भारती, विश्व हिंदू परिषद जैसे विविध संगठनों के जरिए लोकतंत्र की मजबूती, राष्ट्रीय एकता, अखंड भारत की चेतना और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में जो अहम भूमिका निभाई, वह निर्विवाद है।

विपक्षियों द्वारा कतिपय आलोचना के बावजूद विचारों और कार्यकर्ताओं के स्तर पर उसने राष्ट्रीय जीवन को गहराई से प्रभावित किया है। आज 83 हजार से अधिक शाखाएं इसकी रोज लगती हैं, साप्ताहिक अलग से। इनमें छह लाख से ज्यादा स्वयं सेवक भाग लेते हैं। इससे इसके देशव्यापी प्रभाव को आसानी से समझा जा सकता है। इसने समाजिक जीवन में जात-पांत के भेद को मिटाने, स्वदेशी को बढ़ावा देने, शिक्षा और संस्कार आधारित गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ. हेडगेवार द्वारा 1925 में गठित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के समक्ष उसके शताब्दी वर्ष में नई चुनौतियां हैं। तेजी से बदलता वैश्विक परिदृश्य, तकनीकी क्रांति, सांस्कृतिक संक्रमण, पर्यावरण संकट और सामाजिक विषमताएं, इन सबके बीच संगठन को अब नए संकल्प लेने होंगे। सबसे बड़ा संकल्प भारत को 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर और सांस्कृतिक रूप से जागरूक राष्ट्र बनाने में संघ अपनी अग्रणी भूमिका कैसे निभाए, यह तय करने का होना चाहिए।

संघ निरंतर मजबूत हुआ है, उसे देखना होगा कि उसका विस्तार मात्र संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन न होकर, समाज में समरसता, सद्भाव और भाईचारे की ठोस मिसाल बने। अब उसकी प्राथमिकताएं युवाओं में अनुशासन और सेवा भावना को जगाना, महिलाओं की भागीदारी को और व्यापक बनाना, डिजिटल युग की चुनौतियों के बीच भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आधुनिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी के साथ संतुलित करना सर्वोपरि होनी चाहिए। सौ वर्षों की यात्रा में संघ ने यह सिद्ध किया है कि राष्ट्रसेवा केवल नारा नहीं, बल्कि जीवन की साधना है। अब उसकी अगली शताब्दी का संकल्प 'एकात्म मानव दर्शन' पर आधारित ऐसा समाज होना चाहिए, जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो, हर नागरिक आत्मगौरव के साथ जी सके और भारत विश्व गुरु बन संसार को सतत् मार्गदर्शन दे सके। इस प्रकार, शताब्दी वर्ष के आयोजन तभी सफलीभूत माने जाएंगे जब संघ अतीत की गौरवगाथा सुनाने के बजाए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने का संकल्प ले और राष्ट्रहित में अपने सकारात्मक कार्यों को उन क्षेत्रों में विस्तारित करे जो उसकी सेवा से किंचित वंचित रह गए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में इस ओर भी इशारा किया है।

बिहार में सीटों की संख्या पर सियासी संग्राम

राधा रमण
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव की लड़ाई टिकट बंटवारे पर आकर ठहर गई है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) हो या इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) दोनों के सहयोगी दल एक अदद सीट के लिए एक-दूसरे के विरोधी बने हुए हैं। ऊपर से दोनों गठबंधनों के नेता भले ही सार्वजनिक रूप से यह दावा करते हैं कि सब ठीक-ठाक है और सीट बंटवारे की कोई समस्या नहीं है, लेकिन भीतर ही भीतर खींचतान जारी है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव अपेक्षित हैं। राज्य में 22 नवंबर से पहले सरकार का गठन जरूरी है, क्योंकि वर्तमान सरकार का कार्यकाल 22 नवंबर को पूरा हो रहा है।

पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बात करते हैं। इस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। वर्तमान विधानसभा में उसके 80 विधायक हैं। दूसरे स्थान पर जनता दल (यूनाईटेड) है। उसके 45 विधायक हैं। तीसरे स्थान पर चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) है। विधानसभा में लोजपा का कोई विधायक नहीं है, लेकिन पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में उसका स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। उसे चुनाव लड़ने के लिए कुल पांच सीटें दी गई थीं और उसने सभी सीटों पर जीत हासिल की। चौथे स्थान पर जीतनराम मांझी की पार्टी हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) है। विधानसभा में उसके चार विधायक हैं। चिराग की तरह मांझी भी केंद्रीय सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। गठबंधन में आखरी पायदान पर उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोमो) है। कुशवाहा पिछले साल लोकसभा का चुनाव हार गए थे। बाद में भाजपा ने अपने कोटे से उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया है।

एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा का दावा इस बार अधिक सीटों पर लड़ने का बनता है, लेकिन मुख्यमंत्री और गठबंधन का चेहरा होने के कारण जदयू इस बार भी बराबर सीटों का दावा कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में जदयू 115 सीटों पर लड़ी थी, लेकिन उसे महज 43 सीटों पर जीत मिली थी। तब चिराग पासवान की लोजपा (आर) एनडीए के साथ नहीं थी। उसने चुन-चुनकर जदयू उमीदवारों के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। नतीजतन नीतीश कुमार की जदयू तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। इस बार सीटों के बंटवारे में जदयू आर-पार के मूड में है। उसकी चाहत तो दोबारा 115 सीटों की है, लेकिन भाजपा के लिए भी यह चुनाव करो या मरो सरीखा है।

उधर, चिराग पासवान 35 से 40 सीटों पर अड़े हुए हैं। इस बीच जीतनराम मांझी ने बता दिया है कि यदि उनकी पार्टी को 15-20 से कम सीटें मिलीं, तो वह मजबूर होकर 100 सीटों पर उम्मीदवार उतार देंगे। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा सीटों की संख्या तो नहीं बताते, लेकिन इतना जरूर कहते हैं कि अगर इस बार भी उन्हें डुबोने की कोशिश की गई, तो डुबोने वाले भी डूब जाएंगे। कुशवाहा लोकसभा चुनाव में हुई अपनी करारी हार को अब तक नहीं पचा पाए हैं।

एनडीए की तरह महागठबंधन में भी सीटों का पेंच सुलझता नजर नहीं आ रहा है। महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अलावा कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माले, झामुमो, मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) शामिल है। इसमें कांग्रेस ने 76 उम्मीदवारों के नामों के साथ अपनी सूची तेजस्वी यादव को सौंप दी है। महागठबंधन पर दबाव बढ़ाने के लिए कांग्रेस ने पटना में आजादी के बाद पहली बार अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी की है। पिछली बार कांग्रेस 70 सीटों पर लड़ी थी, जिसमें 19 जीती थी। उसका स्ट्राइक रेट सबसे कम था। इस बार राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा निकालकर कांग्रेस ज्यादा उत्साहित है। वीआईपी के मुकेश सहनी भी 60 सीटों का दावा कर रहे हैं। पिछली बार मनमुताबिक सीटें नहीं मिलने के कारण वह आखरी समय में महागठबंधन से अलग हो गए थे। बिहार में वामदलों (भाकपा, माकपा और माले) का स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा था। तीनों दलों ने 29 सीटें लड़कर 19 जीती थीं। इस बार वामदल भी 40 सीटें मांग रहे हैं। कांग्रेस को सलाह देते हुए माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य कहते हैं कि ज्यादा सीटें लड़कर हार जाने से बेहतर कम सीटें लड़कर ज्यादा जीतना अच्छा होता है।

बिहार की लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने वाले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर सभी 243 सीटों पर लड़ने का दावा करते हैं। उनका प्रचार भी सभी सीटों पर चल रहा है। तीन साल से प्रशांत पूरे बिहार में घूमते रहे हैं, हालांकि उन्होंने अभी उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। संभवतः उनकी नजर दोनों गठबंधनों की सीटें घोषित होने पर है। जाहिर है, जिसे कहीं जगह नहीं मिलेगी वह जनसुराज की तरफ झुकेगा। इस बीच प्रशांत ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री अशोक चौधरी और सांसद संजय जायसवाल पर भ्रष्टाचार के संगीन आरोप लगाकर बिहार की सियासत में भूचाल ला दिया है।

उन्होंने उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हत्यारोपी बताते हुए, उनकी शैक्षणिक डिग्री पर भी सवाल उठाए हैं। प्रशांत यहीं नहीं रुकने वाले हैं। वह कहते हैं की मेरे पास पुख्ता प्रमाण हैं। मैं बारी-बारी से सबकी पोल खोलूंगा। अब जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार, अशोक चौधरी और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह भाजपा के तीनों नेताओं से सफाई देने की मांग कर रहे हैं। चुनाव से पहले प्रशांत किशोर के आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो नुकसान तय है, क्योंकि जनता की नजर में प्रशांत का पलड़ा भारी दिखता है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन हो या इंडिया गठबंधन दोनों के सहयोगी दल एक अदद सीट के लिए एक-दूसरे के विरोधी बने हुए हैं।

आमने

आरएसएस की इस देश में कोई भूमिका नहीं रही है। यह केवल सत्ता को बचाए रखने का साधन मात्र है। मेरा सवाल है कि आरएसएस में कोई पिछड़ा या कभी कोई महिला अध्यक्ष क्यों नहीं बनी?

–उदित राज
कांग्रेस के नेता

सामने

जिस पार्टी के नेता राहुल गांधी हों और जो अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करें, तो स्वाभाविक है कि कांग्रेस के लोग भी उसी तरह की बात करेंगे। संघ विश्व में एक ऐसी संस्था है, जो रचनात्मक और सांस्कृतिक कार्य करती है।

–गिरिराज सिंह
केंद्रीय मंत्री

जेन ज़ी और राष्ट्र निर्माण में भूमिका

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

हाल ही में केरल की 22 वर्षीय अलक्षिता राजन ने अपने कॉलेज के साथियों के साथ मिलकर एक स्टार्टअप शुरू किया, जो ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल ट्रेनिंग देकर ऑनलाइन रोजगार उपलब्ध कराता है। कुछ ही समय में सैकड़ों महिलाएं इससे जुड़ गईं और उनकी आजीविका सुधर गई। यह उदाहरण बताता है कि अगर जेन ज़ी को सही दिशा और अवसर मिले तो यह पीढ़ी समाज और राष्ट्र दोनों के लिए सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसी तरह भारत में रितिका खन्ना जैसी युवाओं ने प्लास्टिक मुक्त भारत, महिला सुरक्षा और डिजिटल शिक्षा जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई है। ये उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि जेन ज़ी में ऊर्जा, नवाचार और सामाजिक चेतना अपार है, लेकिन जेन ज़ी की शक्ति हमेशा सकारात्मक दिशा में नहीं जाती। दिल्ली के एक 19 वर्षीय छात्र का उदाहरण लें, जिसने दिनभर रील बनाने और गेम्स खेलने में समय बिताया और पढ़ाई में पिछड़ने के कारण अवसाद का सामना करना पड़ा।

आखिर यह जेन ज़ी पीढ़ी होती क्या है? कौन से युवा इसमें शामिल माने जाते हैं? इसे समझने का प्रयास करते हैं। जेन ज़ी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। आज इनकी उम्र लगभग 13 से 28 वर्ष के बीच है। इस पीढ़ी को डिजिटल नेटिव कहा जाता है, क्योंकि यह जन्म से ही मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया के वातावरण में पली-बढ़ी है। जेन ज़ी की प्रासंगिकता इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यह वर्ग राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभा रहा है।

यह पीढ़ी लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर सक्रिय है और सोशल मीडिया के माध्यम से जनमत तैयार कर बदलाव की दिशा में काम करती है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ग महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सबसे बड़ा उपभोक्ता समूह है और स्टार्टअप्स, डिजिटल सेवाओं तथा ऑनलाइन मार्केटिंग को नई दिशा दे रहा है। तकनीक, रचनात्मकता और वैश्विक दृष्टिकोण के कारण जेन ज़ी आज परिवर्तन का प्रतीक बन चुकी है और आने वाले समय में समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाली सबसे प्रभावशाली शक्ति होगी।

जेन ज़ी की गतिविधियां आंशिक रूप से सही भी हैं और चिंताजनक भी। सही इसलिए हैं, क्योंकि यह पीढ़ी तकनीक का उपयोग कर समाज को नई दिशा दे रही है। यह भ्रष्टाचार, पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर आवाज उठा रही है। इनके प्रयासों से समाज में जागरुकता फैल रही है और कई सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जेन ज़ी का हर कदम पूरी तरह सही नहीं है। सोशल मीडिया पर अत्यधिक निर्भरता, फेक न्यूज का प्रसार, मानसिक तनाव और वास्तविक रिश्तों से दूरी समाज पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। इनके जीवन में अधीरता और सांस्कृतिक मूल्यों से दूरी भी देखी जा रही है, जो लंबे समय में हानिकारक हो सकती है।

असल में जेन ज़ी तुरंत बदलाव और परिणाम चाहती है। यह एक ऐसी पीढ़ी है, जो अपने ज्ञान, तकनीकी दक्षता और ऊर्जा से बदलाव की नई इबारत लिख सकती है, लेकिन यदि यह पीढ़ी इनका उपयोग केवल व्यक्तिगत प्रसिद्धि और तात्कालिक सुख के लिए करेगी तो समाज में असंतुलन और अस्थिरता बढ़ेगी। अतः इस पीढ़ी को चाहिए कि वह अपनी क्षमताओं को समाज और राष्ट्र निर्माण में लगाए। हर पीढ़ी के कुछ सकारात्मक और नकारात्मक पहलू होते हैं, लेकिन जेन ज़ी का प्रभाव समाज पर अधिक व्यापक और तेज है, क्योंकि यह इंटरनेट और सोशल मीडिया से जुड़ी हुई है। यह ताकत समाज को जागरूक बना सकती है, बशर्ते इसका उपयोग जिम्मेदारी और संयम के साथ किया जाए। यदि जेन ज़ी केवल आभासी दुनिया में सीमित रहकर अपनी पहचान बनाएगी, तो यह समाज के लिए हानिकारक साबित होगा।

वास्तविक जीवन के रिश्तों, परंपराओं और मूल्यों से जुड़ाव ही उन्हें संतुलित और सशक्त बना सकता है, इसलिए तकनीक और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रखना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य, धैर्य की कमी और सामाजिक अलगाव जैसी चुनौतियां केवल जेन ज़ी की समस्या नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज पर इसका असर पड़ रहा है। यदि इस पीढ़ी को सही मार्गदर्शन और सहयोग मिला तो यह समाज को नई दिशा दे सकती है। भविष्य में समाज की दिशा और दशा काफी हद तक जेन ज़ी पर निर्भर करेगी।

सरकार जेन ज़ी को सही दिशा देने में अहम भूमिका निभाती है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता युवाओं को संतुलित बनाती है। रोजगार व कौशल विकास योजनाएं उन्हें समाज और अर्थव्यवस्था में योगदान का अवसर देती हैं, वहीं सोशल मीडिया पर नियंत्रण और सांस्कृतिक-खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर सरकार इस पीढ़ी को जिम्मेदार व सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बना सकती है। जेन ज़ी ही आने वाले समय की धुरी है और यदि इसकी ऊर्जा, सोच और तकनीक का सही उपयोग किया जाए तो यह समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

जेन ज़ी आने वाले समय की धुरी हैं। यदि इनकी ऊर्जा, सोच और जज्बे का सही उपयोग किया जाए तो यह समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है।

प्रसंगवश

टूटी सड़कों से उम्मीदें भी टूट जाती हैं

सुबह का वक्त है। नाथवाना गांव की मिट्टी से भरी पगडंडी पर छोटे-छोटे बच्चों का झुंड स्कूल की ओर चल रहा है। उनकी चप्पलें धूल में गुम हो जाती हैं। बरसात में यही रास्ता कीचड़ की दलदल में बदल जाता है। इसी रास्ते से किशोरियां किताबें थामे निकलती हैं, पर उनके मन में डर और असुरक्षा की एक परत बिछी होती है। बुजुर्गों के लिए यह सड़क और भी कठिन है, अस्पताल तक पहुंचने का सफ़र कई बार उनके धैर्य और जीवन दोनों को खतरे में डाल देता है। यह तस्वीर केवल राजस्थान के बीकानेर स्थित नाथवाना की नहीं है, बल्कि भारत के असंख्य गांवों की सच्चाई है, जहां टूटी-फूटी सड़कें हर रोज लोगों के जीवन को सीमित करती हैं।

पिछले दो दशकों से अधिक समय से भारत सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं से ग्रामीण इलाकों को जोड़ने की कोशिश की है। रिपोर्टों के मुताबिक अब तक देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों किलोमीटर सड़कें बनी हैं और हजारों बस्तियां इससे जुड़ी हैं, लेकिन गांवों में घुसते ही यह साफ दिखता है कि केवल सड़क बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि असली चुनौती उसका रख-रखाव और गुणवत्ता को सुनिश्चित करना है। राजस्थान जैसे रेतीले और कठिन भूगोल वाले प्रदेश में तो यह चुनौती और भी बड़ी बन जाती है। कई जगहों पर बनी सड़कें कुछ साल में ही गड्ढों और धूल में बदल जाती हैं।

कलावती
एक्टिविस्ट

सड़कों की यह समस्या महज सुविधाओं का मामला नहीं है, बल्कि यह सीधे शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार से जुड़ी है। अध्ययनों में पाया गया है कि जहां सड़कें बेहतर हैं, वहां लड़कियों का स्कूल में नामांकन और उपस्थिति बढ़ी है। किशोरियों के लिए सुरक्षित और सुचारु मार्ग शिक्षा तक उनकी पहुंच आसान बनाता है, लेकिन जब रास्ता टूटा-फूटा हो, तो परिवार की पहली चिंता उनकी सुरक्षा होती है और अक्सर उनकी पढ़ाई अधूरी रह जाती है। यानी खराब सड़कें सीधे लैंगिक असमानता को बढ़ावा देती हैं।

सड़कों का अच्छा न होना, ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डालता है। खेतों से निकली उपज समय पर मंडी तक नहीं पहुंच पाती, जिससे किसानों को नुकसान होता है। पुरुष अक्सर रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं और गांव में बचे परिवारों पर महिलाओं का बोझ बढ़ जाता है। महिलाएं खेत, घर और बच्चों की जिम्मेदारी एक साथ उठाती हैं, लेकिन खराब सड़कें उनके लिए बाजार तक पहुंचने और आत्मनिर्भर बनने की राह में दीवार बन जाती हैं। यहां यह समझना ज़रूरी है कि सड़क सिर्फ ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं है, यह सामाजिक न्याय और अवसर का आधार है। यदि सड़कें सुरक्षित, टिकाऊ और सबके लिए सुलभ हों तो वे गांव की लड़कियों के लिए शिक्षा का दरवाजा, महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का मार्ग और बुजुर्गों के लिए जीवनदायिनी साबित हो सकती हैं।

सड़क के विकास को केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे मानवीय और लैंगिक दृष्टिकोण से समझना होगा। योजनाएं तब सफल होंगी जब उनमें स्थानीय महिलाओं की भागीदारी होगी, जब रख-रखाव के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनेगी और जब हर बच्चा, किशोरी, किसान और बुजुर्ग बिना डर और कठिनाई के इस रास्ते से गुजर सकेगा। आज भी नाथवाना के बच्चे धूल भरे रास्तों पर किताबें थामे स्कूल जाते हैं, लेकिन उनके चेहरे पर उम्मीद है कि शायद एक दिन उनके गांव की सड़कें भी पक्की होंगी, शायद कल किशोरियां भी बिना डर के अपने स्कूल जाएंगी।

सोशल फोरम

अनाम महिला की गुप्त डायरी 'द येलो वॉलपेपर'

बात 1892 में लिखी गई एक ऐसी कहानी की, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। शार्लट पर्किंस गिलमैन की 'द येलो वॉलपेपर' (The Yellow Wallpaper)। यह कहानी एक अनाम महिला की गुप्त डायरी है, जिसे गर्मियों की छुट्टियों के लिए एक पुरानी हवेली में लाया गया है। वह हाल ही में मां बनी है और 'अस्थायी नर्वस डिप्रेशन' से पीड़ित है, जिसे हम आज प्रसवोत्तर अवसाद (postpartum depression) के रूप में जानते हैं। उसका पति, जॉन, एक डॉक्टर है। वह उसकी भावनाओं को बचकाना कहकर खारिज कर देता है और उसे 'रेस्ट क्योर' (Rest Cure) नामक इलाज पर रखता है, जिसका मतलब है- कोई काम नहीं, कोई सामाजिक मेलजोल नहीं और सबसे जरूरी, कोई रचनात्मक काम (जैसे लिखना) नहीं।

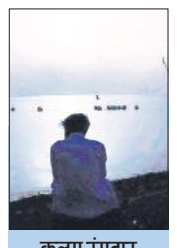

कलम रंगदार
फेसबुक

उसे ऊपर की एक पुरानी नर्सरी में रखा जाता है, जिसकी खिड़कियों पर सलाखें हैं और दीवारों पर एक अजीब, बीमार सा पीले रंग का वॉलपेपर लगा है। शुरू में उसे वह वॉलपेपर घिनौना लगता है। उसका रंग फीका है, पैटर्न उलझा हुआ है और जगह-जगह से फटा हुआ है, लेकिन जैसे-जैसे दिन हफ्तों में बदलते हैं, उसका अकेलापन और दिमागी निष्क्रियता उसे उस वॉलपेपर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर कर देती है। उसे उस उलझे हुए पैटर्न के पीछे एक और छिपा हुआ पैटर्न दिखाई देने लगता है- एक औरत की धुंधली सी आकृति, जो उन सलाखों जैसे पैटर्न के पीछे रेंग रही है, बाहर निकलने की कोशिश कर रही है।

चांदनी रात में वह औरत ज्यादा साफ दिखती है और कहानी की नायिका का जुनून बढ़ता जाता है। वह उस वॉलपेपर में कैद औरत के साथ एक गहरा जुड़ाव महसूस करने लगती है और उसे आजाद कराना अपना मकसद बना लेती है। कहानी का अंत झकझोर देने वाला है, जहां हकीकत और भ्रम के बीच की रेखा पूरी तरह मिट जाती है।

'द येलो वॉलपेपर' सिर्फ एक डरावनी कहानी नहीं है। यह 'गैसलाइटिंग' (जब कोई आपके सच पर आपको ही शक करने पर मजबूर कर दे), महिलाओं की मानसिक सेहत को नजरअंदाज करने और रचनात्मक स्वतंत्रता को दबाने के भयानक परिणामों का एक शक्तिशाली दस्तावेज है। यह कहानी पूछती है- असली कैद क्या है? कमरे की चारदीवारी या समाज द्वारा बनाए गए नियम?

सामयिकी

आखिर ऐसे माहौल में कैसे पढ़ेगी बेटी!

राजधानी दिल्ली के एक प्रतिष्ठित कालेज में पढ़ाई कर रहीं कालेज की छात्राओं पर दबाव बनाकर और ब्लैकमेल कर उनका शारीरिक शोषण किया जा रहा था। यह सिलसिला लम्बे समय से चल रहा था, लेकिन कुछ लड़कियां मुखर हुईं और शिकायत की। कालेज में स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी पर गंभीर आरोप लगे हैं। माथे पर त्रिपुंड और गले में रुद्राक्ष धारण करने वाले इस बाबा पर कई लड़कियों की इज्जत पर बुरी नजर डालने के आरोप हैं। हमेशा भगवा वस्त्र में दिखने वाले इस बाबा के खिलाफ 32 लड़कियों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इसमें से 17 लड़कियों ने अभद्र भाषा, अश्लील व्हाट्सऐप मैसेज और फिजिकली टच करने के आरोप भी लगाए हैं। यह मामला दक्षिणी दिल्ली में स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का है। यह संस्थान श्री श्रृंगेरी मठ द्वारा चलाया जाता है। मठ के प्रशासन पीए मुरली ने बाबा स्वामी पार्थ सारथी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बाबा संस्थान की छात्राओं को कम नंबर देने की धमकी देता था।

मनोज अग्रवाल
स्वतंत्र पत्रकार

देर रात छात्रों को अपने कमरे में बुलाता था और उनसे फिजिकल फेवर मांगता था। दिल्ली पुलिस ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट में पढ़ रही छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, आरोपी स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती पार्थ सारथी ने ईडब्ल्यूएस छात्रवृत्ति के तहत पीजीडीएम कोर्स कर रहीं छात्राओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, उन्हें अश्लील व्हाट्सऐप और एसएमएस संदेश भेजे और शारीरिक संपर्क बनाने की कोशिश की।

यह शिकायत चार अगस्त 2025 को पीए मुरली, प्रशासक, श्री श्रृंगेरी मठ एवं उसकी संपत्तियों की ओर से थाना वसंत कुंज नॉर्थ में दर्ज कराई गई। शिकायत में यह भी आरोप है कि संस्थान की कुछ महिला फैकल्टी और प्रशासनिक अधिकारी आरोपी की मदद करते थे और छात्राओं पर उसकी मांगें पूरी करने का दबाव बनाते थे, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। पुलिस जांच के दौरान कुल 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए, जिनमें से 17 ने आरोपी के खिलाफ यौन उत्पीड़न, अश्लील संदेश और शारीरिक संपर्क बनाने के प्रयासों का स्पष्ट उल्लेख किया।

आरोपी बाबा पार्थ सारथी ओडिशा का रहने वाला है। करीब 12 साल से यहां आश्रम में रह रहा था। बाबा पर छेड़खानी के दो मामले उड़ीसा में भी दर्ज हुए थे। पहला 2009 और दूसरा 2016 में। बाबा इस आश्रम का केयरटेकर और संचालक था। वो इसी आश्रम में रह रहा था। इससे पहले भी इसी साल दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज के एक प्रोफेसर, जिन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था, ने इस मुद्दे पर प्रशासन द्वारा कथित निष्क्रियता को लेकर परिसर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद आठ जनवरी, 2025 को इस्तीफा दिया।

कथित घटना पिछले साल दिसंबर में हुई थी, जब प्रोफेसर, जो विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण प्रकोष्ठ में एक प्रमुख पद पर है, ने एक नाबालिग छात्रा का यौन उत्पीड़न किया था। सक्षम पोर्टल के अनुसार 2022-23 के दौरान देश के 238 विश्वविद्यालयों में 378 यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज की गई। यह नारी पूज्यंते और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारे वाले देश की हकीकत बयान करता है। आखिर कब तक हमारे शिक्षण संस्थानों में छात्राएं असुरक्षित रहेंगी? सरकार कब इस पर जीरो टॉलरेंस नीति पर अमल करेगी?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

प्लास्टिक: जीवन का सर्वव्यापी आविष्कार

हम अपने चारों ओर नजर दौड़ाएं तो पाएंगे कि प्लास्टिक हमारी जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। टूथब्रश से लेकर टॉयलेट सीट, लाइट के स्विच, खाने के बर्तन, पैकेजिंग सामग्री और पानी की बोतल तक, लगभग हर जगह इसका इस्तेमाल होता है। प्लास्टिक शब्द यूनानी भाषा के 'प्लैतिकोस' शब्द से निकला है, जिसका अर्थ है, "किसी भी आकार में ढाला जा सकने वाला पदार्थ"। प्लास्टिक मुख्य रूप से पॉलिमर से बने होते हैं और इनकी संरचना में कार्बन की उपस्थिति प्रमुख होती है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इसे किसी भी आकार, रूप और मजबूती में ढाला जा सकता है, जिस कारण यह सस्ता, हल्का और टिकाऊ पदार्थ बन गया।

पहला मानव निर्मित प्लास्टिक 1856 में ब्रिटिश वैज्ञानिक अलेक्जेंडर पाक्स ने तैयार किया था, लेकिन आधुनिक प्लास्टिक के विकास और इसे दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने का श्रेय लियो हेंड्रिक बेकलैंड को जाता है। बेल्जियम मूल के इस अमेरिकी वैज्ञानिक ने फिनॉल और फॉर्मेल्डिहाइड के प्रयोग से एक नए पदार्थ की खोज की, जिसे बाद में बेकलाइट और आज सामान्य भाषा में प्लास्टिक कहा जाता है।

लियो हेंड्रिक बेकलैंड- वैज्ञानिक

जन्म –14 नवंबर 1863 को बेल्जियम के गेंट में हुआ

शिक्षा – गेंट विश्वविद्यालय से बीएस और 1884 में उसी स्कूल से एस.सी.डी. की उपाधि प्राप्त की। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय ने उन्हें 1916 में रसायन विज्ञान में मानद डॉक्टर की उपाधि से सम्मानित किया।

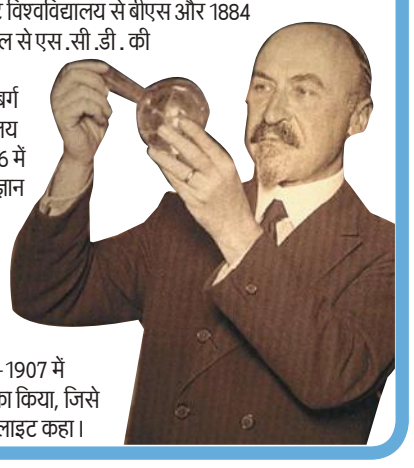

आविष्कार–1907 में प्लास्टिक का किया, जिसे उन्होंने बैकेलाइट कहा।

विश्व की पहली

एआई महिला मंत्री

बीते दिनों अल्बानिया ने संसदीय इतिहास में एक ऐसा कदम उठाया है, जो दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया है। यूरोप महाद्वीप के इस देश के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक 'आर्टिफिशियल मंत्री' 'डिएला' नियुक्त की है, जो मानव न होकर 'कृत्रिम बुद्धि जनित' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है। 'डिएला' का अर्थ अल्बानियाई भाषा में 'सूर्य' होता है। तकनीक के नए युग दुनिया में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए पहली बार किसी देश ने एक गैर मानव 'एआई बॉट मंत्री' डिएला नियुक्त की है। इसको लेकर जटिल संवैधानिक समस्या उत्पन्न हो गई है, साथ ही कई व्यवस्थागत और तकनीकी जोखिम भी उभर आए हैं।

–हरीश शिवनानी, लेखक

अल्बानिया के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिप्टोकरेंसी लाइसेंसिंग विभाग के प्रमुख एनियो कासो ने 12 सितंबर को अल्बानिया की राजधानी तिराना में एआई बॉट 'मंत्री' 'डिएला' का परिचय दिया। यह विश्व की एक ऐसी 'कैबिनेट मंत्री' है, जो 'शारीरिक' नहीं हैं। डिएला को सार्वजनिक खरीद विभाग का मंत्री बनाया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी निविदाओं के माध्यम से सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं को पारदर्शी, तेज और जवाबदेह बनाकर भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त करना है। डिएला एक 'एआई-पावर्ड वर्चुअल असिस्टेंट' है, जिसे माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया गया था। यह ई-अल्बानिया प्लेटफॉर्म पर पहले से ही एक वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में कार्य कर रही थी। इसे पारंपरिक अल्बानियाई वेशभूषा में एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है। इसे 'आर्टिफिशियल मंत्री' बनाने से अल्बानिया में संवैधानिक सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि अल्बानिया के संविधान के अनुसार मंत्रियों को 18 वर्ष से अधिक आयु का मानसिक रूप से सक्षम 'नागरिक' होना चाहिए।

क्या है संवैधानिक समस्या

विश्लेषकों का कहना है कि इससे प्रधानमंत्री को एआई डिएला के निर्माण और संचालन का अधिकार तो मिल गया है, लेकिन सवाल संविधान सम्मत होने का है कि मानव की जगह 'कृत्रिम आभासी ईकाई' को मंत्री कैसे बनाया जा सकता है? स्वयं अल्बानियाई राष्ट्रपति के पास भी इसका स्पष्ट जबाव नहीं है। अल्बानियाई कानूनी विशेषज्ञों ने भी संवैधानिक चुनौतियों की ओर इशारा किया है। दरअसल अल्बानिया लंबे समय से अपनी सुरक्षा और अन्य हितों के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा है, लेकिन बेहद भ्रष्टाचार के मुद्दे के कारण उसे यह सदस्यता नहीं मिल पा रही है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए उसने एक 'गैर मानव आभासी ईकाई' पर दांव खेला है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भ्रष्टाचार जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए नवीन तकनीकी समाधानों की तलाश एक अहम पहल है, लेकिन यह कई गंभीर जोखिमों और चुनौतियों से भरा हुआ कदम है। सबसे बड़ा है जवाबदेही और दायित्व का संकट। अगर एआई कोई गलत निर्णय लेती है, जिससे वित्तीय नुकसान होता है या किसी की जान को खतरा होता है तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? मंत्री एक जवाबदेह व्यक्ति होता है, जिसे संसद के सामने जवाब देना होता है और उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। एक एआई सिस्टम को जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता। अगर एआई मंत्री का फैसला नागरिकों के खिलाफ जाता है तो उस फैसले के पीछे का तर्क समझाना और उसकी समीक्षा करना असंभव हो सकता है।

एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का भी अपना जोखिम है। एआई अपने प्रशिक्षण डेटा से सीखती है। अगर ऐतिहासिक डेटा में मानवीय पूर्वग्रह (जैसे जाति, लिंग, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव) शामिल है तो एआई उन्हीं पूर्वाग्रहों को और मजबूत करके निर्णय लेगी। इनके अलावा एक गंभीर प्रश्न सुरक्षा और हैकिंग का है। एक एआई सिस्टम साइबर हमलों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। हैकर्स एआई के निर्णयों को तकनीकी चालाकी से अपने हित में बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए सार्वजनिक खरीद के मामले में हैकर्स निविदा के परिणामों को अपने पक्ष में करने के लिए एआई में छेड़छाड़ कर सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक मंत्री जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का हिस्सा होता है और अप्रत्यक्ष रूप से जनता के प्रति जवाबदेह होता है। सबसे बड़ी हैं कानूनी और संवैधानिक चुनौतियां। अधिकांश देशों के संविधान और कानून मंत्री पद के लिए 'मनुष्य' होने की शर्त है। एआई को मंत्री बनाना संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। यह एक अत्यंत जटिल कानूनी सवाल है, जिस पर अभी वैश्विक सहमति नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीक एक उपकरण है, शासक नहीं। निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा मनुष्य के पास ही होनी चाहिए।

AI ने सुलझाए कठिन गणित के सवाल

बीती मई कैलिफोर्निया के बर्कले शहर में एक खास बैठक हुई। इसमें दुनिया के 30 जाने-माने गणितज्ञ शामिल हुए, जिनमें कुछ ब्रिटेन से भी आए थे। इस बैठक का मोटिव ओपेन एआई के नए एआई मॉडल ओ-4-मिनी की असली गणितीय क्षमता परखना था। दो दिन तक गणितज्ञों ने प्रोफेसर स्तर के कठिन सवाल को एआई को हल करने के लिए दिए। नतीजा देखकर गणितीय विद्वान भी हैरान रह गए कि यह चैटबॉट उन सवालों के सही उत्तर देने में सक्षम है, जिन्हें दुनिया के सबसे मुश्किल सवालों में से माना जाता है। वर्जीनिया विश्वविद्यालय के गणितज्ञ केन ओनो ने कहा, "मेरे कई सहकर्मी मानने लगे हैं कि यह मॉडल गणितीय प्रतिभा के करीब पहुंच चुका है।"

यह मॉडल रीजनिंग लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) कहलाता है। इसे खासतौर पर गहन तर्क और मल्टी स्टेप तर्क शक्ति के लिए तैयार किया गया है। गूगल का जेमिनी 2.5 फ्लैश भी इसी तरह की क्षमताओं वाला मॉडल है। पहले के जीपीटी मॉडल जहां केवल शब्दों की भविष्यवाणी पर आधारित थे, वहीं ओ-4-मिनी स्मूथ, तेज और खास डाटासेट पर प्रशिक्षित और आधारित है। इसमें इंसानों से मिला मजबूत फीडबैक भी शामिल है, जिससे यह पारंपरिक मॉडलों से कहीं गहराई तक जाकर जटिल गणित हल कर पाता है। ओपेन एआई ने इसकी क्षमता जांचने के लिए इपोच एआई नाम की एक गैर-लाभकारी संस्था को 300 ऐसे कठिन सवाल बनाने का काम दिया, जो पहले कभी प्रकाशित नहीं हुए थे। पारंपरिक एआई मॉडल इनमें से 2 प्रतिशत से भी कम हल कर पाए, लेकिन ओ-4-मिनी ने सबको चौंकाते हुए कई सवालों के सही हल ढूंढ निकालने में सक्षम है।

न्यू अपडेट्स

रियलमी ने लॉन्च किया 50 एमपी सेल्फी कैमरा मोबाइल

अगर आप टिकाऊ फोन की तलाश में हैं तो फिर रियलमी आपके लिए लेकर आया है, अपना नया मॉडल रियलमी 15 एक्स 5 जी मोबाइल फोन। फोन को ऐसा डिजाइन किया गया है कि फोन न तो गिरने पर टूटेगा और न घंटों पानी में रहने के बाद खराब होगा।

फीचर्स

डिस्प्ले : 144 एचजेड रिफ्रेश रेट, 1200 यूनिट्स पीक ब्राइटनेस और 180 एचजेड टच सैंपलिंग रेट सपोर्ट के साथ 6.8 इंच की बड़ी एचडी+एलसीडी स्क्रीन दी गई है। प्रोसेसर : मीडिया टेक डाइमेंसिटी 6300 एसओसी का चिपसेट दिया गया है, जो एंड्राइड 15 पर बेस्ड यूआई 6.0 ओएस पर काम करेगा। कैमरा : बैक पैनल में सोनी आईएमएक्स 882 सेंसर वाला 50 एमपी का एआई रियर कैमरा दिया गया है। सबसे खास बात यह है कि इस सेगमेंट का यह पहला मॉडल है, जिसमें 50 एमपी का ही फ्रंट कैमरा भी दिया गया है। साथ ही 60 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 7000 एमएएच की बैटरी भी है।

विज्ञान फैक्ट

बिना सिर का जीवन

कॉकरोच से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे डरते हैं, लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि यह विज्ञान की दुनिया में अपनी मेहनत के लिए जाना जाता है। इनका परिसंचरण तंत्र खुला होता है, इसलिए ये अपने शरीर के प्रत्येक हिस्से में स्थित छोटे छिद्रों से सांस ले सकते हैं। कॉकरोच सांस लेने के लिए मुंह या सिर पर निर्भर नहीं होते हैं। तभी सिर कटने के बाद भी कॉकरोच एक सप्ताह या इससे अधिक दिनों तक जीवित रह सकता है। इनकी मौत इसलिए होती है, क्योंकि मुंह के बिना ये पानी नहीं पी पाते और प्यास से मर जाते हैं।

कांगो वर्षावन: अफ्रीका का हरा-भरा खजाना

कांगो वर्षावन, जिसे मध्य अफ्रीकी वर्षावन भी कहा जाता है। यह दुनिया के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है। यह वन लगभग 37 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और इसका सबसे बड़ा हिस्सा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में स्थित है। इस घने वन क्षेत्र में जैव विविधता का अद्भुत संसार छिपा है। यहां गोरिल्ला, जंगली हाथी और सैकड़ों दुर्लभ पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं। वहीं इसके गहरे दलदली इलाकों में रहस्यमयी और दुर्लभ ओकापी निवास करता है, जो केवल इसी क्षेत्र में मिलता है। कांगो नदी इस विशाल वन का हृदय मानी

जंगल की दुनिया

जाती है, जो एक अनोखे जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में महती भूमिका निभाती है। यह वर्षावन न सिर्फ वन्य जीवन का घर है, बल्कि जलवायु संतुलन, ऑक्सीजन उत्पादन और लाखों लोगों की आजीविका का भी आधार है। हालांकि वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से यह वन आज बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। फिर भी इसका संरक्षण पूरे विश्व के पर्यावरण और जैव विविधता के लिए बेहद जरूरी है।

रोचक किस्सा

निकोला टेस्ला को दुनिया के सबसे कल्पनाशील और अजीबोगरीब वैज्ञानिकों में गिना जाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि वे एक ऐसे वैज्ञानिक हैं, जो स्नातक पास नहीं थे। टेस्ला ने ग्राज के ऑस्ट्रियन पॉलिटेक्निक में शिक्षा प्राप्त की, लेकिन संभवत: अब तक के सबसे आविष्कारशील और विलक्षण वैज्ञानिक थे। टेस्ला बिजली के अद्भुत

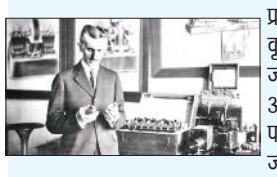

प्रयोगों के लिए जाने जाते थे, उन्होंने कृत्रिम बिजली की ऐसी चमकें पैदा कीं जो 135 फुट लंबी होती थीं। इसके अलावा वे पार्टिकल गन जैसे आविष्कारों पर काम करते रहे, जिसे वे हजारों हवाई जहाज गिराने में सक्षम मानते थे। उन्होंने गुरुत्वाकर्षण रहित उड़ने वाली मशीनों के बारे में भी विचार रखे। वहीं उनके व्यावहारिक शोध में एसी करंट और एक्स-रे पर किए गए अध्ययन शामिल हैं। जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ी, उनका व्यवहार और भी विचित्र होता चला गया। वे संख्या तीन को लेकर बेहद जुनूनी हो गए और उन्हें मानव बाल छूना बिल्कुल पसंद नहीं था। टेस्ला को यह विश्वास था कि उन्होंने बाहरी ग्रहों के जीवों से संपर्क किया है। इतना ही नहीं, वे एक कबूतर के प्रति गहरा स्नेह महसूस करने लगे और सोचते थे कि कबूतर भी उन्हें उसी तरह प्यार करता है। टेस्ला को एक ऐसा "पागल जीनियस" माना जाता है, जिन्होंने विज्ञान और कल्पना दोनों की सीमाओं को छूआ था।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

दुर्गा मां संग सेल्फी

डांडिया उत्सव

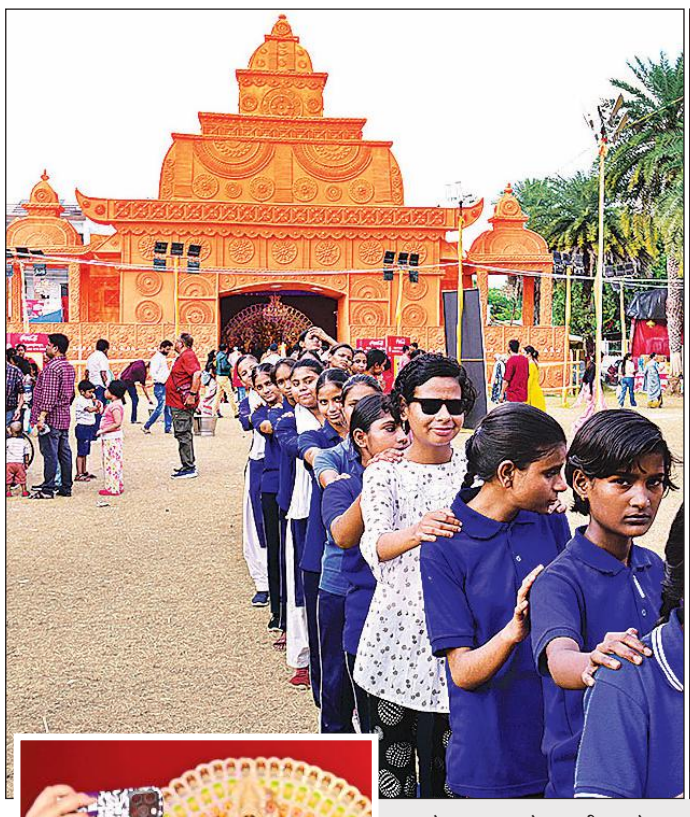

दशहरे पर लखनऊ के जानकीपुरम सेक्टर-ई में बनाए गए विश्व का सबसे बड़ा पूजा पंडाल में मां दुर्गा की प्रतिमा संग भक्तों ने सेल्फी ली। मेले का भी आनंद लिया। वहीं सुशांत गोल्फ सिटी के विनीत लॉन में विजया दशमी पर पूजा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन करने हजारों भक्त पहुंचे। जयकारे लगाए, सिंदूर खेला के साथ में भी सेल्फी ली। उधर, अयोध्या के रामनगर में आयोजित डांडिया उत्सव में महिलाओं ने अपनी रंग-बिरंगी पोशाकों और उत्साहपूर्ण नृत्य से माहौल को जीवंत कर दिया। पारंपरिक गहनों और चमकीले लहंगों में सजी महिलाएं, डांडिया स्टिक्स के साथ तालमेल में थिरकती नजर आईं।

● अमृत विचार

बलरामपुर: सड़क हादसे में चार युवकों की मौत

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार: नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कांदभारी चौराहा मोड़ पर बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक मोटरसाइकिल से दुर्गा प्रतिमा दर्शन के लिए निकले थे।

जानकारी के अनुसार बुधवार की रात लगभग 12 बजे छह युवक दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर बलरामपुर से उतरौला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कांदभारी चौराहे के निकट अचानक एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने दोनों मोटरसाइकिलों को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे की टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही मूडाडीह गांव निवासी संजय कुमार वर्मा (23), गोलू (17), कल्लू (14) और अंकित (17) की मौत हो गई। वहीं, ओरिंद वर्मा (22) और दिनेश कुमार मौर्य (22) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को पहले संयुक्त जिला चिकित्सालय लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

सूचना पाकर नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस भीषण दुर्घटना की खबर फैलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के घरों में कोहराम मच गया है। परिजन व गांव के लोग घटना के बाद से बदहवास हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चौराहे पर अक्सर भारी वाहन तेज रफ्तार से गुजरते हैं, जिससे हादसों का खतरा बना रहता है।

स्वप्ना को तीन दिन में छोड़ना होगा घर

लखनऊ। सहारा प्रमुख स्वर्गीय सुब्रत रॉय की पत्नी स्वप्ना रॉय को अब सहारा का महल जैसा घर तीन दिन में छोड़ना होगा। सहारा प्रमुख का परिवार यहां पर करीब 25 साल से रह रहा है। शनिवार को जमीन का कब्जा लेने के बाद नगर निगम की टीम गेट सील करने पहुंची थी। हालांकि, टीम बिना गेट सील किए तीन दिन में कब्जा खाली करने का अल्टीमेटम देकर लौट आई।

चार लोगों पर फिर भेड़िया का हमला

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार: कैसरगंज तहसील के ग्राम गंडारा में बृहस्पतिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब भेड़िये ने तीन बच्चों समेत चार लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए लाठियां लेकर दौड़ाया, तो वह भाग निकला। भेड़िये के भागने की तस्वीर गांव में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सुबह करीब 7 बजे गंडारा गांव में जंगली जानवर ने पहले सात वर्षीय किशन पर हमला किया, इसके बाद डेढ़ साल की खातीजा, 15 वर्षीय रुबीना और 38 वर्षीय अली शेर को भी घायल कर दिया। ग्राम प्रधान और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि तीन दिन से जंगली जानवरों की आवाजाही गांव में बढ़ गई है।

गांधी व शास्त्री के आदर्श आज भी प्रासंगिक

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए दोनों महापुरुषों के जीवन-दर्शन, सत्यनिष्ठा, त्याग, संघर्ष और सेवा-भाव को सभी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। उन्होंने राजभवन में दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण करने के बाद कहा कि महात्मा गांधी ने न केवल अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए विवश किया, बल्कि अपने सत्य और अहिंसा के अद्भुत मार्गदर्शन से विश्व को एक नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि शास्त्री का 'जय जवान, जय किसान' का नारा आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

यदि हम इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनायेंगे तो हमारा परिवार, समाज और देश प्रगति की नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकेगा।'' राज्यपाल ने अपने बुल्गारिया और दक्षिण अफ्रीका भ्रमण का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्होंने वहां फीनिक्स आश्रम देखा जहां गांधी जी स्वयं समाचार तैयार करते थे और छपवाते थे। उन्होंने कहा कि वहां उन्होंने एक स्कूल भी देखा, जिसकी स्थापना गांधी जी ने की थी। उन्होंने कहा कि जब गांधी जी भारत लौटे, तो उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया तथा देश की गरीबी देखकर वह साधारण वस्त्र धारण करने लगे। राज्यपाल ने कहा कि गांधी जी ने साबरमती आश्रम और विद्यापीठ की स्थापना की, शिक्षा, स्वच्छता और गांवों के उत्थान के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए। उन्होंने कहा कि गांधी जी का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और समाज सुधार के लिए समर्पित था।

छात्र को खुदकुशी को उकसाने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। फ्री-फायर मैक्स गेम में फंसाकर 13 लाख रुपये ठगने के बाद छात्र को खुदकुशी के लिए उकसाने वाले जालसाज को पुलिस ने झारखंड से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 4.71 लाख रुपये, ठगी की रकम से खरीदा गया डेढ़ लाख का एप्पल का लैपटॉप, मोबाइल, चार एटीएम कार्ड व अन्य सामान बरामद किया गया है। अलग-अलग वॉलेट में जमा 1.50 लाख रुपये भी फ्रीज करा दिए गए हैं। गिरोह से जुड़े वैशाली के एक छात्र को पूछताछ के बाद नोटिस देकर छोड़ दिया गया है। मोहनलालगंज के धनुवासांड गांव निवासी यश (14) निजी स्कूल में कक्षा-6 का छात्र था। उसने 15 सितंबर को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी। छात्र के मोबाइल में फ्री-फायर मैक्स गेम खेलने की पुष्टि हुई थी।

युवक की हत्या कर नहर की पटरी पर फेंका गया शव

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार: अज्ञात युवक की हत्या करके उसका अर्धनग्न शव रेलवे स्टेशन के करीब नहर की पटरी पर फेंका गया , ग्रामीणों ने सुबह शव देखा तो पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई । सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला कोतवाली क्षेत्र के ईश्वरदासपुर रेलवे स्टेशन के पास का है । स्टेशन के पश्चिमी क्षेत्र से कंदरावा रजबहा नहर है । नहर की पटरी से लोग आवागमन करते हैं । सुबह आसपास के ग्रामीण नहर की पटरी पर गए तो एक युवक का अर्धनग्न शव देखकर सन्न रह गए। युवक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान है । शव के पास कमर में पहनने वाली कई बेल्ट टूटी हुई मिली है । युवक की पहचान नहीं हो पाई है । ग्रामीणों का अनुमान है कि मृतक को कुछ लोगों ने चोर समझकर पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई । जिसके बाद शव को छोड़कर भाग गए है। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है । कोतवाल संजय कुमार का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा जा रहा है । मामले की जांच की जा रही है ।

करंट की चपेट में आया बालक

लंभुआ,सुल्तानपुर। पेड़ पर लटक रहे पतंग को छत पर से उतारने गए एक 12 वर्षीय बच्चे की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मामला नगर पंचायत लंभुआ के सर्वोदय नगर का है। इब्राहिम का पुत्र जिशान बृहस्पतिवार की सुबह घर से सटे हुए पेड़ के बीच में बिजली का पोल लगा हुआ है जहां से मुहल्ले के लोगों को बगैर डीबी बॉक्स के खुले में सप्लाई दी गई है। उसी पेड़ पर लटक रहे पतंग को उतार रहे 12 वर्षीय जिशान की बिजली के तार के चपेट में आने से मृत्यु हो गई मुहल्ले वासियों का आरोप है यह घटना बिजली विभाग की लापरवाही से हुई है।

3 अक्टूबर से बालिका सप्ताह मनाएगी योगी सरकार

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत प्रदेश सरकार 3 से 11 अक्टूबर तक अंतर्राष्ट्रीय बालिका सप्ताह मनाएगी। इसके तहत बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

यह सप्ताह 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित है। मिशन शक्ति 5.0 के तहत 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक महिला एवं बाल विकास विभाग विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अबतक 13,04,784 लोगों तक पहुंच बनाकर नारी शक्ति को नया बल प्रदान किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका सप्ताह की शुरुआत 03 अक्टूबर को ड्राइविंग माय ड्रीम्स कार्यक्रम से होगी, जिसमें प्रत्येक जनपद में कम से कम 100 बालिकाओं और महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस एक माह के कोर्स से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और नए अवसर प्रदान करने का लक्ष्य है। 4 अक्टूबर को पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेस सत्रों में बालिकाओं को आत्मरक्षा और आपात स्थिति में सुरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। 6 अक्टूबर को बाल देखरेख संस्थानों में सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप आयोजित होगी, जो व्यावहारिक कौशल प्रदान करेगी। सात अक्टूबर को एक दिन की जिलाधिकारी पहल के तहत चयनित बालिकाएं प्रशासनिक जिम्मेदारियों को समझेंगी और नेतृत्व क्षमता विकसित करेंगी।

इस संवाद में बालिकाएं और महिलाएं अपनी चुनौतियां साझा करेंगी और उन्हें दर करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जोहरी ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत कन्या पूजन, नुक्कड़ नाटक और साइक्लोथॉन जैसे कार्यक्रमों ने बेटियों के प्रति सम्मान का संदेश दिया है। अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह बेटियों को उनके अधिकारों और अवसरों से जोड़ने का सशक्त मंच है।

हौसलों की उड़ान | प्राथमिक विद्यालय भीखमपुरवा में कक्षा 1 की छात्रा है अनामिका

तिरंगा लेकर 6 वर्षीया अनामिका ने एक घंटे में दौड़कर तय की 10 किमी की दूरी

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: मिशन शक्ति .5 अभियान के तहत शुक्रवार को 6 वर्षीय अनामिका ने हौंसलों की उड़ान भरी तो उसकी हिम्मत और जोश को देखकर हर कोई अचंभित रह गया। दावे के उन्होने अनामिका ने एक घंटे में 10 किमी की दूरी को दौड़कर पूरा किया। हाथ में तिरंगा लेकर दौड़ लगाती अनामिका जिसने भी देखा उसी ने अनामिका के हिम्मत की तारीफ की और उसका हौसला बढाया। दौड़ पूरी होने के बाद स्थानीय समाजसेवियों ने अनामिका को माला पहनाकर उसका उत्साहवर्धन किया।

6 वर्षीय नन्हीं उड़नपरी अनामिका इटियाथोक क्षेत्र के भीखमपुरवा गांव की रहने वाली है। उसके पिता मनोज मिश्रा प्राथमिक विद्यालय भीखमपुरवा में प्रधानाध्यापक हैं और अनामिका इसी विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा है। अनामिका ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन शक्ति अभियान को गति देने के क्रम में महात्मा गांधी की जयंती पर शुक्रवार को भवनियापुर खुर्द पुलिस चौकी से इटियाथोक बाजार तक दौड़ लगाने का ऐलान किया था। अनामिका ने दावा किया था कि वह 10, किमी की दूरी को बिना रुके एक घंटे में तय करेगी। उसकी इस दौड़ को लेकर लोगों में उत्सुकता थी। शुक्रवार की सुबह 6 बजे अनामिका ने भवनियापुर खुर्द पुलिस चौकी से अपनी दौड़ प्रारंभ की। हाथ में तिरंगा लेकर दौड़ लगाती अनामिका का जज्बा देखने लायक था। वह बिना थके, बिना रुके लगातार दौड़ रही थी। नन्ही सी बच्ची को सड़क पर दौड़ लगाते देख लोग उसके हिम्मत की दाद दे रहे थे और उसका हौसला बढ़ा रहे थे। अपने दावे के मुताबिक ठीक सात बजे अनामिका ने 10 किमी की दूरी को पूरा कर अपना लक्ष्य हासिल कर लिया। इटियाथोक पहुंचने पर स्थानीय समाजसेवियों ने उसे मावा पहनाकर उसका सम्मान किया और उसके जज्बे की सराहना की। दौड़ पूरी करने के बाद अनामिका ने कहा कि उसका सपना देश के लिए ओलंपिक में भाग लेने का है और इसके लिए वह लगातार मेहनत कर रही है। अनामिका कहती है कि चीन को पीछे करके देश के लिए गोल्ड मेडल हासिल करना है।

इंडिया बुक आफ रिकार्ड में नाम दर्ज करा चुकी है

अनामिका सिर्फ दौड़ ही नहीं लगाती वह पुशअप्स भी बेहद तेजी से लगाती है। पिछले वर्ष वह 8 मिनट में 240 पुशअप्श लगाकर इण्डिया बुक आफ रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करा चुकी है। अनामिका के इस उपलब्धि के लिए उसे "मैक्सिमम पुश अप्स ए फीमेल किड" का खिताब मिल चुका है। हाथ में तिरंगा ध्वज लेकर दौड़ लगाती अनामिका शुक्रवार को सोशल मीडिया पर छायी रही। इसके जज्बे व जोश को देखकर हर कोई उसकी सराहना करता दिखाई दिया।

पिता की निगरानी में कर रही तैयारी

अनामिका अपनी तैयारी अपने पिता व प्राथमिक विद्यालय भीखमपुरवा के प्रधानाध्यापक मनोज मिश्रा की देखरेख में कर रही है। मनोज का कहना है कि बचपन में जहां आमतौर पर बच्चे बाहर की वस्तुओं को खाने में अधिक रुचि दिखाते हैं वहीं अनामिका इन सब चीजों से बहुत दूर है। उन्होने उसके आहार के लिए रोस्टर तय कर रखा है। अनामिका बाहर की कोई पैकेट वाली वस्तु, तली भुनी चीजें, चीनी, चावल आलू आदि से काफी दूर है।

स्तनपान कराने वाली 58 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से ग्रसित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार देश में लगभग 58 प्रतिशत स्तनपान कराने वाली महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग (क्वीनमेरी) में भी बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं आ रही हैं। यह जानकारी क्वीनमेरी की प्रमुख डॉ. अंजू अग्रवाल ने साझा की। डॉ. अंजू अग्रवाल ने बताया इसकी प्रमुख वजह दो बच्चों के बीच उचित अंतराल न होना पाया गया। इसके पीछे की वजह जागरूकता की कमी है। लिहाजा क्वीनमेरी की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रसव बाद महिलाओं को गर्भनिरोधक साधनों के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिससे उन्हें अनचाहे गर्भ से बचाया जा सके। डॉ. अंजू अग्रवाल का कहना है कि गर्भावस्था के अलावा प्रसव के बाद छह महीनों तक आयरन और फोलिक एसिड की खुराक लेना जितना जरूरी है, गर्भनिरोधक का इस्तेमाल भी उतना ही जरूरी है।

डॉ. अंजू के मुताबिक अगर किसी महिला को पहले से ही एनीमिया है, तो उसे ठीक होने में समय लगता है। ऐसे में कम अंतराल पर या अनचाहा गर्भधारण जटिलताओं को और बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि दो बच्चों के बीच कम से कम तीन साल का अंतराल रखने से मां और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। अनचाहे गर्भधारण को समाप्त करने या गर्भपात होने से अक्सर खून की कमी हो जाती है, जिससे हीमोग्लोबिन का स्तर और कम हो जाता है। ऐसे में बार-बार गर्भधारण करने से न केवल महिला के शरीर पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि मातृ एवं शिशु मृत्यु का खतरा भी बढ़ जाता है।

आरोपी के परिजनों ने लड़की का फिर किया अपहरण

भदोही, एजेंसी

अमृत विचार: भदोही में 16 साल की एक किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोप में जेल में बंद आरोपी के परिजनों ने पीड़िता का कथित तौर पर फिर अपहरण कर लिया। उसने बताया कि इस संबंध में आरोपी के चार परिजनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है और किशोरी को बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना कोइरौना थानाक्षेत्र के एक गांव में 27 अप्रैल, 2025 को हुई थी और किशोरी के पिता ने नौ मई को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने विवेचना के बाद सिंटू विश्वकर्मा नामक युवक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई के तहत अपहरण, दुष्कर्म और पाक्सो अधिनियम में जेल भेजा था और किशोरी को बाल सुधार गृह भेजा था। प्रभारी निरीक्षक छोटक यादव का कहना है कि किशोरी कुछ दिन बाद बाल सुधार गृह से घर पहुंची। इस मामले में पाक्सो कोर्ट से सिंटू की ज़मानत ख़ारिज होने पर 23 सितंबर को किशोरी के घर पर सिंटू विश्वकर्मा के माता-पिता, चाची और सचिन विश्वकर्मा पहुंचे तथा गाली-गलौज करते हुए ज़बरदस्ती किशोरी को उठा ले गए। छोटक यादव ने बताया कि किशोरी के पिता ने एक अक्टूबर को मुकदमा दर्ज कर आरोप लगाया है कि उसकी बेटी को जेल में बंद सिंटू के परिजन ये कहते हुए ज़बरदस्ती उठा ले गए कि किशोरी का कोर्ट में बयान दिलाकर एवं उसकी हत्या कर लाश भेज देंगे।

लखनऊ से दिल्ली गुजरने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों में अभी भी सीटें खाली

लखनऊ। त्योहार मनाने घर जाना है तो ट्रेनों सीटें बुक करा लें, क्योंकि लखनऊ से गुजरने वाली कई एक्सप्रेस ट्रेनों में अभी सीटें खाली हैं। उत्तर रेलवे प्रशासन ने खाली सीटों की जो सूची जारी की है, उसके अनुसार एसी बोगियों में सीटें ज्यादा खाली हैं। स्लीपर क्लास में ट्रेन संख्या 14207 पद्मावत एक्सप्रेस में 10 अक्टूबर को 115 सीटें, 12184 मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ – भोपाल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 6 अक्टूबर को 211 और 8 अक्टूबर को 275 सीटें खाली हैं। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक कुलदीप तिवारी ने बताया है कि लखनऊ से नई दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल 12229 में 10 अक्टूबर से 3 एसी इकोनॉमी में 32 सीटें रिक्त हैं। 12003 लखनऊ जं – नई दिल्ली स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में 2 अक्टूबर को चेयरकार में 43, 3 अक्टूबर को 189, 6 अक्टूबर को 359, 7 अक्टूबर को 476 सीटें, 8 अक्टूबर को 574 सीटें उपलब्ध हैं। गाड़ी संख्या 12231 लखनऊ – चंडीगढ़ सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 7 अक्टूबर को 3 एसी इकोनॉमी में 28, 8 अक्टूबर को 3 एसी में 45, 9 अक्टूबर को 3एसी में 43, 3एसी इकोनॉमी में 57 और 10 अक्टूबर 3एसी इकोनॉमी में 69 सीटें खाली हैं। 20401 वाराणसी – लखनऊ सुपरफास्ट शटल एक्सप्रेस में 7 अक्टूबर को 3 एसी में 25 , चेयरकार में 46, 8 अक्टूबर को 3 एसी में 50, चेयरकार में 74, 9 अक्टूबर को 3 एसी में 37, चेयरकार में 75 सीटें उपलब्ध हैं। 22417 वाराणसी – नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस, 14207 पद्मावत एक्सप्रेस, गोरखपुर वंदे भारत में सीटें खाली है।

ब्रीफ न्यूज

फार्मर रजिस्ट्री : प्रदेश में आठवें स्थापन पर जिला

बरेली, अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री बनाने के मामले में प्रदेश में जिला आठवें स्थान पर है। शासन ने सितंबर माह की रैंकिंग जारी की है। अगस्त में जिला सातवें स्थान पर था। आंकड़ों के अनुसार एक पायदान नीचे आया है, मगर टॉपटेन में शामिल है। 40 जिले ऐसे हैं, जो प्रदेश के औसत 39 फीसदी से भी पीछे चल रहे हैं। पीलीभीत जिला प्रदेश में पांचवें स्थान पर है। जिले में 5 .42 लाख किसान प्रधानमंत्री सम्मान निधि के लिए पंजीकृत हैं। फार्मर रजिस्ट्री में किसानों की पहचान, भूमि रिकॉर्ड फसल की जानकारी आदि दर्ज होती है। पीएम सम्मान निधि के लिए लगातार कैंप लगाए जा रहे हैं। प्रदेश में 30 सितंबर तक 2 .88 करोड़ किसानों में से डेढ़ करोड़ के करीब फार्मर आईडी बनी है। प्रदेश के पांच सबसे फिसड्डी जिलों में प्रतापगढ़, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर और वाराणसी शामिल हैं। बरेली में 56 .80 और पीलीभीत जिले में 57 .58 फीसदी आईडी बनाने काम पूरा हो चुका है। बदायूं की स्थिति मंडल में सबसे खराब है। उप कृषि निदेशक अमरपाल सिंह ने फार्मर रजिस्ट्री के काम को तेज गति के साथ पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

दो सौ पुलिस कर्मी सादे कपड़ों में तैनात

बरेली, अमृत विचार : संवेदनशील इलाकों समेत धार्मिक स्थलों के आस-पास सादे कपड़ों में दो सौ पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। जो हर एक संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रहेंगे। इन पुलिस कर्मियों के साथ खुफिया विभाग को भी लगाया गया है। कहीं से भी खुराफात या संवेदनशील सूचनाए मिलने पर टीम को अलर्ट कर दिया जाएगा, जिससे जुमे की नमाज अदा होने के बाद किसी भी तरह की कोई समस्या न हो। साथ ही सोशल मीडिया पर बवाल के पहले और बवाल के बाद वीडियो पोस्ट करने वाले दो यूट्यूबरों को चिन्हित किया गया है। ये दोनों लोगों को भड़काने वाले वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। इतना ही नहीं लाठीचार्ज करने के पहले ही लाठीचार्ज होने की अफवाह तक फैलाने में जुटे हुए थे। पुलिस इस तरह के कई यूट्यूबरों पर पैनी नजर जमाए हुए है। एसएसपी अनुराग आर्य ने पहले ही साफ किया है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाएगा।

इन इलाकों को सुपर जोन में किया गया विभाजित

बरेली, अमृत विचार : शहर में चार सुपर जोन बनाए गए हैं। इसमें सुपर जोन एक में बिहारीपुर इलाके से लेकर मलूकपुर शामिल है। सुपर जोन दो में नौमहला, खलील तिराहा समेत नावेल्टी को शामिल किया गया है। सुपर तीन में कोहाड़ापीर, बासमंडी समेत कुतुबखाना को रखा गया है। सुपर जोन चार में हजियापुर, शहामतगंज समेत पूरा पुराना शहर को रखा गया है। चार स्पेशल जोन में पहला जोन किला, बाकरगंज, जखीरा समेत कुछ अन्य इलाके शामिल हैं। जबकि, दो में सैलानी, तीन में नकटिया और चार में प्रेमनगर समेत बानखाना को रखा गया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों का जीवन में करें पालन: डीएम

धूमधाम से मनाई गई महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती, शहर में निकाला शांति मार्च, बांटे गए दिव्यांगों को उपकरण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिले भर में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। कलेक्ट्रेट समेत सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में ध्वजारोहण कर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। स्कूल-कॉलेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विभिन्न प्रतियोगिताएं भी हुई।

कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण कर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों जीवन दर्शन, भावनात्मक एकता, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता एवं उनके द्वारा बताए गए मार्ग प्रकाश पर डाला। कहा कि दोनों विभूतियों ने देश स्वतंत्रता में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके जीवन से हमें आज भी प्रेरणा मिलती है।

इस दौरान डीएम ने चरखे से सूत भी काटा। 10 दिव्यांगों को सहायक उपकरण ट्राई साईकिल, व्हीलचेयर, श्रवणयंत्र कलेक्ट्रेट परिसर में वितरित किए। कलेक्ट्रेट स्थित नवगृह वाटिका में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गांधी सभागार में आयोजित की गई वाद विवाद, चित्रकला, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया। बांसुरी वादन किया गया और बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जनपद के सबसे स्वच्छ मोहल्लों/वार्ड के सफाई नायक, सफाई कर्मियों और सभासदों को सम्मानित किया। संचालन मंसूर अहमद शम्सी ने किया।

उपाधि महाविद्यालय पहुंचकर परिसर में सिंदूर का पौधा रोपित किया। शान्ति एकता मार्च वाटर वर्क्स से हरी शुरू हुआ, जिसे डीएम ने झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त शान्ति एकता मार्च वाटर वर्क्स ड्रमंडगंज चौराहा, मुख्य बाजार, सुनगढ़ी होते हुए गांधी स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। स्टेडियम से सुनगढ़ी थाने तक व्यापारियों व आमजन को पेपर बैग वितरित किए और पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने की अपील की। मेडिकल कॉलेज पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए गए। एनआरसी में भर्ती बच्चों को फल व खिलौने वितरित किए। इस मौके पर एडीएम ऋतु पूनिया, एडीएम न्यायिक रोशनी यादव, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर समेत अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। उधर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने पुलिस लाइन में राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। इससे पूर्व महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित किए गए। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनका नमन किया। जन सहयोग कार्यालय पर आयोजित इस कार्यक्रम में ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार, राज्य मंत्री के अनुज विजय सिंह गंगवार आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में चरखे से सूत काटते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

जिला पंचायत अध्यक्ष ने दिलाई शपथ

जिला पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर ने झंडारोहण किया। दोनों महापुरुषों के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। सभी कर्मचारियों से स्वच्छता अभियान चलाने और कर्तव्य निष्ठा के साथ अपने कार्यों का निष्पादन करने की शपथ दिलाई। इसके बाद वीरांगना अवंती बाई जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज में पहुंची और स्वच्छता अभियान चलाये जाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस मौके पर महेंद्र सिंह, नरेंद्र प्रसाद, मुकेश प्रसाद, रमेश चंद्र, राकेश गुप्ता, रोहनलाल, मदनलाल, रोहतास, वीरेन्द्र शर्मा, प्रधानचार्या अजय चौहान आदि मौजूद रहे।

बरखेड़ा में भी हुए कई जगह कार्यक्रम

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कार्यक्रम हुए। स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली। सीएचसी, थाना परिसर, विद्युत उपकेंद्र, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण किया गया। गांव मचवाखेड़ा स्थित आवासीय वृद्ध आश्रम पर कार्यक्रम हुआ। एसडीएम बीसलपुर नागेंद्र पांडेय ने वृद्धों को फल एवं मिष्ठान वितरित कराया। पंडित देवदत शर्मा जनता इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य हरचरन लाल, नगर पंचायत कार्यालय पर अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल, ब्लॉक संसाधन केंद्र पर बीईओ अजय कुमार, विकासखंड कार्यालय पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश कुमार गंगवार, राजकीय हाईस्कूल आमडार में प्रधानाचार्य भारती दीक्षित ने ध्वजारोहण किया।

बिलसंडा में भी गांधी और शास्त्री का नमन

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती धूमधाम से मनाई गई। महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्कूलों और कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। नगर पंचायत कार्यालय में चेयरमैन डीके गुप्ता समेत अन्य सभासद शामिल हुए। ब्लॉक कार्यालय, पशु चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजकीय महाविद्यालय आदि में कार्यक्रम हुए।

गांधी और शास्त्री का किया नमन

पीलीभीत, अमृत विचार : पुष्प इंस्टीट्यूट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। निदेशक अनुज भटनागर, प्राचार्य डॉ. मोहम्मद सलीम, उप-प्राचार्या डॉ. गीतिका शुक्ला ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उनके बारे में विस्तार से विद्यार्थियों को बताया गया। इस मौके पर डॉ. विनीता, हरेन्द्र सिंह, डॉ. ओम महेश, प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र गंगवार आदि मौजूद रहे।

सपाइयों ने भी बापू और शास्त्री का किया नमन: समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। नकटादाना चौराहा स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा, जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार उर्फ राजू ने पूरनपुर के गांधी पार्क में कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर बापू को नमन किया। कहा महात्मा गांधी ने अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों को अपनाकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फरहत का आवास आज हो सकता सील, परिवार ने सामान हटाया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● मौलाना को शरण देने वाले फरहत को पुलिस भेज चुकी है जेल

अमृत विचार : मौलाना तौकीर रजा को शरण देने के वाले फाइक एन्क्लेव निवासी फरहत को पुलिस गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। इसके साथ ही बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने भी फरहत के आवास को शुक्रवार को सील करने की पूरी तैयारी कर ली है।

मकान पर बीडीए की कार्रवाई की आशंका में परिजनों ने जरूरी सामान अन्य रिश्तेदारों के यहां शिफ्ट कर दिया है। आईएमसी के नेता मौलाना तौकीर रजा के करीबी और शरण देने वाले फरहत को जेल भेजने के अगले ही दिन बीडीए की टीम ने फाइक एन्क्लेव के फेज टू स्थित आवास का सर्वे किया था। इसके बाद बीडीए के अफसरों ने बीते बुधवार को फरहत के परिजनों को नोटिस जारी कर आवास खाली कराने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को आवास में रखा जरूरी सामान भी अपने रिश्तेदारों के यहां शिफ्ट कर दिया है।

मौलाना तौकीर के करीबियों के 100 अवैध निर्माण चिह्नित

बीडीए ने मौलाना तौकीर रजा के करीबियों के खिलाफ कार्रवाई की मन बना लिया है। बीडीए ने मौलाना के करीबियों के अवैध निर्माणों की सूची तैयार कर ली है। बीडीए अफसरों के अनुसार, शहर में 100 से अधिक अवैध निर्माण चिह्नित किए हैं जो कि बानखाना, पुराना शहर, जगतपुर समेत करीब एक दर्जन इलाकों में हैं। बीडीए की ओर से इन निर्माणों के खिलाफ भी जल्द कार्रवाई आरंभ की जाएगी।

शहर की थाना पुलिस फोर्स को रखा गया फ्री

बरेली, अमृत विचार : संवेदनशील इलाकों समेत अन्य स्थानों पर नजर रखने के लिए शहर के सभी थाना पुलिस फोर्स को पूरी तरह से फ्री रखा गया है। जो संवेदनशील स्थानों समेत खास तौर पर विवादित स्थलों पर नजर रखेगी। इसके साथ ही अगर कहीं पर भी विवाद होने की सूचना मिलती है तो पुलिस की टीम फौरन मौके पर पहुंच कर कड़ी कार्रवाई करेगी। पिछली बार भी शहर की पुलिस फोर्स को अधिकतर फ्री रखा गया था। जिसने जरूरत के अनुसार मौके पर पहुंच कर मोर्चा संभाला था।

जुमा की नमाज के बाद सीधे घरों को जाएं मुसलमान : मौलाना शहाबुद्दीन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

दरगाह आला हजरत की अपील, प्रशासन का करें सहयोग

बरेली, अमृत विचार : दरगाह आला हजरत की ओर से भी जुमे की नमाज को लेकर शांति बनाए रखने की अपील की गई है। दरगाह के संगठन जमात रजा ए मुस्तफा की तरफ से जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि सभी लोग सद्भाव बनाकर प्रशासन का सहयोग करें। इसके साथ ही मस्जिदों के इमाम से आग्रह किया गया है कि जुमे की नमाज में अमन, प्यार और मोहब्बत के लिए दुआ करें। सुन्नी मरकज सूफिज्म का केंद्र दरगाह आला हजरत से जमात रज़ा-ए-मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान हसन खान (सलमान मियां) ने शहर की मस्जिदों के इमाम और लोगों से अपील की है कि हाल ही में शहर में हुई घटना को देखते हुए सभी लोग शांति और भाईचारे के साथ रहें। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। आपकी सुरक्षा और अमन हमारे लिए सर्वोपरि है। इमाम आज होने वाली जुमे की नमाज में शहर में अमन, प्यार और मोहब्बत के लिए दुआ करें। उन्होंने कहा कि बरेली को आला हजरत के नाम से जाना जाता है। बरेली से हमेशा प्यार और मोहब्बत का पैगाम दिया जाता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी अफवाह का हिस्सा न बनें और न ही उसे सोशल मीडिया पर फैलाएं। आपस में शांति व भाईचारे की मिसाल कायम करें। साथ ही सभी मुसलमानों से अपील की है कि जुमा की नमाज अदा करने के बाद अपने-अपने घरों को लौट जाएं। किसी तरह की बेवजह भीड़भाड़ से बचें और दुरुद शरीफ पढ़ें।

शुक्रवार की घटना अफसोसनाक है। ऐसे में आगामी शुक्रवार को नमाज पढ़कर सीधे अपने घरों को वापस जाएं। चौक और चौराहों पर भीड़ का हिस्सा न बनें, अगर कोई व्यक्ति धरना-प्रदर्शन के लिए या इकट्ठा होने के लिए बुलाता है तो हरगिज न जाएं।

मौलाना ने मस्जिद के इमामों से अपील करते हुए कहा कि कुछ मस्जिद के इमाम राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं। अब उनको बखूबी सोचना होगा और ऐसे राजनीतिक लोगों से अपना रिश्ता नाता खत्म करना होगा। इमामों से गुजारिश है कि बरेली के सियासी हालात को देखते हुए अपनी-अपनी मस्जिदो में अमन व शांति बनाए रखने की अपील करें और नौजवानों को समझायें कि किसी के बहकावे व भड़कावे में न आएं। मौलाना ने आगे कहा पैगंबर-ए-इस्लाम से मुहब्बत करना हमारा ईमान व अकीदा है, मगर उनकी शिक्षा पर अमल करना बेहद जरूरी है।

एक करोड़ से अधिक की बिजली चोरी में मिलीभगत की आशंका

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बानखाना के रजा चौक पर सपा पार्षद के अवैध ई रिक्शा चार्जिंग स्टेशन और मौलाना तौकीर रजा के बहनोई के परिसर समेत अन्य घरों पर मंगलवार को बिजली विभाग और विजिलेंस टीम ने एक करोड़ रुपये से अधिक की बिजली चोरी पकड़ी थी।

अब मुख्य अभियंता ने इतनी बड़ी बिजली चोरी पकड़े जाने के बाद अधिकारी और कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका होने पर विभागीय जांच शुरू करा दी है। जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। बानखाना मोहल्ले के रजा चौक में सपा पार्षद ओमान रजा, मौलाना तौकीर रजा खां के बहनोई मोहसिन रजा, पूर्व पार्षद मो. नदीम, बरकात रजा खान, यासीन मियां, मो. हसीन समेत कुल 8 जगह पर 77 किलोवाट की बिजली चोरी पकड़ी थी। इसके बाद एक करोड़ 12 लाख रुपये का शमन शुल्क लगाया गया है। इसके बाद मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने मामले की विभागीय जांच शुरू करा दी है। उन्होंने बताया कि बड़ी बिजली चोरी में क्षेत्रीय कर्मचारियों की मिलीभगत की जांच कराई जा रही है। अगर जांच में कोई भी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खुफिया विभाग की निगहबानी में रहेंगे नफीस

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● आईएमसी प्रमुख तौकीर रजा के बाद खुफिया विभाग ने अब डॉ. नफीस की खोली फाइल

अमृत विचार : आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बाद अब खुफिया विभाग ने डॉ. नफीस खान का कार्ड खोलते हुए फाइल खोली है। ऐसे में अब यह फाइल ताउम्र खुली रहेगी और इनकी गतिविधियों की लगातार निगरानी होती रहेगी।

जिले में किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था बिगड़ने की आशंका होने की स्थिति में पुलिस उन्हें फौरन गिरफ्तार करती रहेगी। साथ ही मौलाना के खास नदीम समेत अन्य करीबियों की भी खुफिया विभाग कुडली खंगाल रही है। जल्द ही इन लोगों का भी कार्ड समेत फाइल खोली जाएगी।

बता दें कि आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां पिछले कई सालों से धार्मिक के साथ ही राजनैतिक रूप से सक्रिय हैं। वह कई विवादित मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन कर बवाल करा चुके हैं। ऐसे में उनकी निगरानी पुलिस के साथ ही खुफिया विभाग भी रखती है। मौलाना तौकीर रजा खां का खुफिया विभाग ने काफी पहले कार्ड और फाइल खोल दी थी। हालांकि, मौजूदा समय में पुलिस ने उन्हें बवाल मामले में गिरफ्तार कर फतेहगढ़ जेल भेज दिया है।अब खुफिया विभाग ने उनके खास फर्जी डॉक्टर नफीस खान का कार्ड खोलते हुए फाइल खोल दी है। जो पूरे उम्र खुली रहेगी। ऐसे में अगर जिले में कभी भी कानून-व्यवस्था खराब होने की स्थिति बनती है तो पुलिस उन्हें फौरन गिरफ्तार करेगी। जबकि, नदीम खां समेत उनके सैकड़ों करीबियों की खुफिया विभाग कुंडली खंगाल रही है। जल्द ही उन सभी का भी कार्ड और फाइल खोली जाएगी। खुफिया विभाग उन लोगों का कार्ड और फाइल खोलती है जो कम से कम पांच सालों से विवादित मुद्दों को लेकर सक्रिय हों। इतना ही नहीं सरकार के फैसले को लेकर लगातार वह विरोध प्रदर्शन कर बवाल कराने की साजिश करते रहे हों।

मनरेगा में फर्जी हाजिरी पर लगेगा ब्रेक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

● कार्यस्थल पर ही एनएमएमएस एप से होगा श्रमिकों के चेहरे का सत्यापन

अमृत विचार : मनरेगा में श्रमिकों की फर्जी हाजिरी लगाने का खेल अब नहीं चलेगा। केंद्र सरकार ने कार्य स्थलों पर ही श्रमिकों के चेहरे से सत्यापन की नई व्यवस्था लागू कर दी है। इसके लिए राष्ट्रीय मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमएमएस) सॉफ्टवेयर तैयार किया है। जिसके जरिए मनरेगा में काम करने वाले श्रमिकों का सत्यापन कार्यस्थल पर ही उनके चेहरे से होगा। अफसरों के अनुसार जिले में नई व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू कर दिया गया है।

केंद्र सरकार की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना गांवों का विकास करने और ग्रामीणों का पलायन रोकने के उद्देश्य से लागू की गई है। जिले में 1188 ग्राम पंचायतों हैं। जिनमें 2.10 लाख जॉब कार्ड पंजीकृत हैं, इसमें एक लाख सक्रिय हैं। मनरेगा से गांवों में होने वाले कच्चे रास्ते, तालाब की खुदाई, सुंदरीकरण, आंगनबाड़ी, प्रधानमंत्री आवास योजना, नाली और खड़ंजा निर्माण जैसे कार्यों में मजदूरों को लगाया जाता है। योजना में जॉब कार्डधारक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 100 दिन का रोजगार देने का प्रावधान है। एक दिन का काम मानव दिवस के रूप में दर्ज होता है। अभी तक की व्यवस्था में फर्जीवाड़ा की गुंजाइश इसलिए बनी है कि कई बार प्रधान और सचिव एक कार्य की कई बार फोटो अपलोड दिखाकर पैसा निकाल लेते हैं। ई-केवाईसी की व्यवस्था शुरू होने से श्रमिक का कार्यस्थल पर ही आंखों की पुतली और चेहरा स्कैन किया जाएगा और उसके आधार नंबर से मिलान किया जाएगा। इसके जरिए एआई स्वतः ही श्रमिक की उपस्थिति दर्ज कर देगा। इसके बाद से गलत फोटो अपलोड करने की संभावना खत्म हो जाएगी। यदि किसी श्रमिक ने ई केवाईसी नहीं कराई तो उसकी हाजिरी नहीं लग सकेगी। ऐसा होने पर उसे मजदूरी भी नहीं मिलेगी।

सक्षम नहीं तो घर पर ही अपडेट करा सकते हैं आधार कार्ड

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : यदि आप आधार केंद्र तक जाने में सक्षम नहीं है तो आपको घर बैठे भी आधार कार्ड में संशोधन की सुविधा मुहैया हो जाएगी। इसके लिए आपको कुछ रकम खर्च करनी होगी।

इसके लिए आपको यूआईएडीएआई को मेल करना होगा और पूर्व निर्धारित फीस के रूप में 700 रुपये जमा करने होंगे। इसमें किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं की गई है। उधर, यूआईएडीएआई ने आधार कार्ड अपडेट कराने के शुल्क में बढ़ोत्तरी कर दी है। सामान्य अपडेट में 25 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है।भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार कार्ड अपडेट करने के शुल्क में एक अक्टूबर से बढ़ोतरी कर दी है। अब आधार कार्ड में किसी भी तरह की जानकारी अपडेट कराने के लिए आपको अधिक पैसे खर्च करने होंगे। नाम, पता, उम्र, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और फोटो जैसे सामान्य सुधार के लिए अब 75 रुपये देने होंगे, जो पहले 50 रुपये थे। इसके अलावा, बायोमेट्रिक जानकारी जैसे फोटो, फिंगरप्रिंट और आइरिस अपडेट कराने के लिए अब 125 रुपये देने होंगे, जो पहले 100 रुपये थे।

कार्यालय स्वास्थ्य विभाग नगर निगम बरेली

पत्रांक : 161/स्वा.वि./उप न.स्वा.अधि./2025-26 दिनांक : 30.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगर आयुक्त महोदय की स्वीकृति दिनांक 27.09.2025 के अनुपालन में नगर निगम बरेली के क्षेत्र से उत्पाती बन्दर पकड़कर जंगल (पीलीभीत व शाहजहाँपुर वन क्षेत्र) में छोड़े जाने हेतु डबल बिड ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जो ई-निविदायें ई-निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाईट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है। शासनादेश संख्या-/नौ-5-2018-149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-5 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर 2019 के क्रम में ठेके से उक्त कार्य कराने हेतु ई-निविदा डबल बिड पद्धति (तकनीकि एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदायें अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। तथा अन्य शर्ते एवं वितरण उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है। ई-निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	03.10.2025 (01:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	03.10.2025 (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	24.10.2025 (03:00 PM)
तकनीकी बिड खोली जाने की तिथि/समय	स्वीकृति उपरान्त
वित्तीय बिड खोले जाने की तिथि/समय	स्वीकृति उपरान्त

क्र.सं.	कार्य का नाम	जमानत धनराशि	निविदा शुल्क स्वीकृति उपरान्त	18% GST	निविदा मूल्य 18%
01.	नगर निगम बरेली के 01 से 80 वार्डो के क्षेत्रों में से विभिन्न स्थानों पर आतंकी/उत्पाती व कटखने बन्दरों (ए. वे बोर्ड द्वारा समय-समय पर दी गयी गार्डलाईन्स के अनुसार) को पकड़कर जंगल (पीलीभीत व शाहजहाँपुर वन क्षेत्र) में छोड़ने जाने (जी.पी.एस. फोटो सहित) हेतु दर मय जी.एस.टी. सहित प्रति बन्दर देनी है (लगभग 10,000 बन्दर स्वीकृति के दिनांक से एक वर्ष के लिए)	1,98,000.00	6600.00	1180.00	7780.00

उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी
नगर निगम बरेली।

भारत ने यूएई से बढ़ते आयात पर जताई चिंता

नई दिल्ली। भारतीय प्राथमिक तांबा उत्पादक संघ (आईपीसीपीए) ने भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से तांबे की छड़ों के बढ़ते आयात पर चिंता जाहिर की और आगाह किया कि इस प्रवृत्ति से तांबा शोधन में घरेलू निवेश को खतरा है। भारतीय उत्पादकों में 1996 से हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, वेदांता लिमिटेड और कच्छ कॉपर लिमिटेड (अडाणी समूह) ने 12.5 लाख टन की घरेलू परिष्कृत तांबा उत्पादन क्षमता का निर्माण किया है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एसकेएफ 1,460 करोड़ करेगा निवेश

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली प्रमुख कंपनी एसकेएफ इंडिया समूह क्षमता विस्तार और एक नया कारखाना लगाने समेत मोटर वाहन और औद्योगिक क्षेत्रों में 2030 तक 1,460 करोड़ रुपये तक निवेश करने की योजना बनाई है। समूह ने अपने वाहन और औद्योगिक कारोबार को अलग कर लिया है। कंपनी को उम्मीद है कि अलग हुई औद्योगिक इकाई एसकेएफ इंडिया (इंडस्ट्रियल) लिमिटेड आवश्यक अनुमोदन के बाद इस वर्ष नवंबर तक सूचीबद्ध हो जाएगी। एसकेएफ इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि औद्योगिक कारोबार का विभाजन एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने इस योजना को मंजूरी दे दी है।

कोयम्बटूर-अहमदाबाद उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने कोयम्बटूर और अहमदाबाद के बीच 26 अक्टूबर से उड़ान शुरू करने की घोषणा की है। इंडिगो ने बताया कि इन दोनों शहरों के बीच सीधा संपर्क प्रदान करने वाली वह अकेली एयरलाइंस होगी। यह सेवा सप्ताह में चार दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को उपलब्ध होगी। इस मार्ग पर वह एयरबस के ए320 विमान का परिचालन करेगी। कंपनी का कहना है कि कोयम्बटूर उद्योग और शिक्षा का केंद्र है जबकि अहमदाबाद की पहचान वाणिज्य और कारोबार के केंद्र के रूप में है। दोनों शहरों के बीच यात्रा की काफी मांग है। इंडिगो के बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि अहमदाबाद और कोयम्बटूर के बीच सीधी सेवा शुरू करने दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

दो साल में आईपीओ लाएगी एग्रीटेक स्टार्टअप

नई दिल्ली। एग्रीटेक स्टार्टअप कंपनी आर्या.एजी ने दो साल में अपना कर पूर्व मुनाफा दोगुना करने और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की योजना बनाई है। कंपनी के सह-संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक आनंद चंद्रा ने कहा कि आर्या.एजी मुख्यतः तीन प्रकार के कारोबार में है। वह किसानों को उनका अनाज रखने के लिए वेयरहाउस की सुविधा मुहैया कराती है, वेयरहाउस में रखे उनके अनाज के बदले उन्हें ऋण देती है और अनाज बिकवाने में किसानों की मदद करती है। 21 राज्यों के 350 से जिलों में कंपनी की उपस्थिति है।

5 हजार का खादी जरूर खरीदें : शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने की महात्मा गांधी की जयंती पर खादी महोत्सव-2025 की शुरुआत

- भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर परिवार से हर साल खादी खरीदने की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वदेशी को बढ़ावा देने और साल 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर परिवार से हर साल 5,000 रुपये का खादी का सामान खरीदने की अपील की है। शाह ने यहां खादी ग्रामोद्योग भवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर गुरुवार को खादी महोत्सव 2025 की शुरुआत की।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने आजादी के अभियान में कई ऐसे विचारों को चुना जो भविष्य के भारत का नक्शा तैयार करने में महत्वपूर्ण साबित हुए। उसी में दो बड़े विचार स्वदेशी और खादी थे। दोनों को आजादी की लड़ाई से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय तक इन दोनों विचारों को भुला दिया गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों अभियानों को सफल करने के लिए मैं आज देश की जनता से अपील करता हूं कि हर परिवार कम से कम 5,000 रुपये का खादी (का सामान) सालान खरीदे। चाहे आप चादर या तकिये का खोल ले लीजिये, चाहे पर्दे या तौलिये। ये चीजें जब आप खरीदते हैं तो आप किसी के लिए रोजगार का कारण बनते हैं। और जब आप स्वदेशी का व्रत अपनाते हैं तो 2047 तक भारत को दुनिया में सर्वोच्च स्थान तक ले जाने के लिए एक महत्वाकांक्षी अभियान के साथ अपने-आप को जोड़ते हैं।

उन्होंने लोगों से खादी और स्वदेशी के अभियान को ताकत देने तथा अपने स्वभाव का हिस्सा बनाने की अपील की और कहा कि हमें ये दोनों अभियान अगली पीढ़ी को भी देकर जाना चाहिये।

खादी महोत्सव के दौरान दो अक्टूबर से पांच नवंबर तक खादी के सभी सामानों पर 20 प्रतिशत और खादी ग्रामोद्योग के तहत बने अन्य सामानों पर 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

सरकार के प्रयास से 2014 से आज तक खादी में हुई कई गुणा की बढ़ोतरी

शाह ने कहा कि मोदी के प्रयासों के कारण फिर से खादी एक प्रकार से जन-जन की उपयोग की चीज बनी है। उसका प्रत्यक्ष प्रमाण है कि 2014 से आज तक खादी में कई गुणा की बढ़ोतरी हुई। आज खादी ग्रामोद्योग का टर्नओवर 1.70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हजारों परिवारों ने तय किया कि हमारे परिवार में कोई विदेशी वस्तु का उपयोग नहीं होगा। हजारों-लाखों दुकानदारों ने तय किया है कि हमारी दुकान में विदेशी माल की बिक्री नहीं होगी।

इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण योजना को 1.15 लाख करोड़ के मिले निवेश : वैष्णव

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्री बोले- तय लक्ष्यों की तुलना में निवेश, रोजगार व उत्पादन के लक्ष्यों से कई गुना

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना को 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। उन्होंने कहा कि योजना को बनाते समय निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में ये प्रस्ताव निवेश, रोजगार और उत्पादन के लक्ष्यों से कई गुना अधिक हैं।

वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लिए आवेदन की अवधि 30 सितंबर को समाप्त हो गई। हमें 1,15,351 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। कुल आवेदनों में से 60% छोटे एवं मझोले उद्यमों से आए हैं। करीब 60% आवेदन एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) से आए हैं। यह बहुत उत्साहजनक है क्योंकि जब छोटी कंपनियां कार्यक्रम और नीति पर विश्वास दिखाती हैं तो यह एक बड़ा बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के तहत करीब 59,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त करने की परिकल्पना की है और पूंजीगत उपकरण खंडों के लिए आवेदन अब भी दिए जा सकते हैं। चीन वर्तमान में पूंजीगत उपकरण क्षेत्र में हावी है और उसने देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के लिए वस्तुओं, विशेष रूप से आईफोन की आपूर्ति अनौपचारिक रूप से रोक दी थी।

वैष्णव ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विनिर्माण में उपयोग की जाने वाली सामग्रियों के उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। कुल 249 कंपनियों ने आवेदन जमा किए हैं जिनकी मंजूरी से पहले एक समिति द्वारा जांच की जाएगी। वैष्णव ने कहा कि सभी आवेदनों की जांच अब एक समिति करेगी और हमें उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। यह प्रोत्साहन उन कंपनियों को 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा जो दिशानिर्देशों के अनुसार अपने निवेश, उत्पादन आदि लक्ष्यों को जल्द से जल्द पूरा करेंगी। 4,56,500 करोड़ रुपये के उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले हमें 10,34,000 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादन अनुमान प्राप्त हुए हैं।

म्यूचुअल फंड में नुवामा वेल्थ ने किया प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रायोजक के रूप में भूमिका के लिए भी सेबी से मिली मंजूरी

वित्तीय सेवा कंपनी नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को अपने प्रस्तावित म्यूचुअल फंड व्यवसाय की स्थापना के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट ने बताया कि सेबी ने एक अक्टूबर 2025 को पत्र के माध्यम से कंपनी को प्रायोजक के रूप में कार्य करने और प्रस्तावित नुवामा म्यूचुअल फंड की स्थापना करने की मंजूरी दे दी है।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को इससे विशेष निवेश फंड श्रेणी सहित म्यूचुअल फंड के अंतर्गत योजनाएं शुरू करने में मदद मिलेगी। म्यूचुअल फंड के पंजीकरण के लिए अंतिम मंजूरी सेबी द्वारा दी जाएगी, बशर्ते कंपनी कुछ आवश्यकताओं को पूरा करे।

कंपनी ने शेयर बाजार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को आवेदन करने के बारे में जनवरी में सूचित किया था, जिसमें नुवामा म्यूचुअल फंड के प्रायोजक के रूप में कार्य करने की मंजूरी मांगी गई थी।

भारत 37 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय से बनेगा पेट्रोकेमिकल का केंद्र : एसएंडपी

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योग क्षमता को और बढ़ा सकती है आत्मनिर्भरता

विश्लेषक शॉन पार्क ने कहा कि चीन और भारत की आत्मनिर्भरता की पहल उद्योग में क्षमता को और बढ़ा सकती है, खासकर जब वैश्विक मांग धीमी है और व्यापार तनाव जारी हैं। रेटिंग एजेंसी ने चेतावनी दी है कि एशियाई पेट्रोकेमिकल निर्यातकों के लिए अमेरिका जैसे बड़े बाजारों में निर्यात करना महंगा हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी शुल्कों के कारण विकल्प सीमित हैं। इसके बावजूद, मजबूत घरेलू मांग के चलते भारतीय उत्पादकों की आय को अपेक्षाकृत सुरक्षा प्राप्त रहेगी। रिपोर्ट कहती है कि भारत वर्ष 2030 तक पॉलीएथिलीन का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन सकता है और वैश्विक पेट्रोकेमिकल उद्योग में उसकी स्थिति मजबूत होगी।

आत्मनिर्भरता बढ़ाने को 37 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना के दम पर भारत जल्द वैश्विक पेट्रोकेमिकल उद्योग में प्रमुख स्थिति हासिल कर सकता है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई है।

पेट्रोकेमिकल आपूर्ति के नए परिदृश्य पर केंद्रित इस रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की तरह भारत की भी पेट्रोकेमिकल क्षमता में आक्रामक विस्तार की नीति एशिया के पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अधिक आपूर्ति से उपजे दबाव को बढ़ा सकती है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पेट्रोकेमिकल उपभोक्ता देश भारत अब तक घरेलू मांग पूरी करने के लिए आयात पर निर्भर रहा है, लेकिन अब आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। एसएंडपी का अनुमान है कि 2030 तक वैश्विक नई पेट्रोकेमिकल क्षमता में भारत की हिस्सेदारी एक तिहाई हो जाएगी। सार्वजनिक उपक्रमों के जरिये भारत रिफाइनरी क्षमता के विस्तार पर 25 अरब डॉलर का निवेश करेगा जबकि निजी क्षेत्र का 12 अरब डॉलर का निवेश अपेक्षाकृत लचीला होगा। एसएंडपी के क्रेडिट विश्लेषक केर लिआंग चान ने कहा कि भारत की यह क्षमता विस्तार योजना चीन के समान है और एशियाई पेट्रोकेमिकल उद्योग में प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाएगी। भारत की घरेलू मांग, खासकर पॉलीएथिलीन जैसे उत्पादों की, निर्माताओं की आय को बनाए रखने में मदद करेगी, भले वैश्विक कंपनियों को मूल्य दबाव व संभावित उद्योग एकीकरण का सामना करना पड़े।

आईटी की वृद्धि होगी धीमी, एआई संचालित क्षेत्र में होगा सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी

- एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च ने जारी की रिपोर्ट

भारतीय आईटी क्षेत्र में धीमी वृद्धि देखी जा रही है और उद्योग के हालिया परिणाम वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सुस्त परिदृश्य की ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि प्रमुख निर्यात बाजारों में सुधार और नई प्रौद्योगिकी को अपनाने के साथ वित्त वर्ष 2026-27 में सुधार संभव है।

एचएसबीसी ग्लोबल रिसर्च के अनुसार, ग्राहकों के बीच निकट भविष्य में विवेकाधीन व्यय कमजोर बना हुआ है लेकिन अगले वित्त वर्ष में इसमें तेजी आने के संकेत हैं खासकर जब उद्यमों के बीच कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने की गति बढ़ रही है। रिसर्च ने कहा कि हालांकि निकट अवधि में मांग का माहौल नरम और अपरिवर्तित बना हुआ है लेकिन वित्त वर्ष 2026-27 में उद्यम स्तर पर एआई को अपनाने की इच्छुक आईटी कंपनियों की मांग में वृद्धि से मांग में तेजी आने की संभावना है...। प्रमुख संकेतक दर्शाते हैं कि भारतीय आईटी क्षेत्र को वैश्विक व्यापक आर्थिक अनिश्चितता, ग्राहक लागत अनुकूलन और निर्णय लेने में देरी से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। टीसीएस, इन्फोसिस और एचसीएलटेक जैसी कंपनियों ने पहली तिमाही में मजबूत बुकिंग और सौदों की पाइपलाइन की सूचना दी फिर भी वास्तविक राजस्व वृद्धि का अनुमान 1-5% पर सीमित है।

राष्ट्रीय

धर्म, जाति के भेदभाव के बिना सबको गले लगाता है आरएसएस

उपराष्ट्रपति बोले- समावेशी दृष्टिकोण ने संघ को सफल बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी

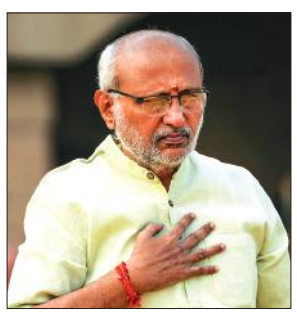

- सेवा परमो धर्म: के आदर्श से प्रेरित है स्वयंसेवक

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूरे होने पर गुरुवार को कहा कि यह संगठन धर्म, जाति या भाषा के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी को गले लगाता है और यह विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस 'समावेशी दृष्टिकोण' ने आरएसएस और उसके संबद्ध संगठनों को स्थायी रूप से सफल बनाया है, जिससे राष्ट्र की सर्वांगीण प्रगति हुई है।

राधाकृष्णन ने 'एक्स' पर कहा कि विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रभक्त संगठन 100 वर्ष का हो चुका है। संघ का सबसे बड़ा योगदान ऐसे आत्मानुशासित और उत्तरदायी नागरिक हैं, जो सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि 1925 में केशव बलिराम हेडगेवार जी द्वारा स्थापित किए जाने के बाद से, संघ ने युवाओं को मजबूत आंतरिक चरित्र निर्माण और निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने के लिए प्रेरित किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सेवा परमो धर्मः के आदर्श से प्रेरित स्वयंसेवकों को चाहे बाढ़, अकाल, भूकंप या अन्य किसी भी आपदा का सामना करना पड़े, वे बिना किसी अपेक्षा या आदेश की प्रतीक्षा के, संगठित होकर पीड़ितों की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह निस्वार्थ सेवा राष्ट्र के लिए एक अद्वितीय और अमूल्य उपहार है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा करते हुए कभी धर्म, जाति या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं, जब भारत विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस महान यात्रा में संघ की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है और समय के साथ उसकी यह प्रेरक भूमिका निरंतर बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर मैं समाज की सेवा में उसके निरंतर योगदान और राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और प्रगति के महान उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

नड्डा ने की राष्ट्र निर्माण में आरएसएस के अद्वितीय योगदान की सराहना

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक समूह (आरएसएस) ने युवाओं को अपने जीवन का हर पल मातृभूमि की सेवा में समर्पित करने के लिए प्रेरित करके राष्ट्र निर्माण में अद्वितीय योगदान दिया है। 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित आरएसएस के 100 साल पूरे हो गए हैं। इस संगठन को सत्तारूढ़ भाजपा का वैचारिक स्रोत माना जाता है। नड्डा ने आरएसएस को सेवा, अनुशासन और राष्ट्रीय विचारों का प्रबल संवाहक बताया और असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि समाज में राष्ट्रीय विचारों का प्रसार कर समर्थ व अखण्ड भारत निर्माण के दिव्य ध्येय के साथ लोगों को जोड़ता यह संगठन असंख्य नागरिकों के लिए प्रेरणा का केंद्र है।

राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा को समर्पित रहा संघ : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर कहा कि संगठन के कार्यकर्ता सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर राष्ट्र की सेवा और सुरक्षा के लिए समर्पित रहे हैं। शाह ने कहा कि शीर्ष नेताओं से लेकर जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं तक, संघ ने अपनी स्थापना के इन 100 वर्षों में कई व्यक्तित्वों को गढ़ा है। विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं। संघ शताब्दी की इस विशाल यात्रा में मां भारती की सेवा, सुरक्षा और संवेदना के लिए अपना सर्वस्व अर्पण कर देने वाले आरएसएस के सभी साधकों को नमन करता हूं। सभी सुख-वैभव को त्यागकर एक स्वयंसेवक और प्रचारक के रूप में पूरा जीवन राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित कर देना आसान नहीं है।

अच्छे लोग राजनीति से दूर रह रहे हैं : कोविंद

नागपुर। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इस बात पर अफसोस जताया कि अच्छे लोग राजनीति से दूर रह रहे हैं और उन्होंने युवाओं से देश के राजनीतिक परिदृश्य का हिस्सा बनने का आह्वान किया। यहां रेशिमबाग मैदान में आरएसएस की वार्षिक विजयादशमी रैली को मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और डॉ. भीमराव आंबेडकर ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मैं डॉ. आंबेडकर और डॉ. हेडगेवार द्वारा साझा की गई राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता के मूल्यों से प्रेरित हुआ। संघ में न तो जातिवाद है और न ही भेदभाव। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि संघ संस्थापक के विचारों ने उन्हें समाज और राष्ट्र को स्पष्ट रूप से समझने में मदद की।

मोहन भागवत का उद्बोधन प्रेरक : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी बोले- सरसंघचालक ने राष्ट्र निर्माण में संघ के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के वार्षिक विजयादशमी संबोधन की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया और कहा कि उन्होंने भारत की नई ऊंचाइयों को छूने की अंतर्निहित क्षमता को उजागर किया।

मोदी ने एक्स पर लिखा कि परम पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने प्रेरक उद्बोधन में राष्ट्र निर्माण में संघ के अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला है। उन्होंने भारतवर्ष के उस सामर्थ्य को भी रेखांकित किया है, जो देश को सशक्त बनाने के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के लिए भी कल्याणकारी है। मोदी 1980 के दशक में भाजपा में शामिल होने से पहले आरएसएस के प्रचारक थे। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि हिंदू समाज की शक्ति और चरित्र एकता की गारंटी देते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हिंदू समाज में हम और वे की अवधारणा कभी अस्तित्व में नहीं रही। उन्होंने 'स्वदेशी' (देशीय संसाधनों का उपयोग) और 'स्वावलंबन' (आत्मनिर्भरता) का समर्थन करते हुए कहा कि पहलगाम हमले के बाद विभिन्न देशों द्वारा अपनाए गए रुख से भारत के साथ उनकी मित्रता के स्वरूप और प्रगाढ़ता का पता चला।

फारूकी की हत्या की सुपारी लेने वाले दो गैंगस्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहित गोदारा-गोल्डी बराड़-वीरेंद्र चारण गिरोह के दो सदस्यों को गुरुवार सुबह जैतपुर-कालिंदी कुंज रोड पर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें स्टैंडअप कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी की हत्या की सुपारी दी गई थी।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी राहुल और साहिल है जो हरियाणा के पानीपत और भिवानी के हैं। जांच अधिकारियों के अनुसार दोनों को विदेश में रहने वाले माफिया रोहित गोदारा से निर्देश मिलते थे, जो गोल्डी बराड़ और वीरेंद्र चारण के साथ मिलकर फारूकी की हत्या की साजिश रच रहा था। उन्होंने मुंबई और बेंगलुरु में फारूकी पर नजर रखी। फारूकी ने 2024 में रियलिटी शो 'बिग बॉस' जीता था और इंस्टाग्राम पर 1.42 करोड़ 'फॉलोअर्स' हैं।

मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली, नौ की मौत

इंदौर, एजेंसी

- पुलिस और प्रशासन के साथ एसडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीम तैनात

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में विजयादशमी पर गुरुवार को दुर्गा देवी की मूर्तियों के विसर्जन के दौरान तालाब में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से कम से कम नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इंदौर (ग्रामीण) रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पंधाना क्षेत्र में दुर्गा देवी की मूर्तियों को विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली श्रद्धालुओं समेत तालाब में पलट गई। उन्होंने बताया कि अब तक तालाब से नौ श्रद्धालुओं के शव निकाले जा चुके हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ ही राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान जारी है। एसडीआरएफ के एक और दल को मौके पर भेजा गया है।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र के अलग-अलग पंडालों में नवदुर्गा उत्सव के दौरान स्थापित मूर्तियों को तालाब में विसर्जित करने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि हमें पता चला है कि हादसे के बाद पांच-छह श्रद्धालु तालाब से जीवित बाहर आ गए है, अन्य लापता हुए लोगों की तलाश जारी है। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि हादसे के कारण का पता लगाया जा रहा है।

मोबाइल गेम खेलने पर डांटने से नाराज किशोर ने दी जान

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर में किशोर ने मोबाइल गेम खेलने पर अपनी बहन द्वारा डांटे जाने के बाद घर में आत्महत्या कर ली। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इस घटना की सूचना बुधवार को स्थानीय पुलिस थाने को दी गई थी।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा कि आदर्श नगर निवासी 15 वर्षीय किशोर ने अपनी बड़ी बहन से हुई बहस के बाद अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। कक्षा नौ के छात्र को तुरंत निकटवर्ती अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि किशोर के पिता सोनीपत के कुंडली स्थित एक कंपनी में काम करते हैं।

उच्च नैतिक मूल्यों से ईमानदारी करें न्यायाधीश : हाईकोर्ट

अहमदाबाद, एजेंसी

- सेवानिवृत्त न्यायाधीश की याचिका को गुजरात हाईकोर्ट ने किया खारिज

गुजरात हाईकोर्ट ने न्यायाधीशों से उच्च नैतिक मूल्यों के साथ पूरी ईमानदारी बरतने का आह्वान किया। हाईकोर्ट ने कहा कि किसी न्यायाधीश के पूरे सेवा रिकॉर्ड में उनके खिलाफ एक भी प्रतिकूल टिप्पणी या उनकी निष्ठा पर सवाल 'अनिवार्य सेवानिवृत्ति' के लिए पर्याप्त आधार है।

न्यायमूर्ति ए एस सुपेहिया और न्यायमूर्ति एल एस पीरजादा की पीठ ने मंगलवार को सुनाए गए अपने आदेश में कहा कि ऐसे न्यायिक अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करना भी आवश्यक नहीं है, क्योंकि जनहित में अनिवार्य सेवानिवृत्ति देना दंड के समान नहीं है। याचिकाकर्ता जेके आचार्य एक तदर्थ सत्र न्यायाधीश थे और उन्हें नवंबर 2016 में उच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत द्वारा 17 अन्य सत्र न्यायाधीशों के साथ अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया गया था। उनकी याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश को अपने न्यायिक कर्तव्य का निर्वहन निष्ठा, निष्पक्षता और बौद्धिक ईमानदारी के साथ करना चाहिए, क्योंकि वह जनता के विश्वास का पद धारण करते हैं।

उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि सम्पूर्ण सेवा रिकॉर्ड में एक भी प्रतिकूल टिप्पणी या संदिग्ध निष्ठा, किसी न्यायिक अधिकारी को जनहित में अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने के लिए पर्याप्त है। किसी भी पदोन्नति या उच्च वेतनमान/चयन ग्रेड प्रदान करने का अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसे न्यायिक अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं है। उच्च न्यायालय की पूर्ण अदालत के न्यायाधीश किसी न्यायिक अधिकारी को उनकी सामान्य साख के आधार पर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर सकते हैं, भले ही उनके विरुद्ध कोई ठोस सबूत न हो, और ऐसे आदेश की न्यायिक समीक्षा केवल अत्यंत सीमित आधारों पर ही स्वीकार्य है। आचार्य को 17 अन्य सत्र न्यायाधीशों के साथ अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई थी, जो उस समय उच्च न्यायालय की नीति का हिस्सा था। इसके तहत 50 और 55 वर्ष की आयु के न्यायाधीशों का मूल्यांकन किया जाता था तथा जिनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया जाता था उन्हें सेवानिवृत्त कर दिया जाता था।

आचार्य ने इस फैसले के साथ राज्य सरकार और राज्यपाल द्वारा इसे लागू करने की कार्रवाई को भी चुनौती दी थी। अदालत ने कहा कि जनहित या प्रशासन के हित में अनिवार्य/समयपूर्व सेवानिवृत्ति का आदेश कोई सजा नहीं है। हाईकोर्ट की पूर्ण अदालत द्वारा जनहित में न्यायिक अधिकारी को अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त करने का निर्णय सभी न्यायाधीशों के सामूहिक विवेक को दर्शाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

इजराइली हमलों में गाजा में मारे गए 40 फिलिस्तीनी

दीर अल-बलाह। गाजा में बुधवार रात से बृहस्पतिवार तक इजराइली हमलों और गोलीबारी में कम से कम 40 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। नासिर अस्पताल के अनुसार दक्षिणी गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 27 लोग मारे गए। वहां के अधिकारियों ने बताया कि उनमें से 14 लोग एक इजराइली सैन्य गलियारे में मारे गए, जहां मानवीय सहायता वितरण के दौरान अक्सर गोलीबारी होती रही है। मध्य शहर दीर अल-बलाह में स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इजराइली हमलों में 13 लोग मारे गए हैं।

तुर्किये के इस्तांबुल में पांच तीव्रता का भूकंप

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में बृहस्पतिवार को मध्यम तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप के कारण लोग घबराकर इमारतों से बाहर निकले तथा विद्यालयों को खाली करना पड़ा, लेकिन किसी प्रकार के नुकसान या हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी एएफएडी के मुताबिक शुरुआती जानकारी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता पांच थी और इसका केंद्र तेकिरदाग प्रांत के पास मरमारा सागर में केंद्रित था।

हाउसेस ऑफ हैम्पस्टेड ने बनाया नया रिकॉर्ड

लंदन। गोवा के मशहूर चित्रकार फ्रांसिस न्यूटन सूजा की कलाकृति 'हाउसेज इन हैम्पस्टेड' ने कला जगत में नीलामी का नया रिकार्ड बनाया है। लंदन में सोथबी की नीलामी में यह कलाकृति 75 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक में बिकी, जो इसकी निर्धारित कीमत से लगभग सात गुना अधिक है। मंगलवार को आयोजित 'आधुनिक एवं समकालीन दक्षिण एशियाई कला' नीलामी में बॉम्बे प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप के संस्थापक सदस्य सूजा की एक अन्य कलाकृति 'एंपरर' भी निर्धारित कीमत से पांच गुना अधिक राशि यानी 69 लाख अमेरिकी डॉलर में बिकी।

उष्णकटिबंधीय तूफान फिलीपींस की ओर बढ़ा

हांगकांग। उष्णकटिबंधीय तूफान मैटमो बृहस्पतिवार को फिलीपींस के करीब पहुंच गया और सप्ताहांत में इसके चीन की ओर बढ़ते समय विकराल रूप धारण करने की आशंका है। इस क्षेत्र में एक हफ्ते पहले ही रागासा तूफान आया था जो पिछले कई वर्षों में एशिया से टकराने वाले सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक था। मैटमो के कारण अधिकतम 65 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।

इंडोनेशिया : स्कूल के मलबे में दबे सैकड़ों छात्रों की तलाश अभी जारी

जकार्ता, एजेंसी

- तीन दिन पहले अचानक ढह गई थी सौ साल पुराने स्कूल की इमारत

इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो में तीन दिनों से मलबे में दबे सैकड़ों छात्रों की तलाश में राहत और बचाव दल जुटे हुए हैं। हालांकि माना जा रहा है कि अब कोई जीवित नहीं बचा होगा।

सोमवार दोपहर की नमाज के दौरान स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिर गया था जिसके मलबे की चपेट में ये छात्र आ गए थे। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, 100 साल पुराने अल खोजिनी बोर्डिंग स्कूल के मलबे में अधिकारियों ने छह छात्रों को जीवित निकाल लिया था और तथा फंसे हुए अन्य छात्रों को भोजन, पानी और ऑक्सीजन उपलब्ध कराई जा रही है। इंडोनेशिया के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीपीबीडी) ने मंगलवार देर रात कहा था कि कुल मिलाकर कम से कम 91 लोग लापता हैं।

इंडोनेशिया की राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी (बसारनास) के अनुसार, इस घटना में कम से कम 100 लोग घायल हुए हैं। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने चेतावनी दी कि जीवित बचे लोगों तक पहुंचने के लिए समय कम होता जा रहा है क्योंकि घटना को हुए तीन दिन हो चुके हैं।

स्कूबा डाइविंग के दौरान नहीं, तैरते समय हुई थी जुबीन की मौत

सिंगापुर पुलिस ने अपने प्रारंभिक निष्कर्षों के साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट भारतीय उच्चायोग को सौंपी

सिंगापुर, एजेंसी

भारतीय गायक जुबीन गर्ग की पिछले महीने सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मौत हुई थी न कि स्कूबा डाइविंग के दौरान जैसा कि पहले बताया गया था। सिंगापुर के एक अस्पताल की ओर से जारी रिपोर्ट में डूबने को जुबीन की मौत का कारण बताया गया था।

पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के आयोजन के लिए सिंगापुर आए जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को मौत हो गई थी। 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' अखबार की एक खबर के मुताबिक, सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने कहा कि उन्होंने भारत के उच्चायोग को गर्ग की मौत से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों के साथ पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एक प्रति सौंप दी है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि उसे रिपोर्ट प्राप्त हुई है। सूत्र के अनुसार रिपोर्ट में कहा गया है कि असम निवासी गर्ग की डूबने के कारण मौत हुई।

एसपीएफ ने पहले 52 वर्षीय गर्ग की मौत में किसी तरह की आपराधिक साजिश की संभावना से इनकार किया था। अखबार ने यहां लिमन लॉ कॉरपोरेशन के सहायक निदेशक एन काई लिंग के हवाले से कहा, जुबीन गर्ग के मामले में एक कोरोनर की जांच डूबने से पहले के घटनाक्रमों को स्पष्ट कर सकती है। कोरोनर एक न्यायिक अधिकारी होता है, जिसका काम मृत्यु के कारणों और परिस्थितियों की आधिकारिक जांच करना होता है। सिंगापुर के अखबार के अनुसार, सहायक निदेशक ने यह भी कहा कि आपराधिक साजिश शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है, लेकिन एसपीएफ का प्रारंभिक बयान यह दर्शाता है कि उन्हें संदेह नहीं है कि गर्ग की हत्या की गई थी या उनकी मौत किसी आपराधिक हिंसा के कारण हुई थी।

असम: जुबिन के प्रबंधक और महोत्सव आयोजक पर हत्या का आरोप

गुवाहाटी। असम पुलिस ने सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत पर हत्या का आरोप लगाया है। शर्मा और महंत को बुधवार को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। असम पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के स्पेशल डीजीपी मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गुवाहाटी की एक अदालत ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद उनसे पूछताछ जारी है। गुप्ता ने कहा, जांच जारी है और मैं ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकता। हमने अब प्राथमिकी में बीएनएस की धारा-103 जोड़ दी है। बीएनएस की धारा-103 हत्या के लिए सजा से संबंधित है। इसमें हत्या के दोषी व्यक्ति को उम्रकैद या मौत की सजा और जुर्माने से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

पाकिस्तान में 46 प्रतिशत बढ़ी हिंसा खैबर पख्तूनवा सबसे ज्यादा प्रभावित

आम लोगों और सुरक्षाकर्मियों समेत इस साल अब तक ढाई हजार लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में 2025 की तीसरी तिमाही में हिंसा में कुल 46 प्रतिशत वृद्धि हुई, जिसमें खैबर पख्तूनख्वा प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक पाकिस्तान में हिंसा की घटनाओं में इस साल अब तक ढाई हजार लोगों की मौत हो चुकी है।

'द न्यूज' ने 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (सीआरएसएस) की ओर से नवीनतम आंकड़ों के आधार पर खबर दी है कि पाकिस्तान में आतंकी हमलों और आतंकवाद रोधी अभियानों समेत हिंसा की 329 घटनाओं में कम से कम 901 लोगों की जान गई है और 599 लोग घायल हुए हैं जिनमें सुरक्षा कर्मी, आम नागरिक और आतंकवादी शामिल हैं। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त आई है जब क्वेटा के फ्रंटियर कोर मुख्यालय के पास मंगलवार को हुए एक आत्मघाती हमले में 11 लोग मारे गए।

सीआरएसएस की रिपोर्ट में बताया गया है कि तीसरी तिमाही तक यह वर्ष पिछले साल के समान ही घातक साबित हुआ है। इस साल अबतक 2,414 मौतें दर्ज की गई हैं, जबकि 2024 में 2,546 मौतें दर्ज की गई थीं। तीसरी तिमाही में हुई कुल 901 मौतों में से 516 (57 प्रतिशत) आतंकवादियों की थीं, जबकि 385 नागरिक और सैन्यकर्मी मारे गए। इनमें से 219 नागरिक (24 प्रतिशत) मारे गए, जबकि 166 (18 प्रतिशत) सुरक्षाकर्मी मारे गए।

अफगानिस्तान के साथ सीमा साझा करने वाले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत आतंकवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। देश भर में हुई आतंकी घटनाओं में से 96 फीसदी इन्हीं दो प्रांतों में हुई हैं।

पीओजेके में गोलीबारी से आठ प्रदर्शनकारी मारे गए

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के कई शहरों और कस्बों में गरीबी और बदइंतजामी से नाराज होकर सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाक सुरक्षा बलों की गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। जम्मू और कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर के आह्वान पर इन नाराज लोगों ने कई इलाकों से मुज़फ्फराबाद की ओर एक लंबा मार्च शुरू किया था। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार कोटली इलाके में रावलकोट और बाग से मुज़फ्फराबाद की ओर कूच कर रहा करीब दो हजार लोगों का काफिला जब धीरकोट इलाके में पहुंचा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी। इस घटना में चार नागरिक मारे गए और लगभग सोलह घायल हो गए। धीरकोट में हुई हिंसा के विरोध में जब मुज़फ्फराबाद के लाल चौक पर लोगों ने धरना दिया तो पुलिस ने धरना दे रहे इन लोगों पर गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले दागे। इस घटना में दो लोगों के मारे जाने की खबर है।

शहबाज ने हल खोजने के लिए किया वार्ता समिति का विस्तार

इस्लामाबाद। पीओके में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को गहरी चिंता जताई, साथ ही हिंसक विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के वास्ते समाधान खोजने के लिए गठित वार्ता समिति का विस्तार किया है। जम्मू कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) और पीओके तथा संघीय सरकार के प्रतिनिधियों के बीच वार्ता के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाए मुद्दों को हल करने में नाकाम रहने के बाद जेकेजेएएसी ने तीन दिन की हड़ताल की थी। इसके बाद शरीफ ने यह कदम उठाया। 'द न्यूज' की एक खबर के मुताबिक, पीओके में जारी प्रदर्शनों के दौरान कम से कम छह नागरिकों और तीन पुलिस कर्मियों की मौत हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनों में लगभग 172 पुलिस कर्मी जख्मी हुए, जिनमें से 12 की हालत गंभीर बताई गई है।

मोरक्को में हिंसक हुआ सरकार विरोधी प्रदर्शन दो लोगों की मौत

एक युवा प्रदर्शनकारी को ले जाती पुलिस।

सरकार के विरोध में प्रदर्शन करने वालों ने बड़े पैमाने पर आगजनी की।

रबात। मोरक्को में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी बुधवार को लगातार पांचवीं रात सड़कों पर उतरे। हालांकि, सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति को लेकर हुआ प्रदर्शन हिंसक हो गया। पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण करने के लिए दक्षिणी शहर में गोलीबारी की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। मोरक्को की राजधानी रबात से लगभग 500 किलोमीटर दक्षिण स्थित लेक्लिया में ये मौतें हुई हैं। मोरक्को की सरकारी समाचार एजेंसी 'एमएपी' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए दो उपद्रवियों को गोली मार दी। कहा गया है कि जिन लोगों को गोली मारी गई, वे पुलिस के हथियार छीनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि कोई भी प्रत्यक्षदर्शी इस खबर की पुष्टि नहीं कर सका। इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं दी गई।

गाजा में मानवीय सहायता ले जा रहे जहाज इजराइल ने रोके

यरुशलम, एजेंसी

इजराइली नौसेना के सैनिक गाजा की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे एक बेड़े (फ्लोटिला) के अधिकांश जहाज़ों पर चढ़ गए और दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। दुनिया के तमाम देशों ने फ्लोटिला को रोके जाने की निंदा की है।

'द ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' नामक इस काफिले में लगभग 50 छोटे जहाज शामिल हैं, जिन पर करीब 500 लोग सवार हैं। यह काफिला गाजा के घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे फिलिस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता ले जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य सामग्री और दवाइयां शामिल हैं। फ्लोटिला ने कहा कि उनके 39 जहाज़ों को बृहस्पतिवार सुबह तक या तो रोक लिया गया या माना जा रहा है कि रोक लिया गया, क्योंकि कार्यकर्ताओं से संपर्क टूट गया है। यह कार्रवाई इज़राइल ने बुधवार रात शुरू की थी।

इस फ्लोटिला के आयोजकों ने कहा कि एक नौका आगे बढ़ गई थी लेकिन बृहस्पतिवार सुबह गाज़ा के तट के पास रुक गई और उसके बाद उस जहाज़ से संपर्क टूट गया। यह इजराइल की समुद्री नाकाबंदी तोड़ने का अब तक का सबसे बड़ा प्रयास है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि इतनी बड़ी संख्या में नावों के साथ, इज़राइली अधिकारियों के लिए सभी को रोकना अधिक कठिन होगा।

- नौसेना ने हिरासत में लिए दर्जनों कार्यकर्ता, दुनिया भर में निंदा

इजराइल के खिलाफ कई देशों में प्रदर्शन

फ्लोटिला के समर्थक बुधवार देर रात नौकाओं को रोके जाने की खबर सामने आने के बाद, कई बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इनमें रोम, नेपल्स, इस्तांबुल, एथेंस और ब्यूनस आयर्स शामिल थे। इटली के सबसे बड़े मज़दूर संघ ने शुक्रवार को एक दिन की आम हड़ताल का आह्वान किया है। इजराइली सैनिकों ने दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और उन्हें फ्लोटिला से हटा दिया जिनमें ग्रेटा थनबर्ग, बार्सिलोना की पूर्व मेयर अदा कोलाऊ, यूरोपीय संसद सदस्य रीमा हसन और अन्य शामिल थे।

इसी महीने शुरू होगी भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान

नई दिल्ली। भारत और चीन ने संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए इस महीने के अंत में चुनिंदा स्थानों से सीधी उड़ान सेवा की बहाली करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके बाद दोनों देशों के बीच पिछले पांच वर्ष से बंद सीधी उड़ान सेवाओं की बहाली का रास्ता साफ हो गया है।

विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों के नागरिक उड्डयन प्राधिकरणों के बीच चल रही तकनीकी स्तर की चर्चा में सहमति बनी है कि दोनों देशों के निर्दिष्ट स्थानों को जोड़ने वाली सीधी उड़ान इस महीने के अंत तक फिर शुरू हो सकती है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख में वर्ष 2020 में हुई हिंसक झड़प के बाद से सीधी उड़ान बंद है। मंत्रालय ने कहा है कि इस वर्ष के शुरू से भारत-चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में सरकार के प्रयासों के तहत दोनों देशों के बीच सीधी हवाई सेवाओं को फिर शुरू करने पर चर्चा हो रही थी। अब यह सहमति बनी है कि भारत और चीन के निर्दिष्ट स्थानों को जोड़ने वाली सीधी हवाई सेवाएं इस महीने के अंत तक के कार्यक्रम के अनुसार फिर से शुरू की जा सकती है।

अहिंसा के संदेश के साथ दुनिया भर में मनाई गई गांधी की जयंती

मॉस्को/बीजिंग, एजेंसी

- कार्यक्रमों में गांधीवादी सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर डाला गया प्रकाश

रूस, चीन, पाकिस्तान और कई अन्य देशों में भारतीय मिशन ने बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी की 156वीं जयंती उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके मनाई और शांति एवं अहिंसा के उनके सार्वभौमिक संदेश की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने रूस की राजधानी मॉस्को के रामेनकी रेयान पार्क में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रूस के अधिकारी और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम मेंम मार्गेरिटा ने 21वीं सदी में आत्मनिर्भरता, सत्य और अहिंसा के गांधीवादी सिद्धांतों के महत्व और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। बीजिंग में, भारतीय दूतावास ने जिनताई कला संग्रहालय में गांधी जयंती और अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया। राजदूत प्रदीप रावत ने पुष्पांजलि अर्पित की। संग्रहालय अध्यक्ष युआन शिकुन, उनकी पत्नी लुओ शियाओ, प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मैनचेस्टर में यहूदियों के प्रार्थना स्थल पर आतंकवादी हमला, दो लोगों की मौत

लंदन, एजेंसी

- पुलिस ने एक संदिग्ध हमलावर को मार गिराया, योम किप्पूर के मौके पर इकट्ठे हुए थे यहूदी

ब्रिटेन के मैनचेस्टर में एक यहूदी प्रार्थना स्थल पर बृहस्पतिवार को हुए आतंकवादी हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। इस दौरान, पुलिस ने एक संदिग्ध को भी मार गिराया। यह हमला उस समय हुआ, जब लोग 'योम किप्पुर' के मौके पर एक यहूदी प्रार्थना स्थल पर इकट्ठे हुए थे।

'योम किप्पुर' यानी 'प्रायश्चित के दिन' को यहूदी कैलेंडर का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा कि उत्तरी इंग्लैंड के क्रम्पसॉल क्षेत्र में मिड्लटन रोड पर 'हीटन पार्क हिब्रू कॉन्ग्रिगेशन सिनेगॉग' में हुए हमले में घायल तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने शुरू में इस हमले को एक बड़ी घटना बताया था। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद निरोधक कमान ने बाद में पुष्टि की कि पुलिस इस मामले को अब आतंकवाद निरोधक जांच के रूप में देख रही है और हमले के सिलसिले में दो गिरफ्तारियां की गई हैं।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस के सहायक आयुक्त लॉरेंस टेलर ने कहा, हमें जो जानकारी मिली है, उसके आधार पर आतंकवाद-रोधी पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना करार दिया है। पुलिस के मुताबिक, यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर तैनात एक सुरक्षाकर्मी सहित कुछ लोगों पर चाकू से हमला किया गया वहीं कई लोगों को एक कार से रौंद दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने आंतरिक रूप से 'ऑपरेशन प्लेटो' शुरू करने की घोषणा कर दी, जिसका संचालन आपातकालीन सेवाएं आतंकवादी हमलों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करते समय करती हैं। सोशल मीडिया पर साझा की जा रही तस्वीरों में एक संदिग्ध को अपनी कमर पर कुछ बांधे हुए देखा जा सकता है। लंदन स्थित इजराइली दूतावास ने इस हमले को घृणित और बेहद दुखद करार दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 अक्टूबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 18.32 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

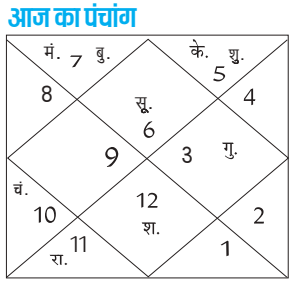

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण 09.34 तक तत्पश्चात धनिष्ठा।

मेष — आज स्वभाव में चिड़चिड़ापन के कारण आपसे परिजन नाराज हो सकते हैं। पेट में इंफेक्शन की शिकायत हो सकती है। अपनी बातों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवादित मुद्दों में उलझ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बटाएंगे।

वृष — आज किसी को धन उधार में न दें अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। नकारात्मक विचारों का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। प्रेमीजन की भावनाओं का सम्मान करें। महिलाओं को घर में बहुत अधिक काम हो सकता है।

मिथुन — आज लोग आपकी भावनाओं का निरादर कर सकते हैं। मैनेजमेंट से जुड़े लोगों को अपनी कमियों पर गौर करना चाहिए। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर अत्यधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। शोध कार्यों में आपकी रूचि बढ़ सकती है।

कर्क — आज किसी पुराने मामले का निपटारा हो सकता है। आप में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। विदेश जाने की संभावना बन रही है। वित्तीय योजनाओं को आप समय देंगे। नई योजनाओं पर आप काम कर सकते हैं।

सिंह — आज व्यवसाय में आप पार्टनरशिप को अत्यधिक महत्व देंगे। लेन-देन के मामले में आप अत्यंत भाग्यशाली रहेंगे। अधूरे पड़े कार्यों को पूरा कर लेंगे। घर की व्यवस्था उचित बनी रहेगी। घर के बुजुर्ग आपका मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन करेंगे।

कन्या — आज उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। प्रेम-संबंधों को लेकर विचलित न हों। संतान की शिक्षा पर आप अत्यधिक ध्यान देंगे। नए विचारों को अपनाने में आप संकोच नहीं करेंगे। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे।

तुला — आज अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें। पहले की गई मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। दिखावे से आपको दूर रहना चाहिए। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है।

वृश्चिक — आज आय के साधन बढ़ सकते हैं। प्रतिस्पर्धा के वातावरण में आप विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। मीडिया से जुड़े लोग बड़ी बहादुरी के साथ अपना काम करेंगे। दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रखें। स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

धनु — आज उच्च शिक्षा में आप भाग लेंगे। बातचीत करते हुए शब्दों का चयन सही तरह से करें। प्रेम-संबंधों को लेकर परिजन कुछ नाखुश हो सकते हैं। सोच-विचार के ही कोई बड़ा निर्णय लें वरना आपको उसके लिए काफी परेशानी उठानी पड़ सकती है।

मकर — आज दोपहर के बाद आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी के कार्यों के कारण आपको परेशानी होगी। रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। वाहन में खराबी आ सकती है।

कुंभ — आज स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। अपनी स्किल्स को लेकर अत्यधिक आत्मविश्वास में रहेंगे। उच्चाधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। कारोबार में सुधार कर सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे।

मीन — आज अविवाहित लोगों को विवाह के संबंध मिल सकते हैं। नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिवार के साथ कहीं पर्यटन के लिए जा सकते हैं।

सुडोकू-118

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			7				9	
6		2					7	
9			4			5		
4		7			1	8		
	3						6	
		5	9		6			3
		8			2			7
	9					2	5	
	1				3			

सुडोकू - 117 का हल

5	8	1	2	6	7	4	3	9
9	7	4	3	8	1	5	6	2
2	6	3	4	9	5	8	1	7
7	3	9	5	1	8	6	2	4
4	5	6	9	3	2	7	8	1
1	2	8	7	4	6	3	9	5
6	4	7	1	2	3	9	5	8
3	9	2	8	5	4	1	7	6
8	1	5	6	7	9	2	4	3

यही वह कीमत थी जो मैं चाहता था और अगर ये पूरी नहीं होती है तो मैं करियर के इस पड़ाव पर नहीं खेलने को लेकर खुश हूँ। नीलामी से कुछ दिन पहले नाम वापस लेने वाला था, चूंकि मैंने नीलामी में भाग लेने का वादा ककया था। –आर अश्विन, पूर्व क्रिकेटर

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 3 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अपोलो ने क्रिकेट जर्सी के लोगो का किया अनावरण

अहमदाबाद : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ हाल ही में हुई प्रतिष्ठित 3-वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा के बाद, अपोलो टायर्स ने आज अहमदाबाद, भारत में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट मैच से पहले पहली बार भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की जर्सी पर अपने लोगो का अनावरण किया। यह साझेदारी में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि दो दिन पहले ही अपोलो टायर्स का लोगो पहली बार गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान महिला टीम की जर्सी की आस्तीन पर प्रमुखता से दिखाई दिया था। पुरुष और महिला दोनों टीमों की जर्सी पर अपोलो टायर्स के लोगो की उपस्थिति खेल के समर्थन और देश के जुनून का जश्न मनाने की गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भारत-श्रीलंका मैच में बना दर्शक संख्या का रिकॉर्ड

नई दिल्ली : गुवाहाटी में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के उद्घाटन मैच ने महिला क्रिकेट में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की गुवाहाटी में ऐतिहासिक शुरुआत हुई, जहां भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले मैच ने किसी भी महिला क्रिकेट विश्व कप में दर्शकों की संख्या का नया रिकॉर्ड बनाया। एसीए स्टेडियम में खेले गए इस मैच में 22,843 दर्शक आए, जो किसी भी महिला विश्व कप के ग्रुप चरण के सबसे अधिक दर्शकों वाले मैच का रिकॉर्ड है। 15,935 दर्शकों का पिछला रिकॉर्ड 2024 में भारत-पाकिस्तान आईसीसी महिला टी20 विश्व कप ग्रुप ए मुकाबले के दौरान बना था।

नामीबिया-जिम्बाब्वे ने किया क्वालीफाई

दुबई : नामीबिया और जिम्बाब्वे ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। दोनों टीमें हरारे में अफ्रीका क्षेत्रीय फाइनल के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। नामीबिया ने पहले सेमीफाइनल में तंजानिया को हराया जबकि जिम्बाब्वे ने कीनिया को मात दी। फरवरी मार्च 2026 में होने वाले टी-20 विश्व कप में दोनों टीमों ने अफ्रीका से क्वालीफाई किया। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि अब अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिये एशिया . ईएपी क्वालीफायर से तीन कोटा स्थानों का निर्धारण होना है।

भारतीय जू. हॉकी टीम कैनबरा चिल से हारी

कैनबरा : भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को आस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी मैच में कैनबरा चिल ने 5 . 4 से हरा दिया । भारत के लिये सुखवीर कौर (छठा मिनट), कनिका सिवाच (42वां) , सुनेलिटा टोप्पो (54वां) और इशिका (57वां) ने गोल किये । वहीं कैनबरा चिल के लिये कान्हेस लौरेन यि (12वां और 19वां), कानहेस जोसी ल्यूटन (24वां), हंटर बाल्डविन (28वां) और अमुकॉटन (34वां) ने गोल दागे । भारत ने छठे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर सुखवीर के गोल के दम पर बढत बना ली लेकिन कुछ मिनटों बाद ही लौरेन ने बराबरी का गोल दाग दिया और 19वें मिनट में आस्ट्रेलिया की टीम को को बढत भी दिला दी । जोसी और बाल्डविन ने भी फील्ड गोल करके आस्ट्रेलियाई टीम का पलड़ा भारी कर दिया । तीसरे क्वार्टर में कैनबरा चिल ने चौथा और पांचवां गोल किया । भारत के लिये कनिका ने 42वें मिनट में गोल दागा जबकि आखिरी क्वार्टर में सुनेलिटा और इशिका ने गोल किये लेकिन भारतीय टीम बराबरी का गोल नहीं कर सकी ।

भारतीय टीम ने पहले ही दिन कसा शिकंजा

अहमदाबाद टेस्ट: मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह के सामने वेस्टइंडीज की पहली पारी 162 रनों पर सिमटी, मेजबानों का ठोस जवाब

अहमदाबाद, एजेंसी

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (चार विकेट) और जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज को पहले टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को पहली पारी में 162 रन पर समेटने के बाद केएल राहुल (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने स्टंप्स के समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं। हालांकि वह अभी भी वेस्टइंडीज के बनाये गये स्कोर से 41 रन पीछे है।

वेस्टइंडीज को समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 68 रन जोड़े। 19वें ओवर में जेडेन सील्स ने यशस्वी जायसवाल को विकेटकीपर शाई होप के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। यशस्वी जायसवाल ने 54 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 36 रन बनाये। भारत का दूसरा विकेट साई सुदर्शन (सात) के रूप में गिरा। उन्हें रॉस्टन चेज ने पगबाधा आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने पहली पारी में दो विकेट पर 121 रन बना लिये है और केएल राहुल नाबाद 53 और शुभमन गिल नाबाद 18 रन क्रीज पर मौजूद है। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स और रॉस्टन चेज ने एक-एक विकेट लिये।

अहमदाबाद में खेले जा रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद मैदान से बाहर जाते भारतीय कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल।

इससे पहले वेस्ट इंडीज का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला उसके मन-माफिक नहीं रहा। भारतीय तेज गेंदबाज जोड़ी ने उसकी पारी को बिखेर दिया। रही-सही कसर चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने दो विकेट लेकर पूरी कर दी। सिराज ने 40 रन पर चार विकेट, बुमराह ने 42 रन पर तीन विकेट, कुलदीप ने 25 रन पर दो विकेट और वाशिंगटन सुंदर ने नौ रन पर एक विकेट लिया। भारत ने लंच ब्रेक तक ही वेस्टइंडीज के पांच बल्लेबाजों को पवेलियन लौटा दिया था और लंच के तुरंत बाद ही सिराज ने एक और सफलता दिलाई। हालांकि इस सत्र में वॉशिंगटन और बुमराह ने भी गेंद के साथ अहम भूमिका निभाई और खासकर बुमराह ने अपनी सटीक यॉर्कर से सेट बल्लेबाज ग्रीव्स को बोल्ड किया।

सिराज को चार विकेट से संतुष्ट रहना पड़ा लेकिन उनके योगदान से भारत मैच में पहले दिन ही काफी आगे हो गया है। वेस्टइंडीज की टीम दो सत्रों में ही ऑल आउट हो गई। उन्होंने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह उनकी योजना नहीं थी। सिराज ने भारत के लिए लय तय की क्योंकि उन्होंने पहले चार में से तीन विकेट चटकाए। उन्होंने इस सत्र की शुरुआत में कप्तान रोस्टन चेज को आउट करने के लिए एक जाफ़ा भी लगाया। ग्रीव्स ने थोड़ा संघर्ष दिखाया, लेकिन बुमराह ने उन्हें शानदार गेंदबाजी से बोल्ड कर दिया। इसके बाद बहुत कम समय बचा क्योंकि भारत की तेज गेंदबाज जोड़ी ने मिलकर सात विकेट लिए। कुलदीप ने अपना दूसरा विकेट लेकर पारी का अंत किया। कुछ अच्छी पारियों के अलावा, वेस्टइंडीज का बल्लेबाजी प्रदर्शन बेहद खराब रहा क्योंकि किसी भी बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी धैर्य और लचीलापन नहीं दिखाया। जस्टिन ग्रीव्स ने 32, शाई होप ने 26 और कप्तान रोस्टन चेज ने 24 रन बनाए।

ग्रीन विकेट पर गेंदबाजी करके काफी रोमांचित हूं: सिराज

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में चार विकेट लेने वाले भारत के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि लंबे ब्रेक के बाद हरी विकेट पर गेंदबाजी करके उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट शृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाने वाले सिराज ने उसी लय को कायम रखते हुए 40 रन देकर चार विकेट लिए। सिराज ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि ग्रीन विकेट पर गेंदबाजी करके काफी रोमांचित हूं। भारत में टेस्ट क्रिकेट में अक्सर ऐसी विकेट नहीं मिलती। पिछली बार न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरू में ऐसी विकेट मिली थी तो इस पर गेंदबाजी करके काफी रोमांचित महसूस कर रहा हूं। टेस्ट से पहले पिच पर घास थी जिसकी छंटनी की गई लेकिन नई गेंद से इस पर मदद मिल रही है।

वेस्टइंडीज : 162/10 (44.1 ओवर)	पहली पारी
जॉन कैंपबेल का जुरेल बो बुमराह	08
तेगनारायण चंद्रपॉल का जुरेल बो बुमराह	00
ऐलेक ऐथेनाज का राहुल बो सिराज	12
ब्रैंडन किंग बो सिराज	13
रॉस्टन चेज का जुरेल बो सिराज	24
शाई होप बो कुलदीप	26
जस्टिन ग्रीव्स बो बुमराह	32
खारे पिएरे पगबाधा सुंदर	11
जोमेल वारिकन का जुरेल बो कुलदीप	08
जोहान लेन बो बुमराह	01
जेडेन सील्स नाबाद	06

गेंदबाजी : बुमराह 14-3-42-3, सिराज 14-3-40-4, रेड्डी 4-1-16-0, जडेजा 3-0-15-0, कुलदीप 6.1-0-25-2, सुंदर 3-0-9-1

भारत : 121/2 (38 ओवर)	पहली पारी
यशस्वी जायसवाल का होप बो सील्स	36
लोकेश राहुल खेल रहे हैं	53
साई सुदर्शन पगबाधा चेज	07
शुभमन गिल खेल रहे हैं	18

गेंदबाजी : सील्स 8-2-21-1, लायने 6-0-14-0, ग्रीव्स 4-2-19-0, वारिकन 6-2-21-0, पियरे 9-0-25-0, चेज 5-0-16-1

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पारी व 58 रनों से रौंदा

अंडर 19

ब्रिस्बेन, एजेंसी

दीपेश देवेंद्रन और खिलन पटेल ने (तीन-तीन विकेट) तथा अनमोलजीत सिंह और किशन कुमार (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारतीय अंडर 19 टीम ने पहले मैच के तीसरे दिन गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 49.3 ओवर में 127 के स्कोर पर ढेर कर मुकाबला पारी और 58 रनों से जीत लिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

ऑस्ट्रेलिया ने कल के आठ रन पर एक विकेट से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में अभी ऑस्ट्रलिया के कल के स्कोर में दो रन का इजाफा हुआ था कि देवेंद्रन ने स्टीवन होगन (तीन) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद 13वें ओवर में देवेंद्रन ने एलेक्स ली यंग (शून्य) को भी अपना शिकार बना लिया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी अधिक देर तक नहीं टिक सके और विकेट गंवाते रहे। कप्तान विल मालाजचुक (22), जेड हॉलिक (13) को खिलन पटेल ने आउट किया। अनमोलजीत सिंह ने साइमन बुडग (शून्य) को खाता खोलने भी नहीं दिया। टॉम होगन (तीन), जॉन जेम्स 10 रन बनाकर आउट हुये। आर्यन शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक 43 रनों की पारी खेली। 50वें ओवर में दीपेश देवेंद्रन ने टॉम पैडिंगटन (एक) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी का 127 के स्कोर पर अंत कर दिया।

हेडन शिलर 16 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने 8.3 ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट विकेट लिये। खिलन पटेल ने 10 ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट झटके। अनमोलजीत सिंह और किशन कुमार को दो-दो विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 243 रन बनाये थे जिसके जवाब में भारतीय टीम ने वेदांत त्रिवेदी (140) और वैभव सूर्यवंशी (113) की शतकीय पारियों के दम पर 428 का स्कोर बनाया था।

बीएफआई कप

अमित पंघाल, मंजू रानी अगले दौर में

चेन्नई। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता सेना के मुक्केबाज अमित पंघाल पंजाब के स्पर्श कुमार को 5-0 से हराकर बीएफआई कप एलीट पुरूष वर्ग के अगले दौर में पहुंच गए हैं। एलीट महिला वर्ग में विश्व चैंपियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता रेलवे की मंजू रानी और युवा विश्व चैंपियन असम की अंकुशिता बोरो और सेना की अरूंधति चौधरी ने भी जीत दर्ज की। सेना के एस विश्वनाथ (50 किलो) और प्रीत मलिक (65 किलो) भी 5 . 0 से जीत दर्ज करके अगले दौर में पहुंच गए। रेलवे के रवि कुमार (75 किलो) और तमिलनाडु के सी लुकास (50 किलो) ने भी अगले दौर में प्रवेश किया।

विदर्भ के 342, शेष भारत को पाटीदार का सहारा

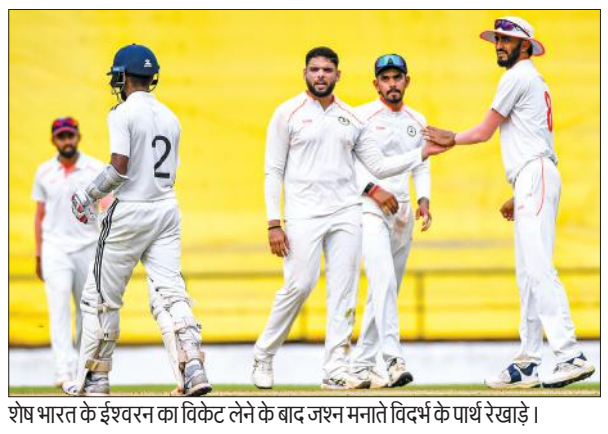

शेष भारत के ईश्वरन का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते विदर्भ के पार्थ रेखाड़े।

नागपुर, एजेंसी

आकाश दीप और मानव सुथार (तीन-तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शेष भारत ने गुरुवार को विदर्भ को पहली पारी में 342 रनों पर रोकने के बाद अभिमन्यु ईश्वरन (52) और रजत पाटीदार (नाबाद 42) की पारियों के दम पर स्टंप्स के समय पांच विकेट पर 142 रन बना लिए है।

बल्लेबाजी करने उतरी शेष भारत के लिए अभिमन्यु ईश्वरन और आर्यन जुयाल की जोड़ी ने पहली पारी के लिए 52 रन जोड़े। 20वें ओवर में दर्शन नालकंडे ने आर्यन जुयाल को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल 11 रन बनाकर आउट हुये। शेष भारत का तीसरा विकेट अभिमन्यु ईश्वरन के रूप में गिरा। उन्हें पार्थ ने पगबाधा आउट किया। ईश्वरन ने 52 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ (9) और ईशान किशन एक रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल समाप्त होने के समय शेष भारत ने पांच विकेट पर 142 रन बना लिए है। रजत पाटीदार और मानव सुथार क्रीज पर मौजूद है। विदर्भ के लिए पार्थ रेखड़े ने दो और दर्शन नालकंडे, हर्ष दुबे, यश ठाकुर ने एक-एक विकेट लिए। इससे पहले विदर्भ ने कल के पांच विकेट पर 280 रन से आगे खेलना शुरु किया। विदर्भ का छठा विकेट 249 के स्कोर पर यश ठाकुर (11) के रूप में गिरा। हर्ष दुबे (शून्य) और दर्शन नालकंडे 20 रन बनाकर आउट हुये। सारांश जैन ने 99वें ओवर में अथर्व तायडे को आउटकर शेष भारत को बड़ी सफलता दिलाई। अथर्व तायडे ने 283 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का लगाते हुए 143 रनों की पारी खेली। इसके बाद सारांश जैन ने आदित्य ठाकरे (दो) को आउटकर विदर्भ की पारी का 101.4 ओवर में 342 के स्कोर पर अंत कर दिया। शेष भारत के लिए आकाश दीप और मानव सुथार ने (तीन-तीन) विकेट लिये। सारांश जैन को दो विकेट मिले। अंशुल कम्बोज और गुरनूर बरार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अनुशासित गेंदबाजी से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया

आईसीसी महिला विश्व कप

कोलंबो, एजेंसी

रूबिया हैदर के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर की अगुवाई में गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के दम पर बांग्लादेश ने आईसीसी महिला विश्व कप के अपने पहले मैच में गुरुवार को पाकिस्तान को सात विकेट से हराया।

रूबिया ने 77 गेंद में नाबाद 54 रन बनाए। उन्होंने कप्तान निगार सुल्ताना (23 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी भी की। बांग्लादेश ने 130 रन का लक्ष्य 113 गेंद बाकी रहते 31.1 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाकिस्तान को अब रविवार को भारत से खेलना है, जिसने पहले मैच में श्रीलंका को 59 रन से हराया है। बांग्लादेश ने सलामी बल्लेबाज फरजाना हक और शरमीन अख्तर के विकेट जल्दी गंवा दिए, जिसके बाद रूबिया ने शुरू में संभलकर खेला। एक बार क्रीज पर जमने के बाद उन्होंने खुलकर स्ट्रोक्स लगाए। उन्होंने 19वें ओवर में पाकिस्तान की अनुभवी स्पिनर नशरा संधू को तीन चौके लगाकर पाकिस्तान को पूरी तरह से दबाव में ला दिया।

इससे पहले बांग्लादेश के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 38.3 ओवर में 129 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश के लिये 20 वर्ष की तेज गेंदबाज मारूफा अख्तर ने 31 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने पहले ही ओवर में ओमाइमा सोहेल और सिदरा अमीन को आउट करके पाकिस्तान को करारे झटके दिए। पाकिस्तान का स्कोर पहले ओवर के बाद दो रन पर दो विकेट था। बाएं हाथ की स्पिनर नाहिदा अख्तर ने 19 रन देकर दो विकेट चटकाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (17) और रमीन शमीम (23) को पावरप्ले के ओवरों के ठीक बाद पवेलियन भेजा। पाकिस्तान का स्कोर पावरप्ले के ओवरों के बाद दो विकेट पर 41 रन था। अपने करियर का 27वां वनडे खेल रही मारूफा ने नई गेंद से कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने पहले भीतर की ओर आती फुललैंग्थ गेंद पर ओमाइमा का लेग स्टम्प उखाड़ दिया और अगली गेंद पर सिदरा का कीमती विकेट लिए। फॉर्म में चल रही सिदरा शॉट लगाने की कोशिश में चूकी और गेंद उनके लेग स्टम्प पर जा लगी। पाकिस्तान की दूसरी सलामी बल्लेबाज मुनीबा ने चौथे ओवर में स्पिनर निशिता अख्तर निशि को दो चौके लगाए, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकी। पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 44 रन हो गया। रमीन शमीम भी दो ओवर बाद आउट हो गई। पाकिस्तान का स्कोर 14वें ओवर के बाद 4 विकेट पर 47 रन था। पाकिस्तान के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। पाकिस्तान ने 100 रन 30वें ओवर में पूरे किए।

मनीष और वैष्णवी सेमीफाइनल में

फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस

नई दिल्ली, एजेंसी

तमिलनाडु के मनीष सुरेशकुमार और महाराष्ट्र की शीर्ष वरीयता प्राप्त वैष्णवी अदकर ने गुरुवार को नई दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मैचों में जीत दर्ज करते हुए 30वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पूर्व चैंपियन मनीष को रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के नितिन कुमार सिन्हा ने कड़ी मेहनत करने पर मजबूर किया और तीन घंटे से ज़्यादा चले मुकाबले में 1-6, 6-1, 7-6 से जीत हासिल की। पहला सेट हारने के बाद, तमिलनाडु के खिलाड़ी ने लय हासिल कर मैच बराबर किया और फिर निर्णायक सेट के तनावपूर्ण टाईब्रेकर में संयम बनाए रखते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की। महिला एकल में, शीर्ष वरीयता प्राप्त महाराष्ट्र की वैष्णवी अदकर ने सातवीं वरीयता प्राप्त पंजाब की साहिरा सिंह को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हराकर अपना दबदबा दिखाया। 2025 विश्व विश्वविद्यालय खेलों की कांस्य पदक विजेता ने पहले सेट में निर्णायक क्षणों में साहिरा की सर्विस तोड़ी और फिर दूसरे सेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। बाद में महिला एकल में, कर्नाटक की सोहा सादिक ने हरियाणा की अदिति रावत को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने कई ड्यूस मुकाबलों को पार करते हुए एक घंटे 35 मिनट में 6-3, 6-2 से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, पश्चिम बंगाल के चौथी वरीयता प्राप्त इशाक इकबाल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा के सातवीं वरीयता प्राप्त अजय मलिक को 6-1, 6-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। लड़कियों के अंडर-18 एकल वर्ग में कर्नाटक की स्निग्धा कांता ने नंबर-1 को हराकर उलटफेर किया। तमिलनाडु की पहली वरीयता प्राप्त दीया रमेश ने लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6-3 से जीत हासिल की।

फुटबॉल | **अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर ने की टूर इंडिया 2025 में अपनी भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि**

भारत फिर से आना सम्मान की बात : मेसी

लियोनेल मेसी

कोलकाता,एजेंसी

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने 'जीओएटी (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) टूर इंडिया 2025 में अपनी भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा कि भारत जैसे 'फुटबॉल के जुनूनी देश' में दोबारा आना उनके लिए 'सम्मान' की बात है। मेस्सी ने पिछली बार भारत में 14 साल पहले (2011) खेला था।

मेसी ने कहा कि यह यात्रा करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। भारत एक बहुत खास देश है और 14 साल पहले मैंने जो समय यहां बिताया था, उसकी अच्छी यादें मेरे साथ है। वहां प्रशंसक शानदार थे। भारत फुटबॉल को लेकर जुनूनी देश है। मैं इस खूबसूरत खेल के प्रति अपने लगाव को साझा करते हुए प्रशंसकों की नई पीढ़ी से मिलने के लिए उत्सुक हूं। आयोजकों ने 15 अगस्त को पहले ही यात्रा कार्यक्रम का अनावरण कर दिया था और गुरुवार को मेसी के बयान ने इसकी पुष्टि भी कर दी। मेसी अपनी चार शहरों की यात्रा की शुरुआत 13 दिसंबर को कोलकाता से करेंगे, जिसके बाद वह अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली जाएंगे। इस यात्रा का समापन 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के साथ होगा। अर्जेंटीना का यह सुपरस्टार इस दौरे के दौरान कई कार्यक्रमों की शिरकत करेगा। इनमें कॉन्सर्ट, मुलाकात का सत्र, फूड फेस्टिवल, फुटबॉल मास्टरक्लास और यहां तक कि मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में एक पैडल प्रदर्शनी भी शामिल है।

सॉल्ट लेक स्टेडियम करेगा दिग्गज की मेजबानी

कोलकाता में मेसी का कार्यक्रम सॉल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह स्टेडियम दूसरी बार इस दिग्गज की मेजबानी करेगा। जहां वह 13 दिसंबर को जीओएटी कॉन्सर्ट और जीओएटी कप का हिस्सा बनेंगे। मेसी के जीओएटी कप में सौरव गांगुली, बाईचुंग भूटिया और लिएंडर पेस जैसे भारतीय खेल नायकों के साथ मैदान साझा करने की उम्मीद है। आयोजक दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान एक 25 फुट ऊँचा भित्ति चित्र का अनावरण करने की भी योजना बना रहे हैं। इसके साथ ही मेसी की अब तक की सबसे बड़ी मूर्ति का उद्घाटन भी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के लिए टिकटों की कीमत 3,500 रुपये से शुरू होने की उम्मीद है। मेसी ने 2011 में सॉल्ट लेक में वेनेजुएला के खिलाफ फीफा के मैत्री मैच में अर्जेंटीना की कप्तानी की थी।